जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 31 अगस्त, 2025

KEDIA™ Pavitra

DIRECT TO RETAILER

DIRECT TO CUSTOMER

FREE & FAST DELIVERY

KEDIA Pavitra → ~~C&F~~ → ~~Super Stockist~~ → ~~Wholesaler~~ → ~~Distributor~~ → Retailer

• No Middle Men • No Milawat

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

FIXED PRICE

BESAN	DESHI CHAKKI AATA	SHARBATI WHEAT	DESHI WHEAT	SHARBATI SUPERIOR AATA	WHEAT DALIA	SUJI (SEMOLINA)
500 g MRP ₹ 70	5 kg MRP ₹ 250	10 kg MRP ₹ 650	10 kg MRP ₹ 450	5 kg MRP ₹ 350	500 g MRP ₹ 40	500 g MRP ₹ 40

T&C Apply.

ALSO LAUNCHING

RICE • WHOLE SPICES • POWDER SPICES • PULSES • EDIBLE OILS • DRY FRUITS • BREWS • SWEETNERS

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON APP

ORDER ON CALL 1800-120-2727

ORDER ON WHATSAPP

विचार बिन्दु

विद्या के अलावा और कोई ज्ञान नहीं है। –थामस फुलर

वनानुभव

प्रकृति-अनुभव और वनानुभव चिकित्सा का इतिहास बहुत प्राचीन है। यह आयुर्वेद की एक श्रेष्ठ गैर-औषधीय चिकित्सा है जिस पर समकालीन शोध भी बहुत समृद्ध है। हरियाली, प्राकृतिक वातावरण, वनों और उपवनों में प्रकृति-अनुभव या दीर्घकालिक जुड़ाव का प्रसन्नता में योगदान पर पूर्व में यहाँ प्रमाण-आधारित ठोस विश्लेषण प्रस्तुत किया गया था। परन्तु क्या यह हरियाली में किया गया व्यायाम और योग तुलनात्मक रूप से बेहतर स्वास्थ्य भी प्रदान करता है? वर्ष 2022 में प्रकाशित शोध को समाहित कर आज की चर्चा पुनः इसी विषय पर है।

जैसा कि पूर्व में बताया गया था, संहिताओं में स्वास्थ्य-रक्षण और रोगोपचार दोनों के लिये ऐसे अनेक सन्दर्भ हैं (देखें, च.चि.3.260-266; च.चि. 2/3, 26-30, च.चि. 4.106-109; च.वि. 6.17, सु.उ. 47.55-57 आदि)। उक्त सभी सन्दर्भ केवल उदाहरणार्थ और प्राचीनता दर्शित करने के उद्देश्य से उद्धृत किये गये हैं। समकालीन शोध में पिछले कई दशकों से विभिन्न विषयों के विद्वानों ने अपनी विधा के अनुसार इस बात की ओर ध्यान खींचा है कि प्रकृति से जुड़ने और मानव स्वास्थ्य में सुधार के बीच सकारात्मक संबंध है। यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सानिध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अवशेषों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धतियों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्योन्याश्रित जुड़ाव रहा है।

जहाँ तक हरियाली का शारीरिक और मनोरोगों को रोकने में योगदान है उस पर बहुत शोध है और उसका सम्पूर्ण विश्लेषण यहाँ देना संभव नहीं है। इस विषय में एक बेहद उपयोगी पुस्तक द एक्सपीरियंस ऑफ़ नेचर-अ साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव वर्ष 1989 में प्रकाशित हुई थी। राचेलकपलान और स्टेफेनकपलान की यह पुस्तक इस विषय में विश्व की सर्वाधिक संदर्भित पुस्तक है जिसे लगभग 8000 प्रकाशनों में संदर्भित किया गया है। प्राकृतिक वातावरण, लोगों और उनके बीच के संबंधों का एक प्रमाण-आधारित लेखा-जोखा इस पुस्तक में है। लेखकों ने यह समझने की कोशिश की है कि लोग प्रकृति का अनुभव कैसे करते हैं और वे किस प्रकार के प्राकृतिक वातावरण पसंद करते हैं, वे जंगल के अनुभवों से क्या मनोवैज्ञानिक लाभ उठाते हैं, और हमारे आसपास के उद्यान लोगों के लिये क्यों महत्वपूर्ण हैं।

आयुर्वेद का लोक-पुरुष-साम्य सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि मानव और संसार एक समान हैं (च.शा.5.3: पुरुषोऽयंलोकसम्मितः) इस सिद्धांत के प्रकाश में देखने पर लोक या पृथ्वी के वातावरण का सीधा-सीधा प्रभाव मानव के स्वास्थ्य पर पड़ता है क्योंकि लोक और पुरुष में समानता (च.शा.5.3: लोकपुरुषयोः सामान्यम्) होने से सामान्य-विशेष का सिद्धांत कार्य करता है। अर्थात सामान भावों को सामान भावों से मिलाने पर उस भाव की वृद्धि और असमान भावों को मिलाने पर ह्रास होता है। सत्य बुद्धि तभी प्रकट होती है या अकल तभी आती है जब स्वयं के अंदर प्रकृति को व प्रकृति के अंदर स्वयं को देखा जाये (च.शा.5.7): सर्वलोकमात्मन्यात्मानं च सर्वलोकेसममनुपश्यतः सत्या बुद्धिः समुत्पद्यते। यहाँ पर लोक से तात्पर्य पूरी दुनिया के वातावरण से है जिसमें छः धातुयें पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश तथा आत्मा शामिल हैं (च.शा.5.7): षड्धातुसमुदायोहि सामान्यतः सर्वलोकः। इस सूची में आत्मा का शामिल होना आश्चर्यजनक नहीं मानना चाहिये क्योंकि पौधे, प्राणी और सम्पूर्ण जीवन भी लोक में शामिल है।

यहाँ यह बताना आवश्यक है कि ऐसा नहीं है कि प्रकृति के सभी आयाम स्वास्थ्यवर्धक और सुरक्षित ही हों। कई प्राकृतिक स्थल मानव में अकेले डर पैदा कर सकते हैं। जो हवा, पानी और मिट्टी स्वास्थ्य के लिये सर्वथा उपयुक्त होती है, वही प्रदूषित होने या प्राकृतिक आपदाओं के स्वरुप में आने पर स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकती हैं। प्राकृतिक वातावरण के जो प्राणी बहुत सुन्दर लगते हैं उनमें से बहुत हिंसक भी हो सकते हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुये प्रकृति-अनुभव अपने अन्य रूपों में हमारे स्वास्थ्य की स्थिति को निर्धारित करते हैं। इस दृष्टिकोण से प्रकृति और पर्यावरण को निहारना, प्राकृतिक वातावरण में घूमना-फिरना स्वास्थ्यकर होता है।

प्रकृति-अनुभव किन कारणों से हमारे स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है? या अन्य शब्दों में कहें तो प्रकृति से जुड़ाव के स्वास्थ्यकर होने की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन क्या है? अनेक अध्ययनों के प्रमाण स्पष्ट करते हैं कि प्रकृति का मानव शरीर और मन पर स्वास्थ्यकर प्रभाव स्वास्थ्य के विविध आयामों को बेहतर करने में प्राकृतिक वातावरणों की भूमिका के कारण होता है। उदाहरण के लिये प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य में सुधार की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन को मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद में कमी, मन की प्रसन्नता में बढ़ोत्तरी, अच्छीनिद्रा, मनोहारी अनुभूति, दर्द-नियंत्रण, बेहतर सामाजिक संपर्क, व्यायाम में बढ़ोत्तरी, हृदय रोगों में कमी, प्रतिरक्षा तंत्र में सुधार आदि के प्रकाश में देखा जा सकता है। वनानुभव-चिकित्सा (वनों में घूम-फिर कर प्रकृति का अनुभव करना) इम्यूनिटी भी बढ़ाती है (देखें, वाय. चे इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(16), 2021)।

शहरों में हरियाली से स्वास्थ्य लाभ के बारे में वर्ष 1800 के बाद से कई छिटपुट अध्ययन मिलते हैं और शहरी विकास में इन्हें शामिल करने के प्रयास भी दुनिया भर में हुये है। इन सब अध्ययनों में एक सन्देश मिल रहा था कि हरियाली को अनुभूत करना या हरियाली का एक्सपोज़र स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है, परन्तु व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस अब आना शुरू हुये हैं। हाल ही में हरियाली से मिलाने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य-लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा-एनालिसिस की गयी। इससे कई रोचक परिणाम मिले। जैसे जैसे हरियाली के साथ जुड़ाव बढ़ा वैसे वैसे लार के कोर्टिसोल, हृदय गति, व डायस्टोलिक रक्तचाप में कमी पायी गयी। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल व हृदय गति की परिवर्तनशीलता में बेहतरी हुई। समय-पूर्व प्रसव-जोखिम, मधुमेह, तथा समस्त-कारण मृत्यु दर (आल-कॉजमोर्टेलिटी) और हृदय रोग मृत्यु दर में भी कमी पाई गयी। स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, डिस्लिपीडेमिया, अस्थमा, और कोरोनरी हृदय रोग की घटनाओं में भी कमी होती गयी। अलग-अलग अध्ययनों को देखने पर यह भी स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य परिणामों में 66.7 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक बेहतरी हुई है। इनमें न्यूरोलॉजिकल, कैंसर, व श्वसन रोगों से मृत्यु दर में कमी भी पाई गयी (देखें, सी. टोहिग-बेनेट, ए. जोन्स, एनवायर्नमेंटल रिसर्च, 166: 628-637, 2018)।

चूंकि प्रतिदिन व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है अतः व्यायाम और योग वनों, हरे-भरे स्थलों, बाग-बगीचों, नदी या झील के समीप किया जाये तो शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिये अधिक उपयोगी है। बच्चों को भी वनानुभव और प्रकृति-अनुभव कराइये। हरियाली से जुड़ाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है।

इस विषय में सबसे भारी अध्ययन जिसका वित्त-पोषण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किया गया था, वह वर्ष 2019 में दुनिया के एक अगुआ जर्नल में प्रकाशित हुई। हरियाली को स्वास्थ्य-निर्धारक, स्वास्थ्य में सुधार, और विभिन्न प्रसन्नता के लिये उपयोगी माना जाता रहा है। इस व्यवस्थित अध्ययन में विश्व भर के अनुदैर्ध्य अध्ययनों से प्राप्त प्रमाणों की इस बात के लिये समीक्षा की गयी कि हरियाली, पार्क्स, गार्डन्स आदि की उपलब्धता का सकल मृत्यु दर में प्रभाव क्या है। इस मेटा-एनालिसिसमें प्रारम्भ में 9298 अध्ययन और 13 अन्य अध्ययनों की पहचान की गयी। इनमें से 9234 (99 प्रतिशत) अध्ययनों को शीर्षक और सारांश जांचने के बाद अपग करते हुयेशेष 77 अध्ययनों में से 68 (88 प्रतिशत) को सम्मिलित किया गया। उक्त के साथ ही मात्रात्मक मूल्यांकन हेतु नौ (12 प्रतिशत) अध्ययनों को शामिल किया। इनमें सात देशों के 8.32 लाख व्यक्ति शामिल थे। कुल मिलाकर निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि आसपास की हरियाली और सकल-कारण मृत्यु दर के बीच एक व्युत्क्रम रिश्ते का प्रमाण पाया गया। कहने का तात्पर्य यह कि जैसे-जैसे हरियाली की उपस्थिति बढ़ती जाती है वैसे-वैसे सभी कारणों से मृत्यु दर में कमी आती जाती है। सन्देश यह है कि मानव समाज जहाँ रहता और काम करता है वहां हरियाली बढ़ाने और जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना मानव स्वास्थ्य के लिये बहुत उपयोगी है (देखें, डी. रोजसरुएडा आदि, द लैंसेटप्लेनेटरी हेल्थ, 3,11: ई 469-ई477, 2019)।

एक अन्य महत्वपूर्ण मेटा-एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर जांच की गयी कि गर्भावस्था में प्रतिकूल परिणामों पर आवासीय हरियाली का क्या प्रभाव रहता है। इसमें कुल 36 अध्ययन शामिल थे और कुल मिलाकर 1.19 करोड़ (11.9 मिलियन) प्रतिभागी थे। परिणाम स्पष्ट करते हैं कि हरियाली वाले स्थलों में जन्म के समय न्यूनतम वजन का जोखिम उच्च स्तर की हरियाली वाले समूह में काफी कम था। गर्भावधि उम्र कम रहने की संभावना भी उच्च हरियाली वाले क्षेत्रों में घटी पायी गयी। इसके अलावा अधिक हरियाली वाले क्षेत्रों में मातृ-जोखिम कम पाया गया और मानसिक विकारों में भी कमी पायी गयी। यह समीक्षा आवासीय हरियाली और गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों के बीच एक उलटे रिश्ता होने की पुष्टि करती है। अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट कर देते हैं कि हरियाली गर्भवती महिलाओं के लिये जोखिम घटाती है (वाइ. झान आदि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 718: आर्ट. 137420, 2020)। हाल ही में वनानुभव को मानसिक स्वास्थ्य में बेहतरी लाने के ठोस प्रमाण मेटा-एनालिसिस से प्राप्त हुए हैं (देखें, वाई. कोटेरा इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड एडिक्शन, 20(1):337-361, 2022)। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से सिद्ध होता है कि वनानुभव अवसाद व चिंता से बचाने हेतु श्रेष्ठ गैर-औषधीय युक्ति है (पी.एस. येओन इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(23): 2021)। रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल्स की मेटा-एनालिसिस का निष्कर्ष भी स्पष्ट करते हैं कि वन-आधारित गैर-औषधीय चिकित्सकीय दखल मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं (देखें, एम.जे. कांग इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 19(8): 2022)। हाल ही में 52 अध्ययनों में समाहित 5.2 मिलियन लोगों के आंकड़ों को लेकर की गई मेटा-एनालिसिस सिद्ध करती है कि ग्रीन-स्पेस के आसपास रहने वाले लोगों में डायास्टोलिक और सिस्टोलिक ब्लडप्रेशर में सुधार होता है (देखें, वाई. झाओ इत्यादि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 817: 152513,2022)

हमारा समाज आज शहरीकरण, संसाधन-विदोहन और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्रकृति-उन्मुखता से प्रकृति-विमुखता की ओर जा रहा है। संहिताओं, शोध और अनुभव की त्रिवेणी से उत्पन्न ज्ञान इस बात के पुख्ता प्रमाण दर्शित करता है कि प्रकृति-अनुभव मानव स्वास्थ्य के लिये अनिवार्य है। शोध स्पष्ट करती है कि प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य-लाभ के मूल में वायु गुणवत्ता, शारीरिक गतिविधि और व्यायाम, सामाजिक सामंजस्य और तनाव में कमी आदि कारक हैं।

इस तमाम चर्चा का मूल संदेश यह है कि पर्यावरण के साथ हमारे संबंध हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। वनानुभव और प्रकृति-अनुभव अनेक रूपों में हो सकता है। हमारे आसपास हरियाली को बढ़ावा देना, वनों उपवनों में घूमना, प्राकृतिक स्थलों में सैर-सपाटा, प्रतिदिन समीपवर्ती बाग-बगीचों में जाकर कम से कम एक घंटे का समय बिताना, कार्य-स्थलों में हरियाली बढाने के लिये छोटे-छोटे गार्डन या बगीची विकसित करना, बैठने के स्थान में खिड़की से दिखने वाला हरा-भरा दृश्य, कार्यालय में पांच मिनट का ब्रेक लेकर हरियाली में टहल कर आना आदिसब छोटे-छोटे ऐसे कार्य हैं, जिनके माध्यम से हमारा प्रकृति के साथ जुड़ाव बना रहता है। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह याद रखने योग्य है कि चूंकि प्रतिदिन व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है अतः व्यायाम और योग वनों, हरे-भरे स्थलों, बाग-बगीचों, नदी या झील के समीप किया जाये तो शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिये अधिक उपयोगी है। बच्चों को भी वनानुभव और प्रकृति-अनुभव कराइये। हरियाली से जुड़ाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है। जीवन के प्रारम्भिक काल में प्रकृति से जुड़ाव मानव और प्रकृति के मध्य आजीवन सार्थक रिश्ता बनाने हेतु आवश्यक है। प्रकृति के साथ जुड़े रहिये। योग और व्यायाम कीजिये। आनंदित रहिये। स्वस्थ रहिये।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष....

सत्ता के प्रत्येक केन्द्र पर स्थापित

रामनिवास बैरवा

सौ साल पहले का इतिहास बहुत लम्बा है। इसे इतिहासकार, ऐतिहासिक विरासतों के विश्लेषक, आलोचक, प्रत्यालोचक अपने-अपने दृष्टिकोण से लिखते हैं। कई विजेताओं का इतिहास लिखते हैं, कई पराजयों का इतिहास लिखते हैं, कोई पीड़ित होकर इतिहास लिखता है। पर है सभी इतिहास के अनिवार्य घटक। सौ साल पहले अंग्रेजों का राज था भारत पर। इस कारण जो पीड़ित रहे उन्हें आजादी चाहिए थी, जो पीड़ितों से पीड़ित रहे उन्हें भी आजादी चाहिए थी।

सौ साल पहले ही एक महायुद्ध हुआ था। उसी महायुद्ध के बीच एक व्यक्ति को भारत में भेजा गया इन सबके बीच समन्वय बैठाने के लिए। जनवरी, 1915 में उस व्यक्ति के आने के बाद सबसे पहले, बिखरे नेतृत्व करने वालों में अपनी पैठ बनाने के लिए, अपनी भागीदारी में अप्रैल, 1915 के हरिद्वार कुम्भ में "हिन्दु महासभा" का गठन किया गया। यह प्रयास सबको एक करने के लिए था।

उस दौर में पीड़ितों का नेतृत्व बाल गंगाधर तिलक कर रहे थे, जो पीड़ितों से पीड़ितों के विरोधी थे। 1920 के नागपुर के कांग्रेस के अधिवेशन में उन्हें ही कांग्रेस का अध्यक्ष बनाना था, लेकिन उस अधिवेशन के चार महिने पहले ही उनका देहान्त हो गया था और गांधीजी नेतृत्व की कसौटी पर आ गये जिस पर उन्हें खरा उतरकर नेतृत्व सम्भालना था। नागपुर के अधिवेशन की तैयारियों में आस-पास के युवक सक्रिय थे बाल गंगाधर तिलक से काफी प्रभावित थे, जिनका केशव राव हेडगवार भी सक्रिय नेतृत्व कर रहे थे। मंच पर कुर्सियों के पीछे बाल गंगाधर तिलक का बहुत बड़ा चित्र लगाया गया था जो कि कसौटी का पैमाना था मुसलमानों को अलग-थलग करने का। और ऐसा ही किया गया। उस अधिवेशन में अपेक्षाकृत अधिक सीनियर और विद्वान कांग्रेसी मोहम्मद अली जिन्ना को अपमानित करके हमेशा के लिए कांग्रेस से अलग कर दिया गया था। अब बचे हिन्दुओं को ही कांग्रेस की निर्बाघ बागडोर मिल गई थी।

बाल गंगाधर तिलक ने अपनी नीतियों और गतिविधियों को ब्रिटिश सत्ता में भागीदारी के समान दावेदार मुसलमानों के खिलाफ केंद्रित किया, दलित सत्ता में भागीदारी के दौर में नहीं थे। इसी बात को लेकर अंग्रेज सरकार ने सवर्ण हिन्दुओं और मुसलमानों की अलग पहचान को केंद्रित करके फूट डाली। इसी विभेदकारी नीति को आगे चलकर पूंजीवादी राष्ट्रों की कम्युनिस्ट-विरोधी अन्तर्राष्ट्रीय नीति के लिए इस्तेमाल किया गया। इस नीति के अनुसरण में सावरकर की हिन्दू-स्वराज एवं गांधीजी की हिन्द-स्वराज की अवधारणायें पनपी। इसी अवधारणा को भारतीय समाज में धरातल पर उतारने का काम 1920 से भारतीय राजनीति में शुरू हो चुका था। कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में स्वयं सेवकों के रूप में काम करने वालों ने 1923 में "हुबली सेवा मंडल" जिसे 1924 में "हिन्दुस्तानी सेवा मंडल" नाम दिया गया, बनाया। 1924 में बेलगाम के कांग्रेस अधिवेशन में गांधीजी कांग्रेस अध्यक्ष बनाये गये तब "हिन्दुस्तानी सेवा मंडल" का नाम "कांग्रेस सेवा दल" करके जवाहर लाल नेहरू को उसका अध्यक्ष बना दिया गया था।

हेडगवार वगैरह को नये लड़के नेहरू के अधीन काम करने और "कांग्रेस सेवा दल" से अपने उद्देश्यों की पूर्ति की आशा नहीं थी अतः गांधीजी से सलाह मशवरा करके एक अलग हिन्दू संगठन बनाने का विचार किया गया। लेकिन हिन्दू नाम हिन्दू महासभा पहले से ही थी, अतः कोई अन्य नाम पर विचार आवश्यक था। तब स्वयं सेवक के साथ राष्ट्रीय शब्द जोड़कर "राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ" नाम दिया गया। चूंकि तब तक सावरकर अंडमान से भारत में आ चुके थे और 1923 में "हिन्दुत्व के आवश्यक तत्व" प्रकाशित की जिसमें अब तक उनके द्वारा प्रयुक्त किये जा रहे शब्द 'भारतीय' के बदले 'हिन्दुत्व' शब्द को काम में लिया गया। यह भी ध्यान देने की बात है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में अनुशासित, आज्ञाकारी ही प्रमुखता पाते रहे हैं लेकिन सिद्धांतकार कोई भी नहीं हुआ, सिवाय दामोदर सावरकर के।

इस प्रकार कांग्रेस की कोख से जन्मी आर.एस.एस. के प्रमुख सिद्धांतकार सावरकर ही स्थापित है। गांधीजी की बाध्यता थी कि राजनीतिक कारणों से उन्होंने जवाहर लाल नेहरू को आगे किया, क्योंकि नेहरू अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अनुरूप छद्म् समाजवाद से कम्युनिस्टों को भ्रमित कर सकते थे, और किया भी जिसकी वजह से आर.एस.एस. भी सावरकर को किसी पद पर नहीं ला सकी। सावरकर अपनी वरिष्ठता के स्व-आग्रह के कारण सामान्य या सहायक बनकर नहीं रहना चाहते थे। इसीलिए, अवसर मिलते ही हिन्दु महासभा का अध्यक्ष पद लिया।

"डिस्कवरी ऑफ इण्डिया" लिखने वाले नेहरू को तो प्रधानमंत्री पद मिला लेकिन वे प्रतिद्वंद्वी सावरकर को प्रतिबंधित करना नहीं भूले। "डिस्कवरी ऑफ इण्डिया" के जवाब में सावरकर ने "भारतीय इतिहास के छः सुनहरे खण्ड" 1963 में प्रकाशित करवाई। जिसमें उसने हिन्दुओं को पीड़ित-प्रताड़ित साबित किया। और उनकी मुक्ति के आक्रामक आख्यानों को हिन्दुओं की मुक्ति का मार्ग बताया। यही अन्ततः आर.एस.एस. के आगे के वर्षों में उसका मार्गदर्शक रहा है।

इसी स्थिति के परिप्रेक्ष्य में 1965 में लाल बहादुर शास्त्री के समय में सावरकर को नियमित पेंशन दी जाने लगी, इंदिरा गांधी ने उन पर डाक टिकिट जारी किया और बाद में भारतीय जनता पार्टी के सरकार बनाने पर सावरकर को गांधीजी के समकक्ष स्थापित करने का उद्यम चलाया जा रहा है क्योंकि अब आर.एस.एस. सत्ता के हरेक केंद्र में स्थापित हो चुकी है। इस प्रकार से आर. एस.एस. के सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं।

- रामनिवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह: औपनिवेशिक विरासत से आधुनिक प्रासंगिकता तक

प्रो. अशोक कुमार

प्रो. गौरहरि बेहेरा

दीक्षांत समारोह, जो एक छात्र के शैक्षणिक जीवन का गौरवपूर्ण समापन होता है, आज अपनी प्रासंगिकता और उद्देश्य को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में है। ये समारोह केवल एक डिग्री प्रदान करने की औपचारिकता मात्र नहीं, बल्कि हमारी शिक्षा प्रणाली की गहरी समस्याओं, उसकी औपनिवेशिक जड़ों और सामंती मानसिकता का प्रतीक बन गए हैं। इस बहस के दो मुख्य आयाम हैं: पहला, इन समारोहों की आंतरिक बनावट और उद्देश्य; और दूसरा, इनका आयोजन स्थल – विश्वविद्यालय परिसर अथवा अन्यत्र कोई स्थान।

औपनिवेशिक विरासत और सतही भारतीयकरण – आधुनिक काल में विश्वविद्यालयों में आयोजित दीक्षांत समारोहों की जड़ें मध्ययुगीन यूरोपीय विश्वविद्यालयों से जुड़ी हैं, जहाँ शिक्षा मुख्य रूप से धार्मिक ग्रंथों पर आधारित थी। इसके विपरीत प्राचीन भारतीय संस्कृति में गुरुकुलों में प्रदत्त शिक्षा प्रणाली के अनुरूप विद्यार्थी की शिक्षा पूर्ण होने के उपरांत समावर्तन अथवा स्नातक संस्कार आयोजित किए जाते थे। इस संस्कार में शिष्य को स्नान करवाने के पश्चात् नवीन वस्त्र धारण करने का नियम था जो विद्यार्थी जीवन से गृहस्थ जीवन में प्रवेश करने का प्रतीक माना जाता था। अंत में गुरु अपने शिष्यों को उनके कर्तव्य एवं दायित्वों के निर्वहन हेतु एक उपदेश देते थे तत्पश्चात् गुरु दक्षिणा भेंट करते हुए इसका समापन किया जाता था। परंतु वर्तमान में इन समारोहों में धारण किए जाने वाले गाउन, जुलूस और उपाधियाँ दिए जाने की रीति सीधे तौर पर उस औपनिवेशिक काल की देन हैं, जब ब्रिटिश शासन ने भारत में अपनी शिक्षा प्रणाली स्थापित की थी।

आज, भारतीय विश्वविद्यालयों ने इस विरासत को भारतीय बनाने का प्रयास किया है, लेकिन यह बदलाव केवल सतही स्तर पर ही संभव हो पाया है। गाउन को भारतीय पोशाक से बदलना या संस्कृत के श्लोकों को शामिल करना इसके मूल स्वरूप को नहीं बदलता। यह एक सतही बदलाव है जो पारंपरिक औपनिवेशिक ढांचे को ही मजबूत करता है। यह दिखावा करता है कि हमने अपनी पहचान को अपनाया है, जबकि हम अभी भी उसी पुराने, थोपे गए मॉडल पर चल रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, दीक्षांत समारोहों में इस्तेमाल की जाने वाली अनेक शब्दावलियां जैसे–'आदेश,' 'प्रतिज्ञा,' और 'देवता' एक ऐसे पदानुक्रम को दर्शाते हैं जो आज के लोकतांत्रिक और समतावादी समाज की भावना के बिल्कुल विपरीत होकर एक सामंतवादी व्यवस्था व दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। ऐसे शब्द एवं इस प्रकार की भाषा का प्रयोग छात्रों को स्वतंत्र विचारक के बजाय आज्ञाकारी अनुयायियों के रूप में प्रस्तुत करती है, जो आधुनिक शिक्षा के सहयोगात्मक उद्देश्य के नितांत प्रतिकूल है।

मूल उद्देश्य से भटकाव

एक समय था जब कुछ विश्वविद्यालयों में दीक्षांत सप्ताह ज्ञान के आदान-प्रदान, विचार-विमर्श का मंच होता था, जहाँ ख्यातिलब्ध विद्वान और कलाकार एकत्रित होते थे। आज, प्रायः वित्तीय संसाधनों के अभाव के कारण यह अपना महत्व खो चुका है और केवल एक नीरस औपचारिकता बनकर रह गया है। दुखःद बात यह है कि कई मामलों में, ये समारोह अपनी मूल भावना से विमुख होकर प्रमुख विचारधाराओं से प्रभावित होने लगे हैं। यह दशा शिक्षा के आधारभूत सवालों व उद्देश्य से ध्यान भटकाने का कार्य करती है जो कि एक शुभ संकेत नहीं है।

आयोजन स्थल: परिसर अथवा अन्यत्र : इस वैचारिक बहस के साथ-साथ, एक व्यावहारिक मुद्दा भी है जो इन समारोहों के आयोजन हेतु स्थल के चुनाव से जुड़ा है।

विश्वविद्यालय परिसर के बाहर: सुविधा और भव्यता की तलाश – आजकल कई बड़े विश्वविद्यालयों में पर्याप्त जगह की कमी के कारण बाहरी कन्वेंशन सेंटर या स्टेडियम का उपयोग करना एक व्यावहारिक विकल्प बन गया है। इसके लाभ स्पष्ट हैं:–

विस्तृत स्थान और सुदृढ़ व्यवस्था – विशाल भीड़ को संभालने, पार्किंग और सुरक्षा के लिए ये स्थान अधिक सुविधाजनक होते हैं।

मौसम से बचाव: बंद ऑडिटोरियम मौसम की अनिश्चितताओं से बचाते हैं।

प्रतिष्ठा और भव्यता: परिसर के अतिरिक्त किसी लोकप्रिय स्थल पर आयोजन से विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ सकती है।

परिसर के अंदर: भावनात्मक जुड़ाव का प्रश्न

हालांकि, परिसर के बाहर आयोजन में अनेक चुनौतियां एवं कमियां भी हैं। इनमें सबसे बड़ी कमी है भावनात्मक जुड़ाव। दीक्षांत समारोह का मुख्य उद्देश्य छात्र को उस स्थान से विदा करना है जहाँ उसने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष बिताए हैं।

परिसर के भीतर आयोजन: कम लागत: बाहरी स्थानों को किराए ार लेने में भारी खर्च आता है, जिसका उपयोग छात्रों की शिक्षा को सुचारू बनाने में बेहतर तरीके से किया जा सकता है।

भावनात्मक बंधन: यह छात्रों को अपने दोस्तों और शिक्षकों के साथ उन स्थानों पर तस्वीरें लेने का मौका देता है जहाँ उन्होंने शिक्षा ग्रहण की है और जिससे एक अविस्मरणीय स्मृति और अनुभव जुड़ा होता है।

पहचान और संस्कृति: विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह उसकी पहचान और संस्कृति का अभिन्न अंग होता है। इसे परिसर से बाहर ले जाना इस भावना को कमज़ोर करता है।

निष्कर्ष: एक नए और प्रासंगिक दृष्टिकोण की ओर : दीक्षांत समारोह को परिसर के भीतर आयोजित करना सबसे बेहतर माना जाता है, क्योंकि यह छात्रों और विश्वविद्यालय के बीच के भावनात्मक बंधन को मजबूत करता है। लेकिन भव्यता के पीछे भागने और अनावश्यक खर्च करने के बजाय, हमें समारोह के मूल उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

दीक्षांत समारोह सिर्फ डिग्री देने की औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह हमारी शिक्षा प्रणाली में व्याप्त गहरी समस्याओं का एक प्रतीक है। यह समय है कि हम दीक्षांत समारोह की पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़कर एक नई और अधिक प्रासंगिक प्रणाली की ओर बढ़ें। हमें ऐसे विकल्प तलाशने चाहिएं जो छात्रों की बौद्धिक और रचनात्मक उपलब्धियों को सही मायने में सराहें, और जो आधुनिक भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप हों। यह बहस सिर्फ एक स्थान या किसी समारोह तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षा के भविष्य और उसके सही उद्देश्य को परिभाषित करने के विषय में है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर विवि.; पूर्व विभागाध्यक्ष, राज. वि.वि., जयपुर।
और प्रोफ़ेसर गौरहरि बेहेरा
अंग्रेज़ी विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

रॉयल्टी ठेकेदार की मनमानी से व्यापारी परेशान

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना क्षेत्र में पत्थर कारोबार से जुड़े व्यापारियों की समस्याएं खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। हाल ही में 23 दिन लंबी हड़ताल के बाद व्यापारियों और रॉयल्टी ठेकेदार के बीच जो समझौता हुआ था, वह अब बेअसर होता नजर आ रहा है। ठेकेदार की मनमानी से व्यापारियों को एक बार फिर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बयाना औद्योगिक समिति के अध्यक्ष दिनेश सूपा ने बताया कि बयाना और पहाड़पुर क्षेत्र से निकलने वाला पत्थर इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है। हड़ताल के बाद हुई वार्ता में कुछ अहम मुद्दों पर सहमति बनी थी, लेकिन अब फिर से उन्हीं समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इसे गंभीर चिंता का विषय बताया। इस मुद्दे पर कांग्रेस जिला महासचिव योगेश सिंघल ने भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का गृह जिला होने के बावजूद बयाना-पहाड़पुर क्षेत्र के व्यापारी रॉयल्टी ठेकेदार की मनमानी से त्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को स्वयं हस्तक्षेप कर व्यापारियों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना चाहिए। व्यापारियों ने औद्योगिक समिति के नेतृत्व में जिला प्रशासन से भी मुलाकात की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। व्यापारियों का कहना है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे फिर से आंदोलन की राह पर जाने को मजबूर होंगे।

राशिफल रविवार 31 अगस्त, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र सायं 5:27 तक, वैधृति योग दिन 3:59 तक, विष्टि करण दिन 11:52 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा। **ग्रह स्थिति:** सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 11:52 तक है। आज दुर्गाष्टमी, राधाष्टमी, श्री दाधिच जयन्ती है। आज से महालक्ष्मी व्रत आरम्भ होगा। आज वैधृति पुण्य है। आज मेला भतृहरि 3 दिन का अलवर में है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:44 से 9:18 तक, लाभ-अमृत 9:18 से 12:27 तक, शुभ 2:02 से 3:36 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:09, सूर्यास्त 6:45

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। शुभ कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मिथुन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आज शुभ-मांगलिक कार्य से संबंधित यात्रा संभव है।

वृश्चिक
मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। मनः स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

धनु
आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज शुभ-धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

What is BRICS? BRICS has long sought to present a united front against what its members see as an unbalanced global order that is dominated by the United States and Western Europe

Meet India's Largest Parrot

Corn Bursts And Banana Flapjacks

Banana flapjacks are sweet, fluffy, and a total treat for kids

''एस.आई. भर्ती'' रद्द करने पर गहलोत ने आखिरकार अपना मुंह खोला, पर संतुष्ट नहीं कर पाये

गहलोत ने कहा कि ''उनकी सरकार में एस.ओ.जी. में चीटिंग सैल बनाया गया था, जिसकी जांच में पेपरलीक का घोटाला उजागर हुआ।'' परंतु सत्य यह है कि, एस. आई. भर्ती-2021 में हुए पेपरलीक की जांच भजनलाल सरकार के कार्यकाल में एस.ओ.जी. को सौंपी गई थी

- गहलोत कार्यकाल में दर्ज कराई गई 10 एफ.आई.आर. और बड़े पैमाने पर हुए पेपरलीक के आरोपों के कारण कई अभ्यर्थियों ने परीक्षा रद्द करने की मांग उठाई थी, इसके बावजूद तत्कालीन सरकार ने उनकी नहीं सुनी।
- आर.पी.एस.सी. ने दिसंबर-2021 में लिखित परीक्षा तथा अप्रैल-2022 में शारीरिक परीक्षा का परिणाम जारी किया था।
- गहलोत ने अपने बयान में कहा कि, ''उनके कार्यकाल के दौरान शिक्षक ग्रेड-2 और वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा 2022 में पेपरलीक का मामला सामने आया था, जिस पर उन्होंने परीक्षा रद्द कर दी थी।'' परंतु सत्य यह है कि इन मामलों में दर्ज एफ.आई.आर. में जिस आर.पी.एस.सी. अधिकारी के लिप्त होने का आरोप था, उसके खिलाफ गहलोत कार्यकाल के पूरे 5 सालों में कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 अगस्त। आखिरकार, राजस्थान हाईकोर्ट के निर्णय देने के दो दिन बाद अशोक गहलोत ने मुंह खोला। गहलोत ने आज एक छुटपुट कॉन्फ्रेंस कर एस.आई. भर्ती परीक्षा- 2021 में हुए व्यापक पेपरलीक के विषय में बयान जारी किया। लेकिन इस कॉन्फ्रेंस की जानकारी कुछ चुनिंदा पत्रकारों को ही थी, और गहलोत ने भी इस बारे में ट्विटर पर केवल एक साढे चार मिनिट का वीडियो जारी किया है। पर इस वीडियो में आरोपों को लेकर गोलमोल जवाब ही दिया है, जिम्मेदारी लेने या तय करने के बजाय वसुंधरा सरकार के दौरान नियुक्त किए गये आरपीएससी सदस्यों को ही आरोपी बताया है और स्वयं का पल्ला झाड़ने के लिए अपनी सरकार में 'चीटिंग' को रोकने के लिए उठाये गये कदमों का ढिंढोरा पीटा है।

अपने बयान में गहलोत ने कहा कि, उनकी सरकार के दौरान, वर्ष 2022 में हुई अध्यापक ग्रेड लेवल-2 और वरिष्ठ अध्यापक की भर्ती के पेपरलीक की जानकारी जैसे ही उन्हें मिली थी तो उनकी सरकार ने परीक्षा रद्द कर पुनः आयोजित करवाई थी। पर

(शेष पृष्ठ 4 पर)

संसद में स्थापित होगा भगवान जगन्नाथ के रथ का पहिया

नई दिल्ली, 30 अगस्त। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पुरी रथ यात्रा के दौरान इस्तेमाल किए गए रथों के तीन पहिये संसद परिसर में स्थापित करने के श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। एसजेटीए ने एक बयान में कहा, ''पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के दौरे के दौरान प्रशासन ने संसद परिसर में रथों के तीन पहिये स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। बिरला ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है।'' एसजेटीए के

- लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया कि रथ यात्रा के तीनों रथों का एक-एक पहिया संसद में स्थापित किया जाए।

मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''माननीय लोकसभा अध्यक्ष ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ आज श्री जगन्नाथ मंदिर में महाप्रभु का आशीर्वाद लिया। हम माननीय अध्यक्ष के प्रति अत्यंत आभारी हैं कि उन्होंने रथ यात्रा के दौरान इस्तेमाल किए गए तीन रथों में से प्रत्येक रथ का एक पहिया संसद परिसर में एक प्रमुख स्थान पर स्थापित

(शेष पृष्ठ 4 पर)

रिज़र्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन के अनुसार ट्रम्प ने ''सैल्फ गोल'' किया है

- उदाहरण के लिए, भारी टैरिफ लगाने से अमेरिका में रोजमर्रा का सामान, टैक्सटाइल्स, सी-फूड, फर्नीचर आदि महंगे हो जायेगें, तथा महंगाई से आम जनता की जेब खाली होगी, जो ट्रम्प भरने का दावा कर रहे हैं।
- राजन का दूसरा तर्क है, भारी टैरिफ लगने से डिमाण्ड (मांग) कम हो जायेगी। अतः अमेरिका के व्यापारी टैरिफ का ''प्रोटेक्शन'' (सुरक्षा) मिलने से जो लाभ मिलने की आशा थी, वह ''डिमाण्ड'' कम होने से नुकसान में परिवर्तित हो जायेगा।
- राजन का तीसरा तर्क है, आयातित वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने की प्रतिक्रिया स्वरूप, दूसरे देश भारी टैरिफ लगायेंगे, जिससे अमेरिका से निर्यात की जाने वाली वस्तुएं, जैसे कृषि उत्पाद, बादाम, सेव व दालों के निर्यात में भारी कमी आयेगी। जिससे अमेरिका के किसानों को नुकसान उठाना पड़ेगा।
- राजन का मानना है, कि टैरिफ बहुत पुराना ''आऊट-डेटेड'' हथियार है, जिसकी धार बहुत पहले ही कुन्दित हो चुकी है। टैरिफ नीति कुछ समय के लिए लाभ देती नज़र आती है, पर दीर्घकाल में टैरिफ की सुरक्षा प्रतिस्पर्धा, कार्यकुशलता तथा ''इनोवेशन'' को निरुत्साहित करती है।
- अतः, अमेरिका को टैरिफ की दीवार के पीछे छुप कर बैठने से लाभ नहीं, वरना स्किल (हुनर), इंफ्रास्ट्रक्चर, रिसर्च को प्रोत्साहित करना चाहिए।

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 अगस्त। रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन, जो शिकागो विश्वविद्यालय के बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस में वित्त के प्रोफेसर हैं, ने भारत और अन्य देशों पर ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ़ को ''सैल्फ गोल'' कहा है। उनका कहना है कि वॉशिंगटन, जैसे भारत या चीन जैसे प्रतिस्पर्धियों पर वार करने की कोशिश कर रहा है, वह अंततः अपनी ही अर्थव्यवस्था को अधिक गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। उनका तर्क तीन प्रमुख पहलुओं में पर आधारित है।

पहला, टैरिफ़ घरेलू कीमतों को बढ़ाते हैं। जब अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत जैसे ऊंचे शुल्क लगाता है, तो उन आयातों की कीमत स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। अमेरिका में आयातक या तो इस उच्च कीमत को उपभोक्ताओं पर डाल देते हैं या अपने खुद के मुनाफे को घटाकर इसे खुद वहन कर लेते कर लेते हैं। किसी भी स्थिति में, अमेरिकी घरों को वस्त्र, समुद्री भोजन, फर्नीचर या वस्त्र जैसे रोजमर्रा के सामान के लिए ज्यादा कीमतें देनी पड़ती हैं। चूंकि निम्न-आय वाले परिवार अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा ऐसे सामानों पर खर्च करते हैं, इसलिए उन पर सबसे ज्यादा बोझ पड़ता है। महंगाई का यह प्रभाव खुद को ही पराजित करता है। क्योंकि यह उसी क्रय शक्ति को कमज़ोर करता है, जिसे नीति निर्माता बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

दूसरा, उच्च टैरिफ़ मांग को

(शेष पृष्ठ 4 पर)

'राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ लगाने में हद पार कर दी'

अमेरिका के एक फैडरल अपील कोर्ट ने ट्रंप की टैरिफ नीति पर अंकुश लगाते हुए सख्त टिप्पणी की

- कोर्ट ने 7 बनाम 4 के बहुमत से दिए फैसले में कहा, ट्रंप ने नैशनल इमरजैंसी के नाम पर दुनिया के सभी देशों पर टैरिफ लगाकर हद ही पार कर दी है।
- कोर्ट के इस निर्णय से ट्रंप को तगड़ा झटका लगा है, जो यह दावा करते हैं कि विदेशी उत्पादों पर टैरिफ लगाने का उन्हें पूरा अधिकार है, इसके लिए कांग्रेस की अनुमति की जरूरत भी नहीं है।
- ट्रंप के लिए, हालांकि, राहत की बात यह रही कि कोर्ट ने टैरिफ वापस लेने का आदेश नहीं दिया है और अमेरिकी प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का समय दिया है।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा किया था कि उन्हें कांग्रेस को दरकिनार करते हुए विदेशी उत्पादों पर बड़े पैमाने पर कर (टैरिफ) लगाने की लगभग असीमित शक्ति प्राप्त है। लेकिन अब एक संघीय अपील अदालत ने उनके इस रास्ते में बड़ा रोड़ा खड़ा कर दिया है।

यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फैडरल सर्किट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि ट्रम्प ने उस समय हद पार कर दी जब उन्होंने राष्ट्रीय आपात स्थिति का हवाला देते हुए लगभग हर देश से होने वाले आयात पर भारी टैरिफ लगा दिए। इस फैसले ने मुख्य रूप से न्यूयॉर्क की एक विशेष संघीय व्यापार अदालत के मई में दिए गए निर्णय को बरकरार रखा है।

हालांकि, 7 बनाम 4 के बहुमत से आए इस फैसले में उस हिस्से को खारिज कर दिया गया है जिसमें टैरिफ्स को तुरंत हटाने की बात थी। इसके परिणामस्वरूप ट्रम्प प्रशासन को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का अवसर मिल गया है।

यह फैसला ट्रम्प के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, जिनकी अस्थिर व्यापार नीतियों ने न केवल वित्तीय बाजारों को हिला दिया, बल्कि कारोबारियों को अनिश्चितता में डाल दिया और महंगाई व आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ा दी। इस मामले में अंतिम

(शेष पृष्ठ 4 पर)

नोबेल के लिए नॉमिनेट नहीं किया, तो ट्रंप ने टैरिफ लगाया

वॉशिंगटन, 30 अगस्त। भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते उस वक्त खराब होने शुरू हो गए जब नरेन्द्र मोदी और डॉनल्ड ट्रंप के बीच टेलीफोन पर बात हुई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स ने बड़ा खुलासा करते हुए उस दिन की बात बताई है, जब पीएम मोदी और ट्रंप के बीच कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन से इतर टेलीफोन पर बात हुई थी। 17 जून को पीएम मोदी और ट्रंप के बीच करीब 35

- न्यूयार्क टाइम्स ने भारत पर टैरिफ लगाने के कारण का खुलासा किया।

मिनट कर टेलीफोन पर बात हुई थी और इस दौरान ट्रंप ने मोदी से उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने को कहा था। न्यूयॉर्क टाइम्स ने खुलासा करते हुए कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप नोबेल पुरस्कार के लिए बार बार भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले संघर्ष को खत्म करवाने की बात कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक 17 जून को टेलीफोन पर ट्रंप

(शेष पृष्ठ 4 पर)

भारी आशाओं के बीच प्र.मंत्री मोदी शनिवार के दोपहर को चीन पहुंचे

उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात रविवार को होगी

- इससे पहले विदेश मंत्री एस.जयशंकर व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल चीन के विदेश मंत्री वैंग पी से विस्तार से बात कर चुके हैं, आपसी मुद्दों पर, जिसका सार है सीमा पर शांति स्थापित रखना, सीमा पर व्यापार की सम्भावना को सुलभ बनाना तथा दोनों देशों के बीच सीधी विमान सेवा शुरू करना।
- इस शिखर सम्मेलन के दौरान प्र.मंत्री मोदी, रूस के राष्ट्रपति पुतिन से भी मुलाकात व बातचीत करेंगे।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर थोपे गए टैरिफ युद्ध से उपजे दबाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सात वर्षों के अंतराल के बाद चीन पहुंचे। उनके इस दौरे से चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक को लेकर बड़ी उम्मीदें जताई जा रही हैं, जिससे भारत-चीन संबंधों को नई दिशा मिल सकती है।

रविवार को शी जिनपिंग के साथ उनकी निर्धारित बैठक को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की टैरिफ नीति से उत्पन्न हालात के मद्देनजर अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसने दुनिया की लगभग सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित किया है।

प्रधानमंत्री जापान से चीन पहुंचे हैं, जो उनके दो देशों के दौरे का दूसरा और अंतिम चरण है।

मोदी के रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और सम्मेलन में आए अन्य कई नेताओं से भी द्विपक्षीय वार्ताएं करने की संभावना है।

प्रधानमंत्री की यह यात्रा उस समय हो रही है, जब चीन के विदेश मंत्री वांग यी हाल ही में भारत की यात्रा कर चुके हैं।

वांग यी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से विस्तृत बातचीत की थी, जिसके बाद दोनों पक्षों ने स्थिर, सहयोगपूर्ण और भावी-दृष्टिकोण वाले संबंधों के लिए कई उपायों की घोषणा की थी।

इन उपायों में विवादित सीमाओं पर शांति बनाए रखने, सीमावर्ती व्यापार फिर से शुरू करने, और सीधी उड़ानों को जल्द बहाल करने जैसे कदम शामिल थे।

पिछले कुछ महीनों में दोनों देशों ने उन तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने के प्रयास किए हैं, जो जून 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़पों के बाद बिगड़ गए थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछली बार जून 2018 में चीन की यात्रा की थी, जब वह एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे। शी जिनपिंग ने अक्तूबर 2019 में भारत का दौरा किया था, जो दोनों नेताओं के बीच दूसरा अनौपचारिक शिखर सम्मेलन था।

पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के बीच तनातनी का अंत 21 अक्तूबर 2024 को हुए उस समझौते के बाद हुआ था, जिसके तहत डेमचोक और डेपसांग जैसे आखिरी दो तनाव बिंदुओं से सैनिकों की वापसी पूरी हो गई थी।

'प्रतिबंध के बावजूद कार्य व्यवस्था के नाम पर तबादला क्यों'

जयपुर, 30 अगस्त। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने सरकारी कर्मचारियों के ट्रांसफर पर प्रतिबंध होने के बावजूद कार्य व्यवस्था के नाम पर वन विभाग में कार्यरत सर्वेयर का तबादला करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिकरण ने प्रमुख वन सचिव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और उप वन संरक्षक, झालावाड़ से जवाब तलब किया है। अधिकरण के सदस्य चेतनराम देवड़ा और लेखराज तोसवडा ने यह आदेश राजेश कुमार की अपील पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता सुनील

- सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने प्रमुख वन सचिव व प्रधान मुख्य वनसंरक्षक से जवाब मांगा।

कुमार सिंगोदिया ने अधिकरण को बताया कि राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने परिपत्र जारी कर राज्य कर्मचारियों के तबादले पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद झालावाड़ में तैनात अपीलार्थी को गत 15 जुलाई को कार्य व्यवस्था के नाम पर टोंक में लगा दिया। इसको चुनौती देते हुए कहा गया कि राज्य सरकार का एक विभाग दूसरे विभाग के परिपत्र की पालना नहीं कर रहा है। इसके अलावा सेवा नियमों में कार्य व्यवस्था के नाम पर पदस्थापित करने का कोई प्रावधान ही नहीं है। इसके अलावा अपीलार्थी अल्प वेतन भोगी है और मूल जगह के

(शेष पृष्ठ 4 पर)

सोमवार को जम्मू जाएंगे शाह

नयी दिल्ली, 30 अगस्त। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भीषण बाढ से जूझ रहे जम्मू कश्मीर में स्थिति का जायजा लेने के लिए सोमवार को जम्मू जायेंगे। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार शाह सोमवार को जम्मू पहुंचने के बाद बाढ से बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे।

इसके बाद वह दिन में राजभवन में

- केन्द्रीय गृहमंत्री जम्मू के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे और बाढ़ राहत कार्यों का जायजा लेंगे।

उप राज्यपाल , सेना तथा प्रशासन के अधिकारियों के साथ एक बैठक में राहत और बचाव अभियानों की समीक्षा करेंगे। बैठक में बाढ से प्रभावित राहत और पुनर्वास कार्यों के बारे में भी बातचीत की जायेगी। जम्मू कश्मीर में हो रही अप्रत्याशित बारिश , बादल फटने की घटनाओं, भूस्खलन और माता वैष्णों देवी मार्ग पर हुए हादसे के कारण सौ से भी अधिक लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं।

'भारत विश्व के गैर कानूनी घुसपैठियों की राजधानी नहीं है'

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने झुंझला कर सुप्रीम कोर्ट में कहा

- एडवोकेट प्रशान्त भूषण ने बार-बार तुषार मेहता को घेर कर पूछा, ''भाषा कैसे मापदण्ड हो सकती है किसी की नागरिकता का निर्णय लेने के लिए।''
- तुषार मेहता ने प्रत्युत्तर में पूछा, ''सिविल सोसायटी ग्रुप्स की क्या भूमिका है? ये संस्थाएं क्यों इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में आती हैं, अगर किसी व्यक्ति विशेष को दिक्कत हो तो वह न्यायालय में आये। क्यों एक सुनियोजित तरीके से घुसपैठिये आते हैं, और इससे देश के संसाधनों पर भार पड़ता है।''

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 अगस्त। पश्चिम बंगाल में लगभग हर व्यक्ति बंगाली बोलता है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि सिर्फ बंगाली भाषा बोलने के आधार पर किसी व्यक्ति को अवैध बांग्लादेशी प्रवासी मान लिया जाए। अदालत ने स्पष्ट किया कि भाषा के आधार पर किसी को विदेशी करार नहीं दिया जा सकता।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि बंगाली बोलने वाले श्रमिकों, जिनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल थी, को अवैध रूप से हिरासत में लेकर बांग्लादेश में धकेल दिया गया।

न्यायमूर्ति बागची ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा, हम चाहते हैं कि आप यह स्पष्ट करें कि भाषा के आधार पर किसी को विदेशी मानने की यह पूर्वाग्रहपूर्ण सोच क्यों है?

उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर भाषा जैसे पहचान चिन्हों के आधार पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं हो सकता।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने तर्क दिया कि सीमा पर तैनात अधिकारी बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के लोगों को निर्वासित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह महिला गर्भवती थी और उसे जबरन देश से बाहर धकेल दिया गया-बिना यह साबित किए कि वह विदेशी है या नहीं। वे कह रहे हैं बंगाली भाषा बांग्लादेशी भाषा है, इसलिए जो भी बंगाली बोले, वह बांग्लादेशी है। कोई भी अधिकारी किसी को भी विदेशी साबित किए बिना उसे देश से बाहर कैसे निकाल सकता है?

भूषण ने यह भी बताया कि उस महिला को बाद में बांग्लादेश में विदेशी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया, क्योंकि उसे भारतीय नागरिक माना गया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि हिबीस कॉर्पस याचिकाओं को सिर्फ इसलिए लंबित नहीं रखा जा सकता क्योंकि इससे संबंधित मामले उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन हैं, और उन्होंने कोलकाता हाई कोर्ट से अनुरोध किया कि वह इस मामले की जल्द सुनवाई करे।

भूषण ने जोर देते हुए कहा कि ट्रिब्यूनल के आदेश के बिना कोई भी व्यक्ति देश से निष्कासित नहीं किया जा सकता।

जब न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने उल्लेख किया कि फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल केवल असम में हैं, तो भूषण ने उत्तर दिया कि वास्तव में सीमा सुरक्षा बल अपने विवेक से कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, कई बार बीएसएफ वाले कहते हैं, उधर भाग जाओ वरना गोली मार देंगे।

न्यायमूर्ति बागची ने टिप्पणी की, कोई भी व्यक्ति यदि भारत की सीमा के भीतर पाया जाए, तो उसके साथ कानून के अनुसार व्यवहार किया जाना चाहिए। एक बार व्यक्ति भारतीय सीमा के भीतर आ गया, तो उसके खिलाफ कोई भी कार्रवाई तय प्रक्रिया से होनी चाहिए।

सरकार की ओर से पैरवी कर रहे सॉलिसिटर जनरल मेहता ने तर्क दिया, कि इस तरह की याचिकाओं के पीछे सामाजिक संगठनों की भूमिका पर सवाल है। उन्होंने कहा, ऐसे संगठन ही क्यों कोर्ट में आते हैं? किसी व्यक्ति को भी आने दिया जाए। भारत अवैध प्रवासियों की वैश्विक राजधानी नहीं है। साथ ही उन्होंने व्यवस्थित घुसपैठ को

(शेष पृष्ठ 4 पर)

डमी कैंडिडेट बिठा कर परीक्षा पास कराने वाले शातिर दम्पति गिरफ्तार

स्कूल व्याख्याता (हिन्दी) भर्ती परीक्षा मामले में एस.ओ.जी. ने की गिरफ्तारी

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने डालू राम मीणा और उसकी पत्नी मौसम मीणा को स्कूल व्याख्याता (हिन्दी) भर्ती परीक्षा में डमी कैंडिडेट बिठा कर परीक्षा पास कराने के मामले में गिरफ्तार किया।

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए डालू राम मीणा और उसकी पत्नी मौसम मीणा को स्कूल व्याख्याता (हिन्दी) भर्ती परीक्षा में डमी कैंडिडेट बिठा कर परीक्षा पास कराने के मामले में गिरफ्तार किया हैं। आरोपी ने खुद की पत्नी मौसम मीणा को भाभी रेखा मीणा के लिए डमी कैंडिडेट बनाकर टीचर भर्ती परीक्षा 2022 की परीक्षा में बैठाया था। जिस के कारण आरोपी रेखा मीणा परीक्षा में पास हुई और नौकरी पर लगी।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस एवं एसओजी वीके सिंह ने बताया कि डालूराम मीणा एसआई भर्ती परीक्षा 2021 में खुद के जगह दूसरे को डमी कैंडिडेट बिठा कर परीक्षा में पास हुआ और एसआई बन गया था।

एसओजी ने सबसे पहले डालू राम मीणा को ही गिरफ्तार किया था। आरोपित ने खुद की पत्नी मौसम मीणा (31) निवासी ठेकडा पुलिस थाना महवा जिला दौसा हाल तृतीय श्रेणी शिक्षक लेवल द्वितीय राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय धेणुओं की ढाणी, भैरू नगर, ओस्तरा, भोपालगढ़ जोधपुर को भाभी रेखा मीणा के लिए

■ इसके कारण ही आरोपी रेखा मीणा परीक्षा में पास हुई और नौकरी पर लगी।

स्कूल व्याख्याता (हिन्दी) भर्ती परीक्षा 2022 में डमी कैंडिडेट बनाकर परीक्षा में बिठाया था। इस प्रकार मौसम मीणा द्वारा अपनी जेठानी रेखा मीणा के स्थान पर स्कूल व्याख्याता (हिन्दी) भर्ती परीक्षा वर्ष 2022 में डमी कैंडिडेट के रूप में बैठ कर परीक्षा दी थी। जिस से रेखा मीणा की नौकरी लगी। इस केस में पुलिस टीम ने आज डालू और मौसम मीणा को गिरफ्तार किया हैं। वहीं रेखा मीणा की तलाश की जा रही हैं।

स्कूल व्याख्याता (हिन्दी) भर्ती परीक्षा मामला में डमी कैंडिडेट बिठा कर परीक्षा पास कराने वालों को पकड़ने में पुलिस निरीक्षक बच्चू सिंह,हेड कांस्टेबल नरेश सिंह, राजेन्द्र कुमार ,कांस्टेबल विनोद कुमार, रविन्द्र सिंह (चालक) और महिला कांस्टेबल शिवरी देवी वृत कार्यालय भोपालगढ जोधपुर की विशेष भूमिका रही।

डॉ. सतीश पूनियां लंदन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरैस्वामी समेत प्रवासी भारतीयों से मिले

प्रवासी भारतीयों ने प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत नेतृत्व, मजबूत विदेश नीति एवं जनकल्याणकारी नीतियों की प्रशंसा की

लंदन/जयपुर (कासं)। लंदन में भारतीय उच्चायुक्त द्वारा नवनाथ सेंटर में आयोजित इंडिया डे उत्सव में भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां सम्मिलित हुये, जहां उन्होंने प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की।

कार्यक्रम में सतीश पूनियां भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरैस्वामी के साथ शामिल हुये, जहां उन्होंने प्रवासी राजस्थानवासियों एवं विभिन्न राज्यों के प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की, जहां सभी भारतवासियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व, मजबूत विदेश नीति एवं जनकल्याणकारी नीतियों की प्रशंसा की। इस दौरान भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरैस्वामी, ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ भाजपा लंदन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह शेखावत एवं प्रवासी भारतीयों सहित गणमान्य लोगों से मुलाकात हुई।

लंदन में महाराष्ट्र मंडल द्वारा आयोजित श्री गणेश उत्सव में सतीश पूनियां ने शामिल होकर पूजा अर्चना कर देश की खुशहाली की कामना की। उल्लेखनीय है कि 93 वर्षों से महाराष्ट्र मंडल ने मराठी संक्रांति को जीवंत रखा है, महाराष्ट्र मंडल सनातन संस्कृति की मजबूती के लिए लंदन में निरंतर कार्य कर रहा है।

सीनियर ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन के साथ डॉ. सतीश पूनियां की शिष्टाचार मुलाकात हुई, जिसमें दोनों के बीच डिनर पर भारत ब्रिटिश की राजनीति पर चर्चा हुई, जहां पांच बार के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में न केवल भारत आत्मनिर्भर बन रहा है, बल्कि वैश्विक मंच पर भी भारत का स्वाभिमान पूरे विश्व में बढ़ा है और भारत ब्रिटिश संबंध बहुत मजबूत हुए हैं।

भारतीय उच्चायुक्त द्वारा नवनाथ सेंटर में आयोजित इंडिया-डे उत्सव में भाजपा हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरैस्वामी के साथ शामिल हुए।

राजस्थान में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए 3 बच्चों ने शुरू की चैरिटी पहल

''द गिविंग गोल'' का आयोजन आज विद्याधर नगर स्टेडियम में होगा

जयपुर। राजधानी जयपुर के तीन बच्चों ने फुटबॉल को बढ़ावा देने के साथ ही एक अनोखी चैरिटी की पहल की। जयश्री पेड़ीवाल इंटरनेशनल स्कूल के स्टूडेंट्स अव्यायन धोका, भरत राणा और रुद्रांश पलावत द्वारा 'द गिविंग गोल' चैरिटी फुटबॉल का आयोजन 31 अगस्त को विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित होगा।

कार्यक्रम के उद्देश्य को सपोर्ट करते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी, उद्योग, कौशल विकास एवं युवा मामले मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, खेल सचिव नीरज के.पवन ने इवेंट का पोस्टर विमोचन किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होगा, जहां एकत्रित किए गए धन से 500 उभरते फुटबॉल खिलाड़ियों को प्रोफेशनल स्टड्स (क्लीट्स) उपलब्ध कराए जाएंगे। इस कार्य में राजस्थान खेल परिषद और राजस्थान फुटबॉल फेडरेशन ने भी अपना सहयोग दिया है। साथ ही इस आयोजन के आगे,

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने छात्र अव्यायन धोका, भरत राणा और रुद्रांश पलावत द्वारा 'द गिविंग गोल' चैरिटी फुटबॉल के पोस्टर का विमोचन किया।

आयोजक राजस्थान में शू लाइब्रेरीज़ स्थापित करने और एक एआई-सक्षम ट्रेनिंग ऐप विकसित करने की योजना बना रहे हैं। उनका लक्ष्य इस पहल को खेलो राजस्थान यूथ गेम्स का हिस्सा बनाना है।

मैच में चार प्रमुख अंडर-14 टीमें जेपीआईएस, एसएमएस, आइडियल स्पोर्ट्स क्लब और राजस्थान फुटबॉल फेडरेशन खिताब के लिए भिडेंगी। सभी प्रतिभागियों को जर्सी, मेडल, प्रमाणपत्र और अल्पाहार दिया जाएगा, जबकि विजेताओं को 25 हजार रु. नगद पुरस्कार, मैडल और टैबलेट्स व हेडफोन्स जैसे आकर्षक गिफ्ट्स दिए जाएंगे।

चॉकलेट का झांसा देकर 6 वर्षीय बच्ची का अपहरण और दुष्कर्म

जयपुर। गलतागेट इलाके में पड़ोस में रहने वाले बदमाश ने घर के बाहर खेल रहीं 6 वर्षीय मासूम बच्ची को चॉकलेट का झांसा देकर उसे उठा कर ले गया और कारखाने में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। कुछ देर बाद बच्ची रोती-बिलखती अपने घर पहुंची। माँ के पूछने पर बच्ची ने पडौस वाले लड़के की हरकतों के बारे में बताया। जिसके बाद गुस्साए परिजनों ने नाबालिग को थाने ले जाकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पिता की शिकायत पर पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

मामले की जांच कर रहे एडिशनल डीसीपी देवी सहाय मीणा ने बताया कि गलतागेट के रहने वाले पीड़ित पिता ने पडौस में रहने वाले लडके के खिलाफ नाबालिग से दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया है। आरोप है पडौस में रहने वाला युवक चॉकलेट दिलाने का झांसा देकर उसे कारखाने के अंदर ले गया और वहां पर उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले की जानकारी बच्ची के घर लौटने पर चली। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है। वहीं मुरलीपुरा

■ सुनसान जगह ले जाकर किया दुष्कर्म, घर के बाहर खेल रही थी बच्ची

■ पडौस में रहने वाले युवक ने दिया वारदात को अंजाम

थाना इलाके में एक युवती को नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है। थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील ने बताया कि 18 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज कराया है। आरोपी से कुछ महीनों पहले ही मुलाकात हुई थी। आरोपी ने उससे दोस्ती कर बातचीत शुरू की। 8 अगस्त को आरोपी ने उसे मिलने के बहानो से बुलाया और कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। नशे की हालत में आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया और उसके अश्लील वीडियों बना लिए।

जयपुर पुलिस ने किया 10 करोड़ रुपए की साइबर ठगी का खुलासा

■ फर्जी कॉल सेंटरों सहित ठगी के लिए किराए पर बैंक खाते मुहैया कराने वाली गैंग गिरफ्तार

■ 10 कंप्यूटर, दो लैपटॉप, 32 मोबाइल विथ सिम कार्ड, 14 सिम कार्ड, 30 एटीएम कार्ड सहित अन्य सामान जब्त

■ आरोपियों के खिलाफ राजस्थान, झारखंड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में साइबर पोर्टल पर 25 शिकायत दर्ज

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर जिले की दक्षिण पुलिस ने साइबर ठगी के खिलाफ दो कार्रवाई करते हुए फर्जी कॉल सेंटरों सहित ठगी के लिए किराए पर बैंक अकाउंट मुहैया कराने वाली गैंग के नौ आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 कंप्यूटर, दो लैपटॉप, 32 मोबाइल विथ सिम कार्ड, 14 सिम कार्ड, 30 एटीएम कार्ड, 4 चेक बुक, दो पासबुक, तीन वाई-फाई मॉडेम और 2.35 लाख रुपए नगदी बरामद की गई है। पुलिस जांच मे सामने आया कि आरोपियों के खिलाफ राजस्थान, झारखंड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में साइबर पोर्टल पर 25 शिकायत दर्ज हैं। करीब 10 करोड़ रुपए की साइबर ठगी का खुलासा हुआ है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि साइबर सेल जयपुर दक्षिण, शिप्रा पथ थाना और मानसरोवर थाना पुलिस ने साइबर ठगी की वारदातों को लेकर शिप्रापथ थाना इलाके में फर्जी कॉल सेंटरों का खुलासा किया है। फर्जी कॉल सेंटर के माध्यम से करोड़ों रुपए की साइबर ठगी का खुलासा हुआ है। पकड़े गए आरोपी फर्जी आईडी देकर ई-मित्र की सेवाएं मुहैया कराने का झांसा देते थे. झांसे में आने के बाद लोगों से मोटी रकम वसूलते थे. दोबारा संपर्क करने पर पीड़ितों से संपर्क बंद कर देते थे. पुलिस ने फर्जी कॉल संचालन के मामले में काना राम गुर्जर (22) निवासी कोटखावदा जयपुर और संजय मीणा (26) निवासी बहरोड-कोटपुतली हाल शिप्रा पथ जयपुर को गिरफ्तार कर मौके से कंप्यूटर, एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी बरामद किए हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया वहीं दूसरी कार्रवाई के दौरान मानसरोवर इलाके में ऑनलाइन ठगी के लिए बैंक अकाउंट मुहैया कराने वाली गैंग के राकेश कुमार उर्फ हनी (26) निवासी सिंघाना जिला झुंझुनू,मुकेश सिह (30) निवासी गुढा जिला झुंझुनू ,अनुज कुमार (21) निवासी गुढा जिला झुन्झनू,अजरूदीन अहमद उर्फ अजर (26) निवासी शास्त्री नगर जयपुर ,आरिश खान (20) निवासी मनोहरपुर जयपुर भट्टा बस्ती जयपुर ,कन्हैया लाल पुर्बिया (24) निवासी काकरोली जिला राजसमंद हाल चित्रकूट जयपुर और चंद्रप्रकाश पुर्बिया (27) निवासी काकरोली जिला राजसमंद हाल चित्रकूट जयपुर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी लोगों को पैसा या अन्य लाभ दिलाने का झांसा देकर उनके दस्तावेजों से बैंक अकाउंट खुलवाते थे। इसके बाद इन बैंक खातों को ऑनलाइन ठगी करने वाले लोगों को मुहैया करवाते थे। पुलिस ने इन आरोपों से चेक बुक, पासबुक, मोबाइल फोन और सिम कार्ड, लैपटॉप और 2.35 लाख रुपए नकदी समेत अन्य उपकरण भी बरामद किए हैं। दोनों कार्रवाई में साइबर सेल साउथ के हेड कांस्टेबल लोकेश कुमावत और कांस्टेबल महावीर की विशेष भूमिका रही।

देर रात जयपुर में तेज बारिश

जयपुर। राजधानी जयपुर में शनिवार देर रात करीब साढ़े 10 बजे तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। बिजली की गड़गड़ाहट के साथ तेज बारिश ने करीब आधे घंटे में ही शहर की सड़कों पर जगह-जगह पानी भर दिया। हालांकि पिछले 2 दिनों से शहर में बूंदाबांदी के कारण उमस बढ़ गई थी, इस कारण लोगों का जीना दूभर हो रहा था। शनिवार शाम जैसे ही अचानक मौसम में बदलाव आया और तेज बारिश शुरू हुई तो लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि सड़कों पर पानी भरने के कारण पैदल राहगीरों व दुपहिया-चौपहिया वाहन चालकों को आवाजाही में भारी परेशानियां झेलनी पड़ी। उधर बारिश के कारण शहर में जर्जर पड़ी सड़कों की हालत और भी ज्यादा खराब हो गयी है।

जलेब चौक से जुड़ी संपत्ति के स्वामित्व को लेकर एस.एम.एस. म्यूजियम ट्रस्ट की अपील खारिज हुई

जयपुर। महानगर द्वितीय के जिला न्यायालय ने शहर के जलेब चौक के साइकिल स्टैण्ड सहित अन्य संपत्तियों पर कब्जे और स्वामित्व से जुडे मामले में सवाई मानसिंह द्वितीय म्यूजियम ट्रस्ट की अपील को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी रीटा तेजपाल ने इस मामले में अपर सिविल न्यायालय उत्तर, महानगर द्वितीय के 12 सितंबर 2024 को दिए गए आदेश को बरकरार रखते हुए उसे सही माना है।

अपील में सिविल न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए ट्रस्ट ने कहा था कि इस समान मुद्दे पर अन्य कोर्ट ने ट्रस्ट के पक्ष में आदेश दिया था। इसलिए सिविल न्यायाधीश का आदेश खारिज किया जाए। इस मामले में निचली अदालत ने ट्रस्ट का दावा खारिज करते हुए कहा था कि जब कोवेनेंट की शर्त के अनुसार जलेब चौक के रखरखाव का अधिकार ट्रस्ट को नहीं था तो उसने किस कानूनी अधिकार के तहत इस संपत्ति को लाइसेंसधारियों को लाइसेंस पर दिया। ट्रस्ट ने दावे में दावे में कहा कि जयपुर रियासत के पूर्व शासक स्वर्गीय महाराजा सवाई मानसिंह बहादुर ने अपने जीवनकाल 1959 में इस ट्रस्ट का गठन किया था। साल 1972 में ट्रस्ट के चेयरमैन सवाई भवानी सिंह ने ट्रस्ट को जलेब चौक सहित अन्य संपत्तियां दी थी। ट्रस्ट ने जलेब चौक की खाली जमीन को लाइसेंस पर अन्य लोगों को दिया था। ये संपत्ति ट्रस्ट की निजी संपत्तियां हैं और इन पर राज्य सरकार, नगर निगम या अन्य सरकारी विभागों का कोई हक नहीं है। इस संपत्ति पर वादी के लाइसेंसधारी थडी व टीन शेड लगाकर अपना जीविकोपार्जन कर रहे हैं, लेकिन 28 जून 1994 को नगर निगम के कर्मचारियों ने इन्हें हटाने और उनका सामान जब्त करने की चेतावनी दी। वहीं अगले दिन निगम ने निर्माण ध्वस्त कर दिए। इस पर ट्रस्ट ने निगम का कब्जा रोकने के लिए वहां अपने सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए। इसलिए नगर निगम को पाबंद किया जाए कि वह संपत्ति पर कब्जा नहीं करे और वादी को बेदखल नहीं करे। जवाब में नगर निगम का कहना था कि जयपुर रियासत के राज्य सरकार में विलय के समय इसका सरकारी उपयोग करने के लिए कब्जा सरकार को दिया गया था। वहीं कोवेनेंट के आधार पर सरकार ही इसकी सार-संभाल कर रही है। जलेब चौक व उसके चारों ओर के भवन राज्य सरकार के कब्जे व अधिकार में हैं। यहीं पर श्रम विभाग, पुलिस विभाग, बिक्री कर विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जागीर विभाग, परिवहन विभाग व नगर निगम का ऑफिस भी है। यहां राज्य सरकार का कब्जा लगातार रहा है।

युवक की मौत

जयपुर। आमेर इलाके में शुक्रवार देर रात बाइक से सड़क पार रहे एक युवक को कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में घायल युवक को स्थानीय लोग एसएमएस लेकर गए। लेकिन खून अधिक बहने से युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को शनिवार सुबह मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

सार-समाचार

साइक्लोथॉन-5 के पोस्टर का विमोचन

जयपुर। मारवाड़ी युवा मंच का साइक्लोथॉन-5 का आयोजन 31 अगस्त 2025 को होगा। इसी कड़ी में कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन शनिवार को ज्वैलर्स एसोसिएशन भवन में किया गया। इस मौके पर ज्वैलर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला, सचिव नीरज लूनावत, पूर्व अध्यक्ष डी.पी. खंडेलवाल, तथा मारवाड़ी युवा मंच के संस्थापक अध्यक्ष केदार गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष मनीष खंडेलवाल और कार्यक्रम संयोजक राहुल रावत उपस्थित रहे। साइक्लोथॉन का उद्देश्य स्वास्थ्य, फिटनेस एवं जनजागरूकता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है।

अवान्स फाइनेंशियल का बीमा करार

जयपुर (कासं)। शिक्षा-केंद्रित प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनएफबीसी) अवान्स फाइनेंशियल सर्विसेज़ ने भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एचडीएफसी लाइफ के साथ रणनीतिक सहयोग की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत, एचडीएफसी लाइफ अवान्स के एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन लोन (ईआईएल) ग्राहकों को रिटेल और ग्रुप क्रेडिट लाइफ इंश्योरेंस समाधान प्रदान करेगा। अमित गैंदा, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, अवान्स फाइनेंशियल सर्विसेज़ ने कहा, अवान्स फाइनेंशियल सर्विसेज़ में हम हर छात्र के लिए शिक्षा फाइनेंसिंग को सुलभ और किफायती बनाने और भारतीय शिक्षा वितरण प्रणाली की वृद्धि को तेज़ करने का प्रयास करते हैं। एचडीएफसी लाइफ के साथ हमारी साझेदारी हमारे ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण के अनुरूप है और हमारे एजुकेशनल इंस्टिट्ययूशन लोन ग्राहकों के लिए वित्तीय सुरक्षा फ्रेमवर्क को और सुदृढ़ करेगी। व्यापक सुरक्षा समाधानों को हमारे प्रस्तावों में सम्मिलित करके, हम संस्थानों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाना चाहते हैं, जबकि हम उनकी वित्तीय स्थिरता और लंबी अवधि की मजबूती सुनिश्चित करते हैं।

हवाई सेवाओं की नई उडान से विकास के सफर पर राजस्थान

अत्याधुनिक हवाई सुविधाओं के विस्तार से अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक स्मारकों के लिए प्रसिद्ध राजस्थान हर साल लाखों पर्यटकों का स्वागत-सत्कार कर 'पधारो म्हारे देश' की अपनी परम्परा को साकार कर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में हो रहे हवाई सेवाओं के विस्तार से राज्य के पर्यटन और आर्थिक विकास को नई दिशा मिली है। हवाई सेवाएं केवल पर्यटकों को ही नहीं, बल्कि व्यापारियों, निवेशकों और छात्रों को भी राज्य से जोड़ती हैं, जिससे राजस्थान व्यापार और निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन गया है।

कोटा-बूंदी ग्रीनफ़ील्ड एयरपोर्ट की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 19 अगस्त को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति द्वारा 1 हजार 507 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से कोटा-बूंदी में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा विकसित करने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (ए.ए.आई) के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके निर्माण के लिए ए.ए.आई को 440.65 एकड़ भूमि प्रदान की गई है। इस ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट में यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकेगी। परियोजना के अनुसार इस हवाईअड्डे में ए-321 श्रेणी के विमानों का संचालन किया जाएगा। वहीं, 20 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में एक टर्मिनल भवन का निर्माण किया जाएगा, जो व्यस्त समय के दौरान 1 हजार यात्रियों (पीएचपी) को संभालने में सक्षम होगा और जिसकी प्रति वर्ष यात्री वहन क्षमता बीस लाख (एमपीपीए) होगी।

प्रदेशवासियों को अत्याधुनिक हवाई सुविधाएं उपलब्ध कराने के क्रम में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट मील का पत्थर साबित होगा। इस ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के निर्माण से प्रदेश में न केवल पर्यटन को गति मिलेगी अपितु शिक्षा एवं व्यापारिक गतिविधियों में भी इजाफा होगा। इसके साथ ही प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी अपेक्षित गति मिलेगी।

हवाई पट्टियों की भूमि लीज आवंटन नीति

23 अगस्त को आयोजित हुई मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य सरकार द्वारा विमानन क्षेत्र के विस्तार के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसके अंतर्गत एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों को बढ़ावा देने, वर्तमान में कम उपयोग में आ रही हवाई पट्टियों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने और एडवेंचर ट्यूरिज्म को प्रोत्साहन देने के लिए ''एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों हेतु हवाई पट्टियों की भूमि लीज आवंटन नीति'' को मंजूरी दी गई है। इस नीति से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हांगे, साथ ही राज्य के राजस्व तथा जीडीपी में भी अभिवृद्धि होगी।

इस नीति के तहत भूमि का लीज शुल्क 100 रुपये प्रति वर्ग मीटर प्रति वर्ष तथा कंसेशन शुल्क 6 लाख रुपये प्रति एयरस्ट्रिप प्रति वर्ष होगा। पहले 5 वर्षों तक दरों में 5 प्रतिशत एवं 6वें से 20वें वर्ष तक 10 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि की जाएगी। लीज अवधि अधिकतम 20 वर्ष की होगी तथा अधिकतम 2000 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की जा सकेगी।

फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल से युवा सपनों को लगे पंख

प्रदेश में विमानन क्षेत्र के विकास एवं युवाओं की इस क्षेत्र में भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए गत वर्ष किशनगढ़, अजमेर में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (थ्ज्व्) की स्थापना की गई है। इसी कड़ी में भीलवाड़ा की हमीरगढ़ हवाई पट्टी को विकसित करते हुए फ्लाइंग स्कूल खोला जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा जरूरी स्वीकृतियां प्रदान कर दी गई हैं। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणाओं के क्रम में भीलवाड़ा, सीकर, झुंझुनू, चूरू, झालावाड़, और श्रीगंगानगर की हवाई पट्टियों पर एफटीओ स्थापित करने के लिए भी राज्य सरकार प्रयासरत है।

हवाई सेवाओं विस्तार से आसान हो रही मंजिल

देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करने की दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा जयपुर हवाई अड्डे पर समर्पित राज्य टर्मिनल के निर्माण के लिए 12,778 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गई है। राज्य सराकर द्वारा जल्द ही टर्मिनल भवन का निर्माण प्रारम्भ किया जाएगा। किशनगढ़ हवाई अड्डे के विकास एवं विस्तार के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को निःशुल्क भूमि उपलब्ध करवाई गई है। साथ ही, उदयपुर हवाई अड्डे के विकास एवं विस्तार तथा उत्तरलाई (बाड़मेर) में सिविल एन्क्लेव के निर्माण के लिए भी निःशुल्क भूमि आवंटन प्रक्रियाधीन है।

राजस्थान में पर्यटन स्थल, धार्मिक स्थल, औद्योगिक क्षेत्र और शैक्षिक संस्थान बड़ी संख्या में हैं, जिसके दृष्टिगत क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना राज्य के लिए अत्यंत महत्पूर्ण है। वर्तमान में राज्य में तीन हवाई अड्डों से आरसीएस उड़ाने संचालित हैं। राज्य सरकार ने माउंट आबू, सीकर, सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा और श्रीगंगानगर जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को भी इस योजना में शामिल करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा है। इससे प्रदेश में पर्यटन और रोजगार के नये द्वार खुलेंगे। साथ ही, बीकानेर, जोधपुर और किशनगढ़ से मुम्बई, कोलकाता, सूरत और बेंगलुरू जैसे महानगरों के लिए नियमित उड़ानें शुरु किए जाने का भी केन्द्र सरकार से आग्रह किया गया। क्षेत्रीय हवाई संपर्क (आरसीएस) उड़ानों के लिए विमान ईंधन पर वैट को 26 प्रतिशत से घटाकर एक प्रतिशत किया गया है।

प्रदेश में राज्य सरकार की 19 हवाई पट्टियां हैं, जिनकी लम्बाई 3,300 फीट से लेकर 9,800 फीट तक है। इन हवाई पट्टियों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों जैसे-फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन, एयर स्पोर्ट्स एवं एमआरओ संचालन आदि के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त राज्य में लगभग 118 हैलीपेड हैं। राज्य सरकार द्वारा सभी जिला मुख्यालयों सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों तथा चिकित्सा सहायता एवं इमरजेंसी रेस्पॉन्स के लिए भी अतिरिक्त हैलीपेड का निर्माण प्रक्रियाधीन है।

निवेश-नीति से बदलेगा विकास का परिदृश्य

राज्य सरकार द्वारा आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट एवं राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम (रिप्स) के तहत विशेष प्रावधान के परिणामस्वरूप में विमानन क्षेत्र में निवेशकों से अब तक 10 से अधिक एमओयू किए जा चुके हैं, जिनसे लगभग 1500 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है। प्रदेश में विमानन क्षेत्र में आधारभूत ढांचे का विकास और क्षेत्रीय हवाई संपर्क में सुधार की दृष्टि से नागरिक विमानन नीति-2024 जारी की गई। इस नीति में विमानन प्रशिक्षण सुविधाओं, विमानन रखरखाव सेवाओं को बढ़ाने और एयरोस्पेस गतिविधियों को विकसित करने पर जोर दिया गया है।

उदयपुर जिले में बारिश का दौर जारी, वल्लभनगर बांध छलका

बरसात से वल्लभनगर बांध पर एक किलोमीटर लंबी चादर चली

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर जिले में बारिश का दौर जारी है। पिछोला झील में सीसारमा नदी से आवक जारी है। सीसारमा नदी में शनिवार को चार फीट पानी का बहाव बना हुआ है। फतहसागर को भरने वाली मदार नहर में 3 फीट बहाव जारी है।

उदयसागर के दोनों गेट पांच-पांच फीट खुले होने से 19.50 फीट पूर्ण भराव स्तर वाला वल्लभनगर बांध ओवरफ्लो हो गया है। इस पर करीब

- **सीसारमा चार फीट, मदार नहर तीन फीट चली**

एक किलोमीटर लंबी चादर चल रही है। वल्लभनगर बांध पर चादर चलने से अब मावली क्षेत्र में स्थित बड़गांव बांध में भी आवक हो सकेगी। बड़गांव बांध का जलस्तर 7.62 मीटर के मुकाबले 4.91 मीटर है। इसके छलकने पर चित्तौड़ क्षेत्र के घोसूंडा बांध की पूर्ति हो सकेगी। घोसूंडा बांध का जलस्तर 423 आरएल मीटर के मुकाबले 419.60 मीटर हुआ है। इस बांध को भी भरने के लिए काफी पानी की जरूरत है।

फतहसागर और स्वरूपसागर के चारों गेट खोल रखे हैं और मदार के तालाब भी छलक रहे हैं। इससे आयड नदी होते हुए उदयसागर में आवक बनी हुई है। मानसी वाकल बांध पूरा भर चुका है। शुक्रवार को इसके गेट खोले गए जो कि शनिवार को वापस बंद कर दिए गए। अब यदि मानसी वाकल के कैचमेंट में तेज बारिश होती है तो फिर से मानसी वाकल बांध के गेट खोलने होंगे। ऐसे में अब जो भी पानी आएगा वह सीधा गुजरात ही जाएगा। देवास प्रथम बांध भी छलकता है तो उसका पानी भी गुजरात जाएगा। देवास प्रथम बांध तीन फीट ही खाली है। आकोदड़ा और मादडी बांध भी बहुत ज्यादा खाली नहीं है। ओवरफ्लो होने पर इनका पानी भी मानसी वाकल बांध होते हुए गुजरात जाएगा। पिछले 24 घंटों में उदयपुर के वल्ललनगर में सर्वाधिक 58 मिलीमीटर यानी दो इंच बारिश हुई। शहर में 20, मदार 16, नाई 32, बागोलिया 38, देवास प्रथम बांध 32, गोगुंदा 10, झाड़ोल में 41, कोटडा में 17 और सेई बांध पर 23 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

थानागाजी क्षेत्र में मूसलाधार बारिश से रुपारेल नदी उफान पर

मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित, कई गांवों के रास्ते जलमग्न

अलवर, (निसं)। थानागाजी क्षेत्र में बीती रात मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। देर रात करीब 12:30 बजे से सुबह 4:30 बजे तक लगातार चार घंटे तक हुई तेज बरसात से सभी छोटे-बड़े बांधों में उपरा चल गई। वहीं रुपारेल नदी उफान पर आ गई। कई गांवों के रास्ते जलमग्न हो गए और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शनिवार को करीब आठ बजे भर्तृहरि पुलिया पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। जान जोखिम में डालते हुए लोग बाबा भर्तृहरि के जयकारे लगाते हुए धाम की ओर रवाना हुए। पुलिया पर पानी का बहाव बना हुआ था, इसके बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ।

भर्तृहरि मेले में दंडौती देने वाले भक्तों को टूटी सड़क की रोड़ियों की चुभन से बचने के लिए गद्दा भी साथ लाना पड़ रहा है। अलवर के अलापुर निवासी युवक बूटा सिंह (25) दंडौती करते हुए कुशालगढ़ से आगे जा रहे थे।

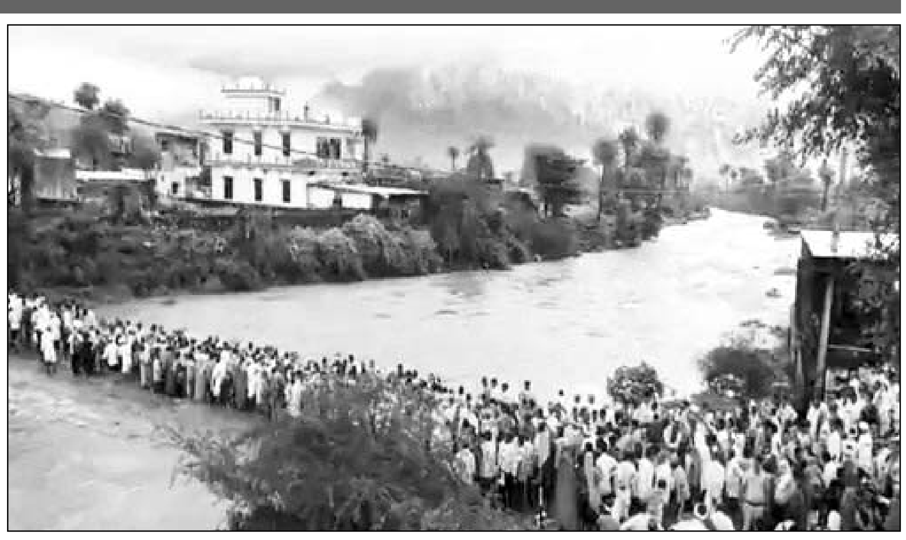

थानागाजी क्षेत्र में बीती रात मूसलाधार बारिश होने से रुपारेल नदी उफान पर आ गई।

उसने अपना दर्द बयां किया। बूटा सिंह ने कहा कि घर से चला तब सामान्य रूप से दंडौती देता हुआ आ गया, लेकिन कुशालगढ़ से आगे रोड़ियां इतनी चुभने लगी कि गद्दा मंगाना पड़ा। हालत ये हो गई कि पसलियों में दर्द और सूजन आ गया। इसके कारण गद्दा मंगाना पड़ा। अब मजबूरी में गद्दे के ऊपर लेटकर दंडौती देता आ रहा हूं।

बारिश से कच्चे मकान की छत गिरी, बच्चे की मौत

बीकानेर, (निसं)। जिले के लूणकरणसर में मलकीसर छोटा में बारिश के कारण एक कच्चे मकान की छत ढह गई, जिससे 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चे का शव फिलहाल सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखा गया है। हादसा देर रात करीब तीन बजे हुआ है।

जानकारी के अनुसार लूणकरणसर सहित आसपास के क्षेत्रों में देर रात तक तेज बारिश थी। यहां मलकीसर छोटा गांव के चक 17 एमकेडी में देर रात करीब तीन बजे कच्चे मकान की छत ढह गई। लकड़ी और घासफूस की बनी ये छत 10 साल के शौर्य के ऊपर गिरी। शौर्य अपनी मां ममता के पास सो रहा था। शौर्य को सिर में चोट आई, वहीं मां के पैर में चोट लगी। परिजन शौर्य को लेकर तुरंत अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के समय उसके पिता धर्मपाल भी वहीं थे। बारिश तेज होने के कारण वो उठ गए थे। वो बारिश के पानी को रोकने का प्रबंध कर रहे थे, तभी छत नीचे आ गिरी। वो खुद तो बच गये, लेकिन बेटा और पत्नी चपेट में आ गए। जिसमें बेटे की मौत हो गई।

60 लाख का मादक पदार्थ जब्त, पांच आरोपी गिरफ्तार

डीडवाना, (निसं)। कुचामन जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत डीडवाना-कुचामन पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है।

पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने

- **275.93 ग्राम एमडीएमए, 39.4 ग्राम गांजा, 1 लाख 18 हजार नकद, तीन वाहन और पांच मोबाइल फोन बरामद किए**

डीडवाना एसपी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी कि 29 और 30 अगस्त को परबतसर, कुचामनसिटी और मकराना थाना क्षेत्रों में की गई पुलिस कार्रवाई में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 275.93 ग्राम एमडीएमए, 39.4 ग्राम गांजा, 1 लाख 18 हजार नकद, तीन वाहन और पांच मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपये है।

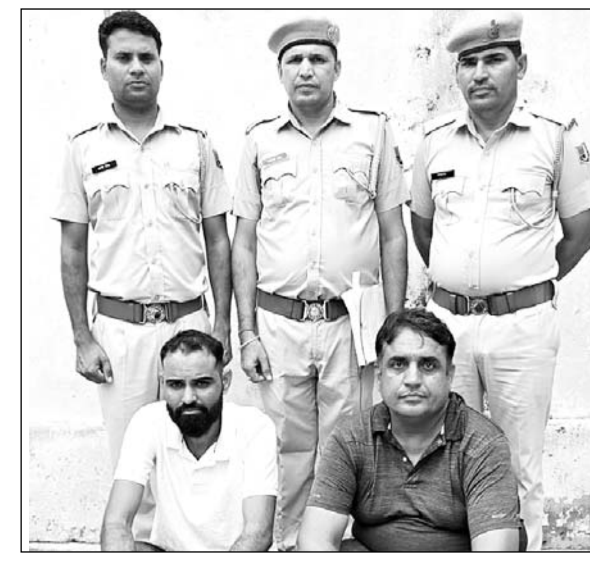

पुलिस ने तस्करों को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ जब्त किया।

एसपी तोमर ने बताया कि थाना परबतसर पुलिस ने मंगलाना चौकी के पास नाकाबंदी में क्रेटा कार को रोका और तलाशी में धन्नाराम और राजूराम के कब्जे से 203.72 ग्राम एमडीएमए बरामद किया। कुचामनसिटी थाना पुलिस ने नारायणपुरा पुलिया के पास चेकिंग के दौरान वीटो कार से हेमाराम को पकड़ा, जिसके कब्जे से 56.64 ग्राम एमडीएमए मिला। वहीं मकराना थाना पुलिस ने न्यू बाइपास रोड पर आई-10 कार को रोककर अशोक बीदावत और मीनाक्षी सांसी को गिरफ्तार किया, जिनके पास से 15.57 ग्राम एमडीएमए, 39.4 ग्राम गांजा और 1 लाख 18 हजार रुपये नकद मिले।

राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी सड़क हादसे में घायल

विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी को घायल अवस्था में गीतांजलि हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में चीरवा टनल के पास शुक्रवार देर रात राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी की गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। हादसे में विधायक दीप्ति माहेश्वरी की चार पसलियों में फ्रैक्चर आया है। डॉक्टरों ने उन्हें गंभीर अवस्था को देखते हुए आईसीयू में भर्ती कर विशेष निगरानी में रखा। उनके साथ कार में सवार पीए जय कनोजिया और ड्राइवर धर्मेंद्र नगारची भी घायल हुए हैं। जय के सिर पर गहरी चोटें आई हैं जबकि धर्मेंद्र को भी कई जगह चोटें आई हैं, जिन्हें तत्काल पेसिफिक हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद परिजन गीतांजलि हॉस्पिटल लेकर गए, जहां तीनों का उपचार जारी है।

पुलिस ने बताया कि दीप्ति माहेश्वरी बीती रात नाथद्वारा से उदयपुर आ रही थी। देर रात करीब एक बजे चीरवा टनल क्रॉस किया ही था अमरख महादेव जाने वाले डिवाइडर कट के पास उदयपुर से चीरवा टनल की ओर आती गुजरात नंबर के वाहन चालक ने अचानक डिवाइडर कट से यू टर्न लिया, जिससे चीरवा से उदयपुर आ रही दीप्ती माहेश्वरी की गाड़ी और इस गुजरात नंबर की गाड़ी में जोरदार भिड़ंत हो गयी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार तीनों लोग घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और

- **विधायक दीप्ति की चार पसलियां टूटीं, पीए को सिर में चोटें आई, ड्राइवर भी घायल हुआ**
- **दीप्ती माहेश्वरी की गाड़ी और गुजरात नंबर की गाड़ी में भिड़ंत होने से कार क्षतिग्रस्त हो गई**

हादसे में घायल सभी लोगों को हॉस्पिटल पहुंचाया और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर मौके पर यातायात बहाल किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा अमरखजी मंदिर से आगे चीरवा टनल की ओर जाने वाले कट के पास हुआ। उदयपुर से नाथद्वारा की दिशा में जा रही गुजरात नंबर की गाड़ी के चालक ने अचानक कट लिया और सामने से आ रही विधायक की गाड़ी से टकरा गया। दीप्ति माहेश्वरी शुक्रवार रात को राजसमंद जिले में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर उदयपुर लौट रही थीं। घर से करीब 10 किलोमीटर पहले ही उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। शनिवार को उदयपुर के गणगौर घाट पर धार्मिक आयोजन था। इसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वह शुक्रवार रात राजसमंद से उदयपुर लौट रही थीं।

विधायक के पिता सत्यनारायण माहेश्वरी ने बताया कि हादसे के समय कार में उनकी बेटी के साथ पीए जय और ड्राइवर धर्मेंद्र मौजूद थे। तीनों को समय रहते अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड, जिला महामंत्री देवीलाल सालवी और जिला प्रवक्ता गोविंद दीक्षित ने हॉस्पिटल पहुंचकर विधायक का हालचाल जाना। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि विधायक दीप्ति माहेश्वरी खतरे से बाहर हैं और शनिवार को उन्हें आईसीयू से वार्ड में शिफ्ट कर दिया जाएगा। विधायक की कार को टक्कर मारने वाली गाड़ी गुजरात नंबर की है। उसमें चार युवक सवार थे। हादसे के बाद सुखेर थाना पुलिस ने चारों को हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि ये युवक मैकेनिक हैं और उदयपुर के ही रहने वाले हैं। पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। हॉस्पिटल प्रशासन ने उनके इलाज व देखभाल के लिए सीनियर डॉक्टर्स की टीम का गठन किया है। वर्तमान में दीप्ति माहेश्वरी की हालत स्थिर हैं और पूर्णतः होश में हैं। दीप्ति माहेश्वरी के दुर्घटना में घायल होने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में उदयपुर व राजसमंद के भाजपा पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे तथा उनकी कुशलक्षेम पूछने वालों का ताता लग गया।

133 किलो अवैध डोडा-चूरा जब्त, आरोपी फरार

भीलवाड़ा, (निसं)। डीएसटी टीम भीलवाड़ा एवं फूलियाकलां पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी के दौरान एक फार्च्यूनर कार से सात कट्टों में 133 किलो अवैध डोडा-चूरा जब्त किया है। आरोपी कार छोड़ फरार हो गए। फूलियाकलां थानाधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि फूलियाकलां थाना पुलिस एवं डीएसटी टीम थाना क्षेत्र के अरवड़ चौकी के सामने नाकाबंदी कर रखी थी। इस दौरान एक फार्च्यूनर कार शाहपुरा से आती दिखी और रुकवाने पर चालक ने गाड़ी को नाकाबंदी पर नहीं रोकते हुए फरार हो गया। टीम ने कार का पीछा करते हुए थोड़ी दूर पर पुलिस एवं डीएसटी की दूसरी टीम को सूचना दी, जिस पर दूसरी संयुक्त टीम ने सूचना पर टायर बस्टर्ड लगाकर आरोपियों की कार का टायर बर्स्ट कर दिया गया तथा पुलिस की टीमें पीछा करने लग गई। टायर फटने के बावजूद भी आरोपी कार को भगाते हुए ईटडिया गांव से रणजीतपुरा रोड़ के पास माताजी मंदिर के कच्चे रास्ते पर गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। कार की तलाशी पर उसमें 7 कट्टो में भरा अवैध डोडा-चूरा पाया गया, जिसका वजन 133 किलोग्राम हुआ।

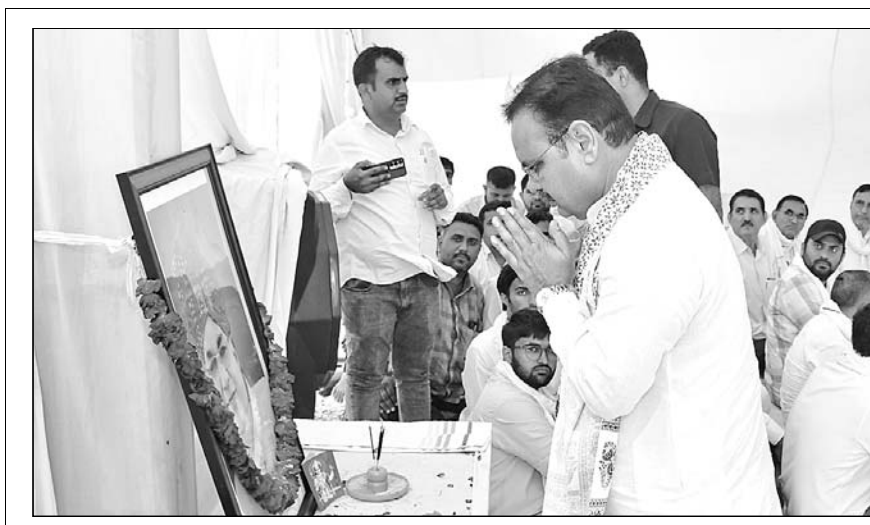

जैसलमेर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को जैसलमेर के मोहनगढ़ पहुंचे और बाड़मेर-जैसलमेर के पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने स्व. चौधरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। भजन लाल शर्मा ने स्व. कर्नल सोनाराम चौधरी के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। इस दौरान विधायक छोटू सिंह भाटी, कुलदीप धनखड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कॉलेज में प्रवेश के लिये फिर से अवसर

अजमेर। राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, अजमेर तथा राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय ब्यावर (कैम्प अजमेर) के प्रथम वर्ष तथा राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, अजमेर के द्वितीय वर्ष (लेटरल इंट्री) शैक्षिणक सत्र 2025-2026 के लिये प्रवेश में रिक्त रही सीटों पर खुले प्रवेश के लिये प्रवेश एवं सूचना हेतु ऑफलाइन व ऑन लाइन आवेदन प्रक्रिया पुनः प्रारम्भ की जा रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील जैन ने बताया कि प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी आधिकारिक डिप्लोमा एडमिशन वेबसाइट पर जाकर रिक्त सीटों और प्रवेश की जानकारी प्राप्त कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। महत्त्वपूर्ण तिथियाँ : प्रथम चरण में ऑनलाइन आवेदन तिथि 1 सितम्बर से 3 सितम्बर , महाविद्यालय में मूल दस्तावेज एवं फीस रसीद संग्रह 04.09.2025, द्वितीय चरण में ऑनलाइन आवेदन तिथि 10 सितम्बर से 14 सितम्बर, महाविद्यालय में मूल दस्तावेज एवं रसीद संग्रह 15 सितम्बर है।

ट्रक-बाइक की टक्कर में एक की मौत

राजगढ़, (निसं)। राजगढ़ थाना क्षेत्र के मूनपुर पुलिया के पास केंटरा ट्रक एवं बाइक की टक्कर में बाइक सवार युवक राकेश मीणा निवासी दलालपुरा की मौके पर मौत हो गई। दुर्घटना में दूसरी बाइक सवार दो लोग चपेट में आने से घायल हो गए। कोठी नारायणपुर पुलिस चौकी के हेड कांस्टेबल रमेश मीणा ने बताया कि दलालपुरा थाना राजगढ़ निवासी जगदीश मीणा ने दर्ज कराया कि उसका छोटा भाई राकेश मीणा पुत्र कालूराम मीणा 30 अगस्त को किसी कार्य से घर से निकला था जो कार्य करके वापस घर लौट रहा था। मूनपुर पुलिया के पास करीब 4:10 बजे सामने से आ रहे केंटरा चालक ने साइड में चल रहे उसके भाई को टक्कर मार दी। दुर्घटना में राकेश की मौके पर मौत हो गई। इधर मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर लाश परिजनों को सौंप दी।

एकतरफा प्यार में लड़की हत्या करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास

बड़े भाई और पिता को भी 3-3 साल की सजा, लड़की को छत पर जाकर गोली मारी थी

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के कोतवाली थाना इलाके में चार साल पहले एक लड़की की प्रेम प्रसंग के चलते गोली मारकर हत्या कर दी थी। अब कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास और उसके पिता और भाई को 3-3 साल की सजा सुनाई है। साथ ही मुख्य आरोपी पर 20 हजार और उसके भाई और पिता पर 5-5 हजार का जुर्माना लगाया है। आरोपी ने चार साल पहले एक लड़की की हत्या कर दी थी।

एक तरफा प्यार करता था आरोपी :-कुलदीप धनकड़, लोक अभियोजक, ने बताया कि शहर कोतवाली इलाके स्थित मुखर्जी नगर कॉलोनी में 26 जनवरी 2021 की सुबह उसी कॉलोनी के रहने वाले युवक सुनील (24) ने अंकिता (19) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। सुनील अंकिता से एक तरफा प्यार करता था। 26 जनवरी के दिन अंकिता अपनी छत पर घूम रही थी। अंकिता के पिता शक्ति

पुलिस ने हत्या के मामले में आरोपियों को कोर्ट में पेश किया।

राजपूत और मां रेखा स्कूल गए हुए थे। अंकिता के माता-पिता सरकारी टीचर थे। घर पर अंकिता और उसकी बड़ी बहन कनिष्का घर थी। इस दौरान आरोपी सुनील घर के बगल में सीढ़ी लगाकर अंकिता की छत पर पहुंचा और उसके अंकिता के पेट में दाई तरफ गोली मारकर फरार हो गया। गोली चलने की आवाज सुन अंकिता की बड़ी बहन कनिष्का छत पर पहुंची। तब तक सुनील फरार हो चुका था। कनिष्का ने अपने माता पिता को फोन कर घटना के बारे में बताया। दूसरी तरफ सुनील को भागते समय कॉलोनियों के लोगों ने देख लिया था। घटना के बाद तुरंत अंकिता को अस्पताल लेकर जाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

अंकिता के पिता की शिकायत पर सुनील को 4 फ़रवरी 2021 को गिरफ्तार किया गया था। सुनील के साथ उसके पिता वीरेंद्र और भाई राकेश को भी गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद आज अतिरिक्त सेशन न्यायाधीश महिला उत्पीड़न प्रकरण कोर्ट ने मामले पर फैसला सुनाते हुए सुनील को आजीवन कारावास की सजा और 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। साथ ही सुनील को पुलिस से बचाने के आरोप में पिता वीरेंद्र और भाई राकेश सिंह को 3 -3 साल की सजा और 5-5 हजार का जुर्माना लगाया है।

केंद्रीय गृहमंत्री के लिए ऐसा बयान भारत की आत्मा पर हमला है : के.के. गुप्ता

उदयपुर, (कासं)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के उस चौंकाने वाले बयान ने पूरे राजनीतिक गलियारे को हिला कर रख दिया है, जिसमें उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को लेकर कहा कि अगर गृह मंत्रालय सीमा सुरक्षा करने में विफल है, तो अमित शाह का सिर काटकर टेबल पर रख देना चाहिए। यह बयान न केवल संसदीय मर्यादाओं के विपरीत माना जा रहा है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के मूल्यों पर भी सीधा प्रहार भी माना जा रहा है। महुआ मोइत्रा का यह बयान इतिहास में एक कलंक की तरह दर्ज होगा और जनता इस कलंक

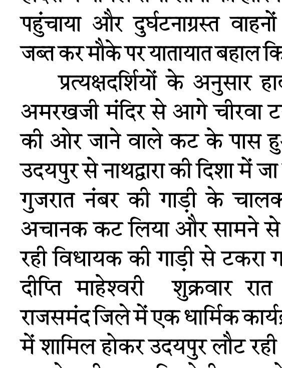

के.के गुप्ता।

कहा, कि जो सांसद गृहमंत्री का सिर

- **तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बारे में दिए गये बयान पर सियासी तूफान मचा**
- **जो सांसद गृहमंत्री का सिर काटने की बात करती है, जनता उसी का राजनीतिक सिर वोट की चोट से काटकर हमेशा के लिए खत्म कर देगी : के.के. गुप्ता**

को वोट की ताकत से धो डालेगी।

मोइत्रा के बयान पर तीखा हमला बोलते हुए स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राजस्थान सरकार के स्टेट कोऑर्डिनेटर और प्रमुख भाजपा नेता के.के. गुप्ता ने कहा, कि जो सांसद गृहमंत्री का सिर काटने की बात करती है, जनता उसी का राजनीतिक सिर वोट की चोट से काटकर हमेशा के लिए खत्म कर देगी। यह भाषा किसी जनप्रतिनिधि को शोभा नहीं देती। यह न लोकतंत्र की जुबान है, न भारतीय संस्कृति की पहचान है। गुप्ता ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह देश की सीमाओं की सुरक्षा में दिन-रात जुटे हैं। उनकी अगुवाई में कई ऐतिहासिक फैसले हुए हैं और देश की आंतरिक सुरक्षा को नई मजबूती मिली है। ऐसे में उनके खिलाफ 'सिर काटने' जैसी बातें करना न केवल असभ्य है बल्कि देश की जनता का भी अपमान है। मोइत्रा का यह बयान साबित करता है कि तृणमूल कांग्रेस के पास न कोई दृष्टि है, न कोई नीति। जब मुद्दों की राजनीति खत्म हो जाती है, तो नेता ऐसी जहरीली भाषा बोलते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र बहस और विचारों के आदान-प्रदान से चलता है, धमकियों और हिंसक शब्दावली से नहीं। यह भारत है, यहां सिर नहीं, अहंकार कटता है। यहां तलवार से नहीं, जनता की ताकत से फैसले होते हैं। मोइत्रा का यह बयान सिर्फ गृहमंत्री अमित शाह पर हमला नहीं, बल्कि भारत के संविधान और संसद की गरिमा पर हमला है और इस हमले का जवाब देश की जनता देगी। गुप्ता ने दोहराया कि भाजपा और देश की जनता ऐसे विचारों को कभी स्वीकार नहीं करेगी। लोकतंत्र में सिर काटने की भाषा नहीं, सेवा और संघर्ष की संस्कृति है।

ARBIT it happens here...

राष्ट्रदूत
SUNDAY
31 August 2025
A-B

Exploring the Wild Side Responsibly

Observed annually on August 31, National Zoo Awareness Day highlights the vital role zoos play in wildlife conservation, education, and animal welfare. It's a day to reflect on how modern zoos are evolving beyond entertainment to become sanctuaries for endangered species and centers for scientific research. The occasion encourages people to visit their local zoos, learn about animal habitats, and support ethical practices that prioritize the well-being of animals. By raising awareness, the day aims to foster a deeper connection between humans and wildlife, ensuring a more compassionate and sustainable future for all species.

#ALEXANDRINE

Meet India's Largest Parrot

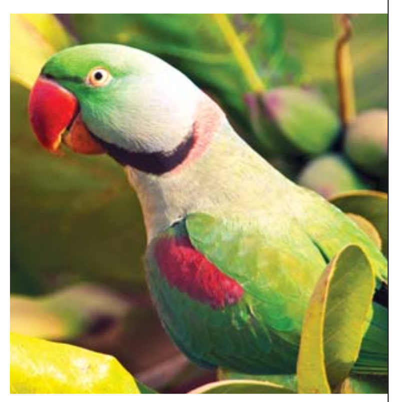

Alexandrine enjoys urban life, city parks, gardens, and historical ruin where greenery is abundant, lush Lodi Gardens offer the perfect perch!

When it comes to parrots in India, one species stands out for its impressive size and regal bearing, the Alexandrine parrot. Named after Alexander the Great, this bird truly lives up to its majestic title, ruling the forests and wild spaces of India with a presence that's hard to miss. But don't be fooled into thinking that it's just a creature of the wilderness. The Alexandrine also enjoys urban life, often found perched in city parks, gardens, and even the occasional historical ruin where greenery is abundant. If you're in Delhi, the lush Lodi Gardens offer the perfect perch for this feathered badshah (king).

Parrot or Parakeet? Clearing Up the Confusion

One of the common debates among bird enthusiasts and nature lovers is the difference between parrots and parakeets. It's easy to get confused, especially since many birds casually called 'parakeets' in India are actually parrots in the scientific sense.

Here's the truth: all of India's so-called parakeets belong to the order Psittacoidea, a group that includes all true parrots worldwide. The term 'parakeet' is mostly a common name used to describe smaller parrots with long tails. In fact, in the United States, the word 'parakeet' usually refers to species like the budgerigar and cockatiel. Meanwhile, the rose-ringed parakeet you see in India is known in America as the Indian ring-neck parrot.

The Alexandrine is a perfect example of this overlap. Due to its large size and striking appearance, it's often called both a 'parakeet' and a 'parrot' depending on who you ask. But scientifically, it's a true parrot, one of the largest in India.

Survivors and Global Travellers

Beyond taxonomy, what's truly fascinating about the Alexandrine is its resilience and adaptability. These birds are incredible survivors, reclaiming their native habitats across India despite increasing urbanization and habitat loss. Their ability to thrive in both wild and urban settings makes them a symbol of nature's tenacity.

Interestingly, the Alexandrine has also become something of a global traveller, establishing invasive populations in parts of Europe and West Asia. This spread is often traced back to the exotic pet trade, a karmic twist attributed to Kamadeva, the god of love in Hindu mythology, who might just be paying the price for human fascination with these beautiful birds. From the green canopies of Indian forests to the rooftops of European cities, the Alexandrine parrot is truly an avian Alexander, bold, majestic, and far-reaching.

Brazil | Russia | India | China | South Africa

What is BRICS?

#WORLD ORDER

● Kshema Jatuhkarna

The grouping was invented in 2001 by a Goldman Sachs banker to describe a group of fast-growing developing countries. The foreign ministers of the countries, initially just Brazil, Russia, India, and China, began informally meeting in 2006, and had their first formal summit in 2009.

South Africa joined in 2010. Many more countries have sought to join the BRICS orbit since the 2023 expansion, which China championed. But not all were so eager: Argentina declined the invitation after a change of government, and Saudi Arabia has not officially joined despite an invitation. Today, its members account for more than 35 per cent of global economic output, adjusted by purchasing power. BRICS has long sought to present a united front against what its members see as an unbalanced global order that is dominated by the United States and Western Europe. Some members believe "that the current global order is kind of made by the West, for the West," said Stewart Patrick, a senior fellow at the Carnegie Endowment for International Peace. This summit will also be an opportunity for BRICS to show off its new roster, weighted towards the Global South. The group could also discuss adding a category of partners that falls short of full membership.

China is a major U.S. rival. Russia and Iran, U.S. adversaries, are subject to tough Western sanctions and are fighting proxy wars with the West in Ukraine and the Middle East. Together, these three countries hope to present a more united bloc to counter the West. Mr. Putin is also determined to show the West that he is not alone, and has important allies on his side. Mr. Putin presents his country's war in Ukraine as 'the spearhead of destroying the old world order and helping to build a new one,' said Alexander Gabuev, Director of the Carnegie Russia Eurasia Center in Berlin. "And BRICS is the most potent and representative structure of this new world order."

What about the 'Global South?'

Many BRICS members are trying to balance competing alliances and priorities. They still work closely with the United States and other nations in the West, even as they seek to gain more global leverage.

India, which has touted its strategic multi-alignment, is also in the Quad, a security partnership with Australia, Japan, and the United States. Egypt and the Emirates have grown closer with China, while also working with the United States and Israel on regional security. Brazil, a strong proponent of de-dollarization, still relies heavily on the U.S., which is its second-largest trading partner.

"These are not anti-West, but they do have critiques of the current order and they want to hedge their bets," said Mr. Shidore. Participation in BRICS is partially an economic bet. Some members, as well as the would-be partner states, are also looking for alternative sources of financing. The International Monetary Fund and the World Bank are dominated by the West, especially the United States.

Some developing countries see the BRICS development bank as less demanding. It has given out billions of dollars in loans, and allows repayments in local currency. But many members also see BRICS as geopolitical insurance against a shifting world, and a hedge against the unpredictability of the United States. The uncertainty around the presidential election only adds to the sense of uncertainness. Dr. Patrick said: "The United States has shown that it's able to upend its foreign policy 180 degrees, depending on the occupant of the White House."

Saudi Arabia

Egypt

Ethiopia

Iran

U.A.E.

What holds the group together?

It's not easy to pigeonhole the BRICS. The group includes some countries that are allies, but also some that are antagonists and rivals. Some of the countries are opposed to the United States (Russia, Iran); others are recipients of U.S. military aid (Egypt) and hosts to U.S. military bases (U.A.E.).

Some members are democracies; many are not. Ethiopia is a poor country; China is the world's second-biggest economy. Some states produce oil and gas; others import their energy.

They do not share a religion or fight the same wars, either except, perhaps, against each other. Last month, for instance, tensions escalated between Ethiopia and Egypt in a longstanding dispute over a hydroelectric dam on the Nile River. Sarang Shidore, Director of the Global South program at the Quincy Institute in Washington, described the BRICS as something like a two-pronged coalition.

He calls one side the 'Global East,' China, Russia and, at times, Iran, which are rivals or antagonists of the United States and NATO. Many of the other countries in the bloc fit more comfortably into the category of 'Global South.' They tend to be more neutral or outright U.S. allies.

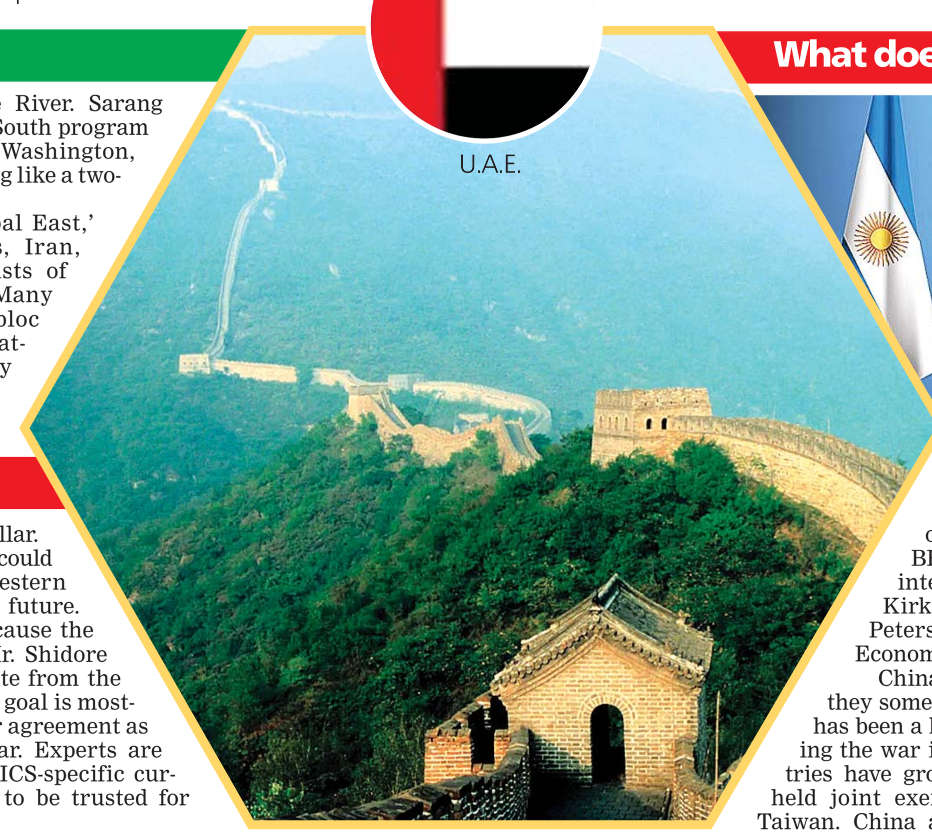

What does the 'Global East' want?

China is a major U.S. rival. Russia and Iran, U.S. adversaries, are subject to tough Western sanctions and are fighting proxy wars with the West in Ukraine and the Middle East. Together, these three countries hope to present a more united bloc to counter the West. Mr. Putin is also determined to show the West that he is not alone, and has important allies on his side. Mr. Putin presents his country's war in Ukraine as 'the spearhead of destroying the old world order and helping to build a new one,' said Alexander Gabuev, Director of the Carnegie Russia Eurasia Center in Berlin. "And BRICS is the most potent and representative structure of this new world order." One additional goal: reducing global reliance on the U.S. dollar. Reducing the dollar's dominance could give members insulation from Western sanctions, both now and in the future. "These sanctions only work because the dollar dominates the world," Mr. Shidore said. "It is an attempt to insulate from the dollar's hegemony." For now, the goal is mostly aspirational. There is no clear agreement as to what could replace the dollar. Experts are also skeptical that any new BRICS-specific currency would be stable enough to be trusted for cross-border transactions.

What does China want?

China, which championed the expansion, is seen as the unofficial powerhouse of BRICS. "Nothing happens in the BRICS that goes against the national interests of China," said Jacob Kirkegaard, a senior fellow at the Peterson Institute for International Economics.

China and Russia are close, even though they sometimes compete for influence. China has been a key trading partner for Russia during the war in Ukraine. Recently, the two countries have grown bolder: Their militaries have held joint exercises near the U.S., Japan and Taiwan. China also buys nearly all of Iran's oil exports. Any loss of supply from Iran, because of a military strike by Israel, for example, would have China turning to global markets for even more of its energy needs. And China and India are in a reassessment period. The countries, which have fought several wars against each other, also see each other as potential future adversaries. India's population is growing; China's is shrinking. India is buoyed by economic optimism; China's growth has been lackluster.

But after many Indian and Chinese soldiers died in border disputes, the countries seem to be trying to work out a truce. Some analysts are watching to see if their leaders are friendly at the summit, which could be a sign of warming ties.

rajeshsharma1049@gmail.com

#TRIED AND TASTED

Corn Bursts And Banana Flapjacks

Banana flapjacks are sweet, fluffy, and a total treat for kids. They're healthier than regular flapjacks and so simple to make!

How to keep your small children entertained and confined to indoors, on a rainy day. That's a problem? No, take them to your kitchen and treat them to a snazzy lesson on filling up on tasties.

Corn Burst

Corn burst is a fast, flavourful snack that's healthy and so easy to throw together. It's a rainy day game-changer!

Ingredients

- 1 cup boiled sweet corn kernels
- 1 small onion, chopped
- 1 small tomato, chopped
- 1 tbsp lemon juice
- 1/2 tsp chaat masala
- Salt to taste
- Fresh coriander leaves, chopped

Method

1. Mix the corn, onion, and tomato in a bowl.
2. Add lemon juice, chaat masala, and salt, then stir well.
3. Sprinkle coriander on top and serve.

This snack is a burst of flavour that's ready before the rain stops!

Banana Flapjacks

Banana flapjacks are sweet, fluffy, and a total treat for kids. They're healthier than regular flapjacks and so simple to make!

Ingredients

- 1 cup whole wheat flour
- 1 ripe banana, mashed
- 1 cup milk
- 1 tbsp sugar
- 1/2 tsp baking powder
- A pinch of salt
- Oil for cooking

Method

1. Mix the flour, mashed banana, milk, sugar, baking powder, and salt into a smooth batter.
2. Heat a non-stick pan and add a little oil.
3. Pour a small amount of batter and cook until bubbles form on top.
4. Flip and cook until golden brown.
5. Serve with honey or a drizzle of syrup.

These flapjacks are a sweet way to brighten up any rainy day!

Rainy days don't have to be boring with these amazing snacks in your kitchen! They're quick, healthy, and so delicious that your kids will be begging for more. You'll feel confident knowing that you're giving them something good, and they'll love every bite. Next time, the rain starts pouring, pick one of these recipes and make some happy memories with your little ones!

Fruity Delight

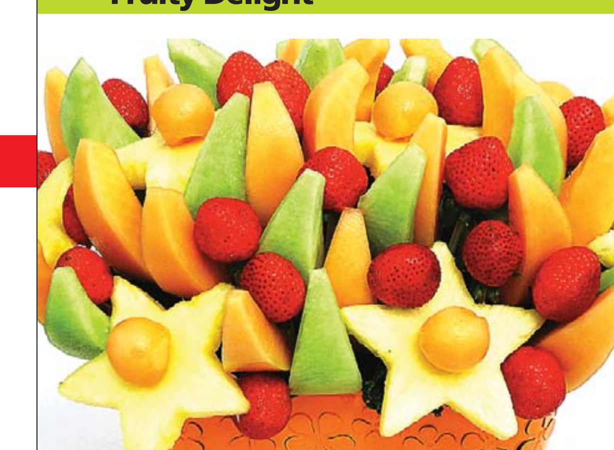

This fruity delight is a colourful snack that's as fun to make as it is to eat. It's a sneaky way to get kids excited about fruit!

Ingredients

- 1 apple, diced
- 1 banana, sliced
- 1 orange, peeled and segmented
- 1/2 cup grapes, halved
- 1/2 tsp chaat masala
- 1 tbsp lemon juice

Method

1. Mix all the fruits in a bowl.
2. Sprinkle chaat masala and drizzle lemon juice on top.
3. Stir gently and serve fresh.

It's sweet, tangy, and ready in minutes, perfect for a quick snack!

Oats Mini Cakes

These oats mini cakes are a healthy spin on a classic Indian dish. They're soft, fluffy, and great for kids!

Ingredients

- 1 cup oats, ground into powder
- 1/2 cup semolina
- 1/2 cup yogurt
- 1/2 cup water
- 1/2 tsp baking soda
- Salt to taste
- 1/2 cup grated carrots
- 1/4 cup chopped coriander

Method

1. Combine oats powder, semolina, yogurt, water, baking soda, and salt into a batter.
2. Stir in the carrots and coriander.
3. Grease small molds and pour in the batter.
4. Steam for 10-12 minutes until done.
5. Serve with a dip like coconut chutney.

These mini cakes are a wholesome treat that kids will ask for again and again!

THE WALL

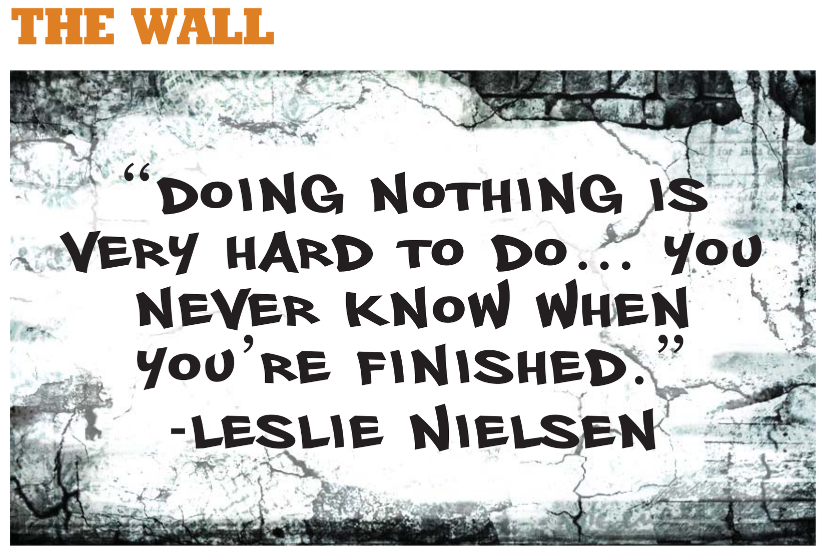

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

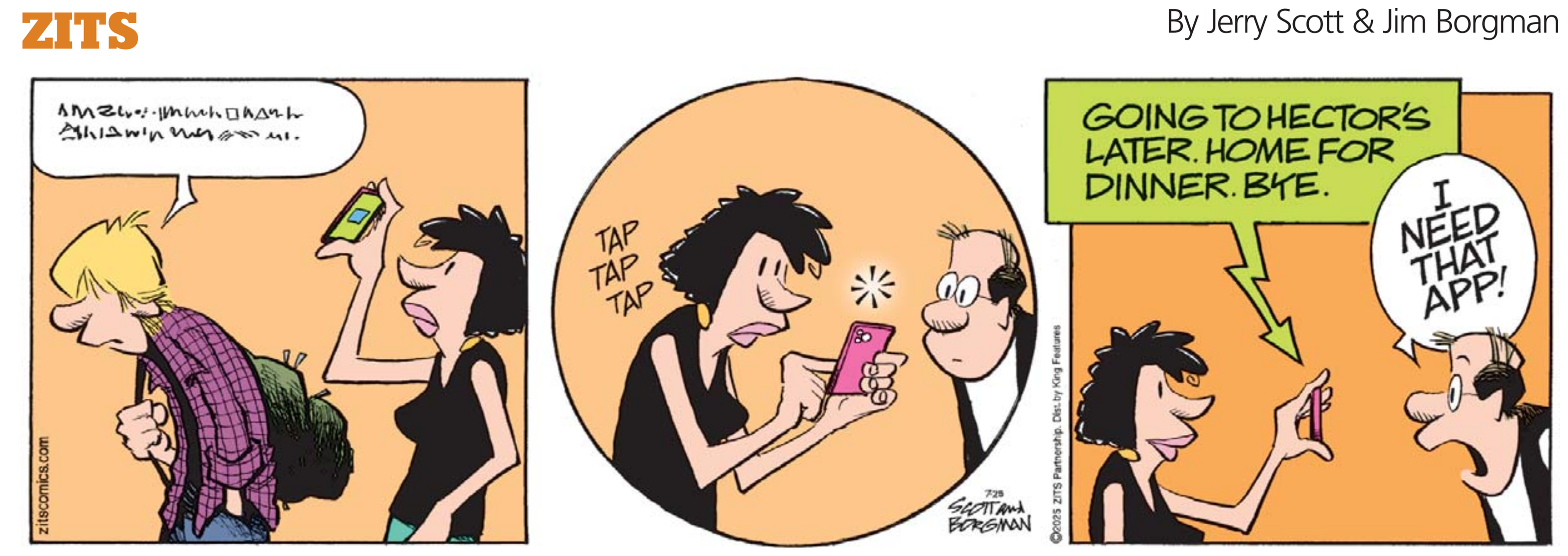

जलभराव की समस्या से पीड़ित लोगों ने कलेक्टर आवास का घेराव किया

बारिश के पानी की निकासी की मांग को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया

नागौर, (निसं)। नागौर में नकास गेट इलाके के निवासियों ने शनिवार को जिला कलेक्टर के आवास पर सांकेतिक धरना दिया। इसके बाद अतिरिक्त कलेक्टर को ज्ञापन देकर नकास गेट में जलभराव के स्थाई समाधान की मांग की। इससे पहले लोगों ने जिला कलेक्टर के आवास के बाहर कुछ देर धरना दिया और प्रदर्शन किया। अतिरिक्त कलेक्टर चंपालाल जीनगर और उपखंड मजिस्ट्रेट गोविंद सिंह भींचर ने धरनास्थल पर आमजन के बीच बैठकर उचित समाधान करवाने की बात की।

जलभराव की समस्या से परेशान लोगों ने धरना दिया।

- अतिरिक्त कलेक्टर चंपालाल जीनगर और उपखंड मजिस्ट्रेट गोविंद सिंह भींचर ने धरनास्थल पर आमजन के बीच बैठकर उचित समाधान करवाने की बात की

नकास गेट इलाके के निवासीयो ने ज्ञापन देकर कहा कि नकास गेट, भार्गव मोहल्ला, खटीकों का मोहल्ला, कुम्हारों का मोहल्ला, नित्यानंद की बाड़ी, अजमेरी गेट, समस तालाब, कालू खान की बाड़ी, गिनाणी तालाब के पास, सूफी दरगाह, न्यारियों का मोहल्ला, गाजी खाड़ा क्षेत्र में बरसात के समय भारी जलभराव की समस्या पैदा हो जाती है। कॉलोनीवासियों ने जलभराव की समस्या से निजात पाने के लिए स्थाई समाधान की मांग की है।

ज्ञापन देने वाले लोगों का कहना है कि नालों, नलियों व सीवरेज की सफाई समय पर नहीं होने और पानी निकासी की व्यवस्था के अभाव में बरसाती पानी घरों में घुस रहा है। घरों में बरसाती पानी जमा होने से काफी नुकसान हो रहा है। कई लोगों के घर खाली करके अपने मिलने वाले के पास रह रहे हैं और बहुत लोग बारिश के बाद चार दिन से घर से बार नई निकल पा रहे हैं। वर्षा जल निकासी के लिए रिजर्व दुलाया, जड़ा तालाब, समस तालाब, गिनाणी तालाब के नालों पर अतिक्रमण होने के कारण पानी निकासी का परंपरागत बहाव अवरुद्ध हो गया है और इन मोहल्लों में जलभराव की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है।

न्यायालय ने दो वर्ष पुराने हत्या के मामले में एफआर अस्वीकार की

- आदेश में लिखा कि मृतक की गर्दन पर लगी चोट और घाव की पुलिस ने जांच नहीं की
- न्यायालय ने प्रकरण के कई पहलुओं के मद्देनजर पुनः अनुसंधान के आदेश दिए

सादुलपुर, (निसं)। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग राजगढ़ ने दो साल पुराने हत्या के मामले में हमीरवास थाना पुलिस की ओर से पेश की गई एफआर को अस्वीकार कर दिया है तथा अग्रीम जांच के आदेश दिये हैं।

जानकारी के अनुसार प्रकरण में हमीरवास थाना पुलिस ने एफआर लगाकर हृदयाघात से मौत बताकर न्यायालय में मुकदमे की अन्तिम रिपोर्ट पेश की थी। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग राजगढ़ मयंक मीणा की अदालत ने मृतक कृष्ण सैनी की गर्दन की गहरी चोट के संबंध मे पुलिस द्वारा कोई जांच नहीं करने पर संज्ञान लिया है। न्यायालय ने इस प्रकरण में पुनः गहन अनुसंधान किए जाने के आदेश दिए हैं। गौरतलब है निकटवर्ती बहल (हरियाणा) के राहुल सैनी ने 14 जुलाई 2023 को हमीरवास थाना में मुकदमा दर्ज करवाया था कि उसके पिता कृष्ण सैनी घर से दवाई लेने गए थे तथा घर नहीं लौटे, तब पता किया तो उनका मोबाइल बंद आ रहा था और उनका कोई पता नहीं लग रहा था। तलाश करने पर पता चला कि उनका शव राजकीय उप जिला अस्पताल राजगढ़ के मोर्चरी रूम में रखवाया हुआ है। जिसमें हमीरवास थाना पुलिस ने जांच मे मृतक की मौत कार्डियक अटैक से मानकर एफआर न्यायालय में पेश कर दी।

न्यायालय ने अपने आदेश में लिखा है कि पुलिस एवं डॉक्टर कि रिपोर्ट के अनुसार मृतक कि गर्दन पर 10 सेंटीमीटर लम्बी एवं सवा सेंटीमीटर गहरी चोट पाई गई। जिस संबंध में न्यायालय ने पुलिस जांच पर सवाल उठाते हुए लिखा है कि अनुसंधान अधिकारी द्वारा गहरी चोट की कोई जांच नहीं की गई है। मृतक की गर्दन पर चोट कब कैसे लगी? क्या मृतक की गर्दन पर चोटें कारित की गई कि जिस कारण से मृतक के कार्डियक अटैक आया, इन बिन्दुओं की भी पुलिस द्वारा कोई जांच नहीं की गई है। न्यायालय ने प्रकरण के तमाम पहलुओं के मद्देनजर पुनः अनुसंधान के आदेश दिए है। मामले में परिवादी राहुल की ओर से पैरवी प्रीतम शर्मा एडवोकेट एवं पुरोषतम सैनी एडवोकेट ने की।

एसआई भर्ती रद्द मामला : सफल अभ्यर्थी आरपीएससी पहुंचे

- एसआई भर्ती रद्द करने को लेकर ट्रेनिंग पूरी कर चुके अभ्यर्थियों में आक्रोश
- सफल कैंडिडेट्स और उनके परिजनों ने डबल बेंच में अपील करने की मांग की

अजमेर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा रद्द की गई एसआई भर्ती रद्द करने को लेकर ट्रेनिंग पूरी कर चुके अभ्यर्थियों में आक्रोश है। शनिवार को बड़ी संख्या में कैंडिडेट्स और उनके परिजन राजस्थान लोक सेवा आयोग पहुंचे और डबल बेंच में अपील करने की मांग की। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में जिन लोगों ने धांधली की, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन निर्दोषों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना न्यायसंगत नहीं है। आयोग के बाहर कैंडिडेट्स की भीड़ को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

आरपीएससी पहुंचे अभ्यर्थी हरेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि यह निर्णय सही नहीं है। सरकार को चाहिए कि इस मामले में डबल बेंच में हमारा साथ दे। जो गलत हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई हो, लेकिन जिनकी गलती नहीं थी, उन्हें क्यों निकाला जा रहा है। राजकुमार पूनिया ने कहा कि उनके दामाद ने पुरानी नौकरी छोड़कर एसआई की तैयारी ीं और भर्ती में शामिल हुआ। अब अगर नौकरी से निकाल दिया गया तो पूरा परिवार प्रभावित होगा। यह सरासर अन्याय है। सरकार को इन अभ्यर्थियों के साथ न्याय करना चाहिए।

अभ्यर्थी इन्द्रसिंह ने कहा कि अगर परीक्षा में गड़बड़ी थी तो शुरुआत में ही क्यों नहीं रोका गया। पहले लिखित परीक्षा क्लियर करवाई, फिर फिजिकल, इंटरव्यू और ट्रेनिंग तक करवाई। उन्होंने सरकार से सवाल किए कि अब चार साल बाद भर्ती रद्द कर देना कहां का न्याय है, एक दिन पढ़ाई छोड़ते हैं तो सात दिन पीछे हो जाते हैं, अब उम्र भी निकल रही है। डबल बेंच ही हमारी आखिरी उम्मीद है। एक महिला अभ्यर्थी ने कहा कि यह भर्ती 859 पदों की थी, लेकिन केवल 68 लोगों पर गड़बड़ी का आरोप लगा। अगर कोर्ट को न्याय करना था तो सबके साथ करते। निर्दोषों को क्यों सजा दी जा रही है यह सही न्याय नहीं है।

आयोग कार्यालय पर अभ्यर्थियों के पहुंचने की सूचना पर पुलिस का जाब्ता भी मौके पर तैनात रहा। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन कैंडिडेट्स ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने न्याय नहीं किया तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। अभ्यर्थियों का कहना है कि अब गेंद सरकार और न्यायपालिका के पाले में है। डबल बेंच में अपील ही उनका भविष्य तय करेगी।

जिला अस्पताल में इंजेक्शन लगाने के बाद 10 बच्चों की तबीयत बिगड़ी

- बच्चों को एंटीबायोटिक इंजेक्शन लगाया था, बच्चों को कंपकंपी छूटने लगी
- इस इंजेक्शन को लगाने से पहले एक टेस्ट लिया जाता है, जो नहीं लिया गया था
- दो बच्चों की ज्यादा स्थिति बिगड़ते देख उन्हें पीबीएम अस्पताल के लिए रेफर किया

बीकानेर, (निसं)। यहां जस्सूसर गेट स्थित जिला अस्पताल में देर रात बच्चों को एंटीबायोटिक इंजेक्शन लगाने के बाद 10 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों को कंपकंपी छूटने लगी। परिजनों ने हंगामा किया तो डॉक्टर्स मौके पर पहुंचे और बच्चों को संभाला। इनमें से दो बच्चों को पीबीएम हॉस्पिटल के लिए रेफर किया गया था। घटना के बाद रात करीब एक बजे तक जिला अस्पताल में परिजन हंगामा करते रहे। नया शहर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला।

बीकानेर के सैटेलाइट अस्पताल (जिला अस्पताल) में भर्ती बच्चों को एंटिबायोटिक इंजेक्शन लगाया गया था। इस इंजेक्शन को लगाने से पहले एक टेस्ट लिया जाता है, जो नहीं लिया गया। नर्सिंग कर्मियों ने सीधे ही सौ फीसदी इंजेक्शन लगा दिया, जिससे थोड़ी देर में बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। जब बच्चों की तबीयत बिगड़ी उस दौरान हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. सुनील हर्ष वार्ड में राउंड पर थे। डॉ. हर्ष ने तुरंत मौके पर पहुंचकर इन बच्चों को संभाला। इसके बाद शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण चतुर्वेदी को भी मौके पर बुलाया गया। बच्चों को दूसरा इंजेक्शन लगाया गया। इससे अधिकांश बच्चों की स्थिति सामान्य हो गई, लेकिन दो बच्चों की ज्यादा स्थिति बिगड़ते देख उन्हें पीबीएम अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। देर रात उनकी तबीयत भी सामान्य हो गई थी।

डॉ. हर्ष ने बताया कि सिफोटेक्सिम एंटीबायोटिक इंजेक्शन की नई सप्लाई आई है। अक्सर बच्चों में इस इंजेक्शन के लगने से रिएक्शन हो जाता है। रात में भी ये इंजेक्शन लगाया गया था। इसके बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ी। परिजनों ने इस पर गुस्सा जताया था।

घटना के बाद कांग्रेस नेता अरुण व्यास मौके पर पहुंचे। व्यास और पीड़ित परिजनों ने अधीक्षक डॉ. सुनील हर्ष का घेराव कर लिया। करीब एक घंटे तक दोनों पक्षों के बीच बातचीत चलती रही। इस दौरान डॉ. हर्ष ने लिखित में दिया कि संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। नर्सिंग स्टाफ को हटाया जाएगा। व्यास ने आरोप लगाया कि अस्पताल में दवा देने में भी आनाकानी की जाती है। हंगामे की जानकारी मिलने पर नयाशहर पुलिस मौके पर पहुंच गई। काफी देर तक दोनों पक्षों के बीच बातचीत में पुलिस मौजूद रही, लेकिन बाद में तनाव बढ़ता देख पुलिस ने इनको बाहर निकाल दिया।

नकबजनी का इनामी बदमाश गिरफ्तार

परबतसर, (निसं)। पुलिस ने नकबजनी करने वाले कुख्यात और इनामी बदमाश रतन उर्फ रत्या बागरिया को किनसरिया की पहाड़ियों से गिरफ्तार किया है। थाना अधिकारी जगदीश प्रसाद मीणा ने बताया कि कि 5 दिसंबर 2024 को परिवादी ज्ञानाराम गुर्जर निवासी ठिकरियों की ढाणी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। गुर्जर ने बताया कि वह पांच दिसम्बर को शादी एवं लगन समारोह में शामिल होने गया था। इसी दौरान पीछे से अज्ञात चोर घर का सामान चुरा ले गए। जांच में रतन बागरिया और आल्या उर्फ आलू बागरिया की संलिप्तता सामने आई। पुलिस टीम ने 23 दिसंबर 2024 को आल्या उर्फ आलू बागरिया को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया था। वहीं दूसरा आरोपी रतन बागरिया फरार था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने किनसरिया गांव की पहाड़ियों से रतन बागरिया को दबोच लिया।

महिला जेल में महिला कैदी ने आत्महत्या की

जबरन वसूली के आरोप में सजा काट रही थी महिला कैदी

बीकानेर, (निसं)। महिला जेल में एक महिला कैदी ने सुसाइड कर लिया है। मृतका बंदी तारा कंवर सिंधु नोखा की रहने वाली थी। उसने अपने बैकर में चुन्नी का फंदा लगाकर जान दे दी। घटना शाम करीब 4:30 बजे की है। महिला जबरन वसूली और परेशान करने के मामले में सजा काटा रही थी। महिला कैदी को पीबीएम हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार तारा को जबरन वसूली और परेशान करने के आरोप में जून 2025 में सजा सुनाई गई थी। पिछले तीन महीने से वह सजा काट रही थी। महिला कैदी ने अपने बैरक में ही चुन्नी का फंदा लगाकर जान दे दी। इसके बाद जब बंदियों को पता चला तो वहां हल्ला मच गया। दूसरे कैदियों की आवाज सुन जेल प्रहरी मौके पर पहुंचे, जहां तारा अचेत पड़ी थी। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर बीछवाल थाना अधिकारी गोविंद सिंह भी मौके पर पहुंचे। महिला कैदी के शव को पीबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। थाना अधिकारी गोविंद सिंह चारण ने बताया कि सुसाइड के कारण अभी सामने नहीं आए है। वहीं इस मामले में न्यायिक जांच भी की जा रही है।

दरगाह में मंदिर दावा प्रकरण मामले में बहस हुई

अजमेर, (कासं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में संकट मोचन शिव मंदिर प्रकरण में शनिवार को सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और अल्पसंख्यक विभाग द्वारा दाखिल दो प्रार्थना पत्रों पर पक्षकारों में बहस हुई, जबकि दरगाह कमेटी द्वारा दाखिल प्रार्थना पत्र पर सुनवाई अब 6 सितंबर को होगी। सुनवाई के दौरान अदालत परिसर में छावनी में तब्दील हो गया, सिविल लाइंस थाना पुलिस के साथ अतिरिक्त जाब्ता तैनात रहा।

हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा दरगाह कमेटी और केंद्रीय पुरातत्व मंत्रालय के विरुद्ध कोर्ट में वाद दायर कर दरगाह परिसर स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना में बाधा नहीं डालने का आग्रह किया है।

ट्रेलर में आग लगी

टोंक, (निसं)। उनियारा थाना क्षेत्र में शनिवार को एक ट्रेलर में अचानक आग लग गई, उस दौरान चालक ने तो कूदकर अपनी जान बचाई, लेकिन ट्रेलर पूरी तरह जल गया। चालक ने बताया कि ट्रेलर में स्टील की प्लेटें रखी हुई थी, जिसमें 40 टन वजन का सामान रखा हुआ था। ट्रेलर कर्नाटक से भरकर हरियाणा जा रहा था। प्रांरभिक तौर आग का कारण ट्रेलर के इंजन में शॉर्ट सर्किट को माना जा रहा है। हादसे के कारण उनियारा से नैनवां का रास्ता करीब एक घंटा तक बंद रहा, जिससे आवाजाही ठप हो गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणो की मदद से एवं दमकल से आग पर काबू पाया।

960 लीटर नकली शराब जब्त, छह तस्कर गिरफ्तार

कपासन, (निसं)। चित्तौड़गढ़ आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आबकारी आयुक्त उदयपुर और कलेक्टर चित्तौड़गढ़ के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। जिला आबकारी अधिकारी गजेन्द्र सिंह राजपूरोहित के नेतृत्व में विशेष टीमें बनाई गई। आबकारी निरीक्षक कपासन नन्द किशोर वैष्णव और प्रहराधिकारी डूंगला बाघ सिंह ने 27 से 30 अगस्त के बीच कई स्थानों पर छापेमारी की। इनमें सिंहाणा, लांगच, सिंहपुर, कोदियाखेड़ी, गौराजी का निम्बाहेडा, हाउसिंग बोर्ड चित्तौड़गढ़, कपासन और उदयपुर के कई इलाके शामिल थे। छापेमारी में 960 लीटर अवैध स्प्रिट से बनी नकली शराब के 5332 पव्वे बरामद किए गए। इसके अलावा 188 बीयर की बोतलें, 18 केन बीयर और 27 बोतलें अंग्रेजी शराब भी जब्त की गईं। टीम ने शराब बनाने की मशीन, टेपरोल और 5042 ढक्कन भी बरामद किए। पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रहलाद जायसवाल निवासी पावली, रविन्द सिंह राठौड़ निवासी वेणीपुरिया, प्रकाश चंद्र जाट निवासी मेवदा, नरेन्द्र सिंह निवासी उदयपुर, नरेन्द्र सिंह निवासी सिंहाणा, उदय लाल सुवालका निवासी सिंहाणा शामिल हैं। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है। इस कार्रवाई में जगदीश चन्द्र बिश्नोई, हेमराज जाट, अब्दुल जावेद, अरविन्द खींची, नरेश सुहेल, श्रवणलाल मीणा समेत आबकारी निरोधक दल के कई अधिकारियों का योगदान रहा।

मकान पर आकाशीय बिजली गिरी

भीलवाड़ा, (निसं)। देवनारायण सर्कल स्थित गायत्री नगर कॉलोनी में अलसुबह करीब चार बजे बारिश के बीच एक मकान पर आकाशीय बिजली गिर गई। मकान में सो रहे दंपती को भारी नुकसान हुआ, जिसमें एक व्यक्ति सुरेश शर्मा आकाशीय बिजली की चपेट में आने से जुलस गया, जिसे आनन फानन में जिले के महात्मा गांधी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती करवाया गया। वहीं बिजली गिरने से आवास पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि कमरे में सो रहे पीड़ित परिवार पर कमरे की दीवार नहीं गिरी, अन्यथा जनहानि हो सकती थी।

उदयपुर के गौरव-सौरव ने दुनिया में भारत का नाम रोशन किया

गौरव सिखवाल और सौरव सिखवाल ने स्वीडन के कालमार में हुई दिग्गज आयरनमैन ट्रायथलॉन को सफलतापूर्वक पूरा किया

उदयपुर, (कासं)। झीलों की नगरी के दो भाइयों ने स्वीडन में एक नया रिकॉर्ड बनाकर देश-दुनिया में भारत का नाम रोशन किया है। इनकी इस उपलब्धि पर उदयपुर गौरवान्वित हुआ है और इस ऐतिहासिक क्षण में हमारी चमक दुनिया के मंच पर दिखी।

दोनों भाइयों ने भारतीय ध्वज को गर्व से ऊँचा किया और 'आयरनमैन ब्रदर्स' कहलाए।

उदयपुर के सुखेर में रहने वाले 33 साल के गौरव सिखवाल और छोटे भाई 32 साल के सौरव सिखवाल ने स्वीडन के कालमार में हुई दिग्गज आयरनमैन ट्रायथलॉन को सफलतापूर्वक पूरा किया। उनका दावा है कि वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय भाई और दुनिया के पहले एशियाई भाई बने। दोनों भाइयों ने बताया कि समुद्र में 3.8 किमी में तैराकी की और वहां पर ठंडे पानी का टेम्प्रेचर 10 से 15 डिग्री सेंटीग्रेट था। इसके अलावा तेज हवाओं वाली खुली सडको पर उन्होंने 180 किमी साइकिलिंग की और बाद में 42.2 किमी की मैराथन दौड़ को पूर्ण किया। गौरव सिखवाल ने बताया कि आयरनमैन को अक्सर दुनिया की सबसे कठिन सहनशक्ति प्रतियोगिता कहा जाता है और वास्तव में हर पल बहुत कठिन था, लेकिन उन्होंने जो सपना देखा और जो ठान रखा था उसे पूरा करना था तो फिर हमारे लिए कोई कठिन नहीं था। हम अपने गोल को टारगेट लेकर चल रहे थे और आखिर हमे सफलता मिली।

सौरव सिखवाल ने बताया कि इसमें 75 से ज्यादा देशों से आए 2800 से अधिक एथलीट्स ने भाग लिया। सौरव ने बताया कि पूरी दुनिया की आबादी में से केवल 0.01 प्रतिशत से भी कम लोग ही आयरनमैन का खिताब पाने में सफल होते हैं। इस प्रतियोगिता को पूरा करने के लिए अधिकतम कट-ऑफ समय 16 घंटे रखा गया था। गौरव ने बताया कि यह उपलब्धि एक साल की कठिन ट्रेनिंग, सख्त डाइट और मानसिक तैयारी से हासिल हुई। इस रेस ने हमारी शारीरिक और मानसिक क्षमता की हर हद को परखा और कठोर प्रॉटोकॉल को हमने फॉलो किया था। उसी की वजह से ऐसा हुआ।

उन्होंने बताया कि साइकिलिंग के दौरान सौरव की साइकिल में गंभीर तकनीकी खराबी आने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और कट-ऑफ समय में रेस पूरी की। दोनों भाइयों ने भारतीय ध्वज को गर्व से ऊँचा किया और 'आयरनमैन ब्रदर्स' कहलाए। दोनों भाइयों ने कहा कि यह केवल व्यक्तिगत जीत नहीं है, बल्कि भारत और एशिया के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिसने साबित किया कि अनुशासन, साहस और इच्छाशक्ति से हर सीमा को तोडा जा सकता है। गौरव और सौरव सिखवाल ने कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। आयरनमैन सिर्फ एक रेस नहीं बल्कि शरीर, दिमाग और आत्मा की असली परीक्षा है। हमें गर्व है कि हमने फिनिश लाइन पर भारतीय तिरंगा लहराया। इस रिकॉर्ड के साथ सिखवाल ब्रदर्स ने अपना नाम खेलों के इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज करा लिया है।

नाबालिग ने दुष्कर्म की घटना से आहत होकर आत्महत्या की

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थानां अन्तर्गत एक गांव में एक 15 वर्षीय नाबालिग बालिका ने दुष्कर्म की घटना से आहत होकर पानी के कुंड में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक बालिका के पिता ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उसकी 15 वर्षीय पुत्री के साथ गांव के ही एक आरोपी ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था।

दर्ज मामले में बताया कि उसकी पुत्री कुछ दिनों से गुमशुम रहने लगी। 29 अगस्त को उसने और उसकी पत्नी ने अपनी पुत्री को विश्वास में लेकर पूछताछ की और गुमशुम रहने का कारण पूछा तो वह रोने लगी तथा बताया कि पिछले वर्ष खेत में बकरियां चराने के लिए गई थी। तब आरोपी ने खेत में उसे अकेला देखकर उसके साथ दुष्कर्म किया तथा मोबाइल फोन से उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। बाद में वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। यह कहकर उसकी पुत्री बुरी तरह से रोने लगी। जिसके बाद उसने परिवार को घटना की जानकारी दी। दर्ज मामले में बताया कि आरोपी का उसके घर आना जाना था तथा उसकी पुत्री ने बदनामी के डर से पानी के कुंड में छलांग लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना मिलते ही हमीरवास थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा बालिका के शव को कुंड से बाहर निकलवाया और शव को मोर्चरी रूम में रखवाने की कार्रवाई की। शाम साढे चार बजे के आसपास पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव उसके परिजनों को सौंप दिया तथा आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फसल की कटाई करते युवक की मौत

- आरोप है कि अत्यधीक गर्मी से भाई की मौत हुई है

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाने के गांव रडसानाबास में अपनी बुआ के खेत में फसल की कटाई करवाते समय एक 36 वर्षीय व्यक्ति की अत्यधीक गर्मी के कारण मौत हो गई, जिसका शनिवार को राजगढ़ थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। थाने के महेन्द्र सिंह हैड कास्टेबलब ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सौंप दिया है।

थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि सुनिल कुमार पुत्र वजीर सिंह मेघवाल निवासी हमीरवास ने मामला दर्ज करवाया है कि दिनाक 29 अगस्त को उसके ताऊ का लड़का सुरेन्द्र पुत्र हवासिंह मेघवाल निवासी हमीरवास जो अपनी बुआ के गांव रडसानाबास में फसल की कटाई करवाने हेतु उनके गांव को गया था। तभी उसके ताऊ का लड़का सुरेन्द्र खेत में काम पर पहुंचा तो कृषि कार्य करते समय अचानक से उसकी गर्मी के कारण तबीयत खराब हो गई तथा अचानक से अत्यधीक गर्मी के कारण सुरेन्द्र की मौत हो गई। आरोप है कि अत्यधीक गर्मी के कारण उसके भाई सुरेन्द्र की मौत हुई है। घटना के बाद उसके भाई सुरेन्द्र की लाश को परिजनों की मदद से सरकारी अस्पताल राजगढ़ की मोर्चरी में रखवाई गई, जिसका शनिवार को शाम चार बजे के आसपास महेन्द्र सिंह हैड कास्टेबल ने पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सौंप दिया।

भरतपुर में फ्लाईओवर के विरोध में प्रदर्शन

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स सोसायटी ने हीरादास से कुम्हेर गेट के ऐलीवेटेड फ्लाईओवर ब्रिज के निर्माण के विरोध में सोसायटी भवन नुमायश रोड के सामने शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन किया, जिसमें भरतपुर जिला व्यापार महासंघ के पदाधिकारियों ने सोसायटी को पूर्ण रूप से समर्थन दिया। सोसायटी के अध्यक्ष मोहनचंद सिंघल के नेतृत्व में संघर्ष समिति की कमेटी का गठन हुआ एवं कमेटी के निर्णय अनुसार सोसायटी के सभी सदस्य अपने अपने प्रतिष्ठान सांय चार बजे से बंद कर स्टाफ सहित सोसायटी भवन के सामने एकत्रित हुए एवं धरने का पुरजोर प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के माध्यम से शासन एवं प्रशासन से इस फ्लाईओवर का विरोध किया गया। इस प्रदर्शन के बावजूद यदि प्रशासन ने हमारी नीतिगत मांगों पर कोई सकारात्मक पहल नहीं की तो पूर्व सूचना के अनुसार 31 अगस्त 2025 को सांय 6 बजे मशाल जुलूस का प्रदर्शन सोसायटी भवन नुमायश रोड से कुम्हेर गेट चौराहा होते हुए लक्ष्मण मंदिर चौक तक निकाला जायेगा एवं सोसायटी ने भरतपुर के सभी ट्रेड के व्यापारियों से अपील की है कि इस विरोध प्रदर्शन को समर्थन कर व्यापारी एकता का परिचय दें। इस धरने में सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष सुभाष जिंदल, शिवलहरी शर्मा, सुभाष लोहिया, विष्णु जैन, सोसायटी अध्यक्ष मोहन चंद सिंघल, सचिव निरंजन मित्तल, बिजेन्द्र बबलू, बनवारी खंडेलवाल, विनोद चोटाला, अरूण भारद्वाज आदि ने विचार व्यक्त कर इस धरने की अहमियत पर प्रकाश डाला।

संक्षिप्त

21 से शुरू होगी रामलीला

किशनगढ़ बास। कला मंच समिति की बैठक हुई। बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से एडवोकेट राकेश तिवाड़ी अध्यक्ष बनाया गया है। कला मंच समिती के मीडिया प्रभारी नवीन जैन ने बताया कि नवीन कार्यकारणी मे अध्यक्ष पद पर एडवोकेट राकेश तिवाड़ी, व्यास पीठ चंद्र प्रकाश शर्मा , संरक्षक अशोक अग्रवाल ,उमेश कांत वशिष्ठ, खेम चंद्र यादव, हरिओम गुप्ता , वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामपाल यादव , निर्देशक गजेंद्र यादव, उपाध्यक्ष विशाल सोनी, महिपाल जांगिड़, कोषाध्यक्ष पद पर हरीश गोयल, सचिव पद पर हरिशंकर सोनी, सह सचिव दीपक सैन, भंडारी मुकेश सोनी, विकी सोनी, डिम्पल जांगिड़, मयंक शर्मा को बनाया गया है। इस दौरान धीरज सोनी, विकास गोयल, ,हनुमान यादव, महेंद्र चौहान,सुमित सोनी,सोनू , मोनू आदि मौजूद रहे। बैठक मे वार्षिक आय व्यय का ब्यौरा दिया गया व रामलीला का मंचन 21 सितंबर से करने का निर्णय लिया गया है।

भजन संध्या कार्यक्रम सम्पन्न

दौसा। भाद्रपद मास के दषलक्षण पर्व के कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज पुराने शहर स्थित 1200 वर्ष प्राचीन चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता प्रतीक जैन ने बताया कि इस अवसर पर पुरूष व महिला वर्ग की दो टीमें बनाई गई। दोनों टीमों ने एक से बढकर एक भजन प्रस्तुत किये। पारस प्यारा लाग्यो, जिनेष्वर प्यारा लाग्यो। दयालु प्रभु से दया मांगते है, अपने दुखों की दवा मांगते हैं। इस जन्म में ना सही पर भव में मिलता है, अपने अपने कर्मों का फल सबको मिलता है। आदि भजन गाकर माहौल भक्तिमय कर दिया। इस दौरान जैन समाज के अध्यक्ष आलोक जैन, त्रिषला महिला मंडल अध्यक्षा अनिता जैन, महामंत्री सुनीता नीमला, सुधीर जैन एडवोकेट, राजेन्द्र जैन एडवोकेट, राजकुमार, अजीत, मनीष, मदन, संजय, प्रवीण, विधि, सुमन सहित जैन समाज के महिला-पुरूष-बच्चे अधिक संख्या में मौजूद थे।

दुर्घटना स्थलो का चिन्हीकरण कर किया सुधार

टोंक। महानिदेशक पुलिस जयपुर के निर्देशो पर जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा चलाये गये विशेष अभियान दुर्घटना के स्थानों का चिन्हीकरण एवं सुधार कार्यक्रम के तहत वृत्ताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी एवं मेहन्दवास थानाधिकारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में मेहन्दावास थाना स्टाफ के सहयोग से एनएच-52 एवं स्टेट हाईवे 37 ए पर आने व जाने वाली रोड पर एवं ग्राम छाण से नेशनल हाईवे पर मिलने वाली रोड पर 4-4 एवं नेशनल हाईवे से चारो तरफ रही निकल सर्विस रोड पर 4 स्पीड ब्रेकर बनाया जाकर एवं नेशनल हाईवे एनएच 52 पर पीले कलर की रम्बल स्ट्रीप लाईने बनवाई जाकर दुर्घटना संभावित स्थान सुरक्षित किए जाने का प्रयास किया गया।

जागरूकता कैंप आयोजित

शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला जयपुर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशानुसार पैरा वालंटियर दिनेश कुमार शर्मा ने शहीद राजेश कुमार जाट राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुराणा मे विधिक सेवा जागरूकता का कैंप आयोजित किया गया है। इस शिविर की अध्यक्षता श्री प्रधानाचार्य रमेश कुमार सैनी द्वारा की गई। महिला उत्पीड़न समिति की अध्यक्ष लाजवंती यादव भी मौजूद रही। उन्होंने विद्यार्थियों को डिप्रेशन की स्थिति में गरिमा पेटी में अपनी समस्याओं को लिखकर डाल देवे। आपकी समस्या का निदान किया जायेगा। पैरा लीगल वॉलिन्टियर दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि साइबर क्राइम क्या है, इससे अपने आपको कैसे बचाया जा सकता है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

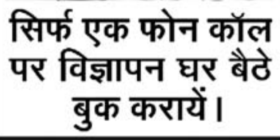

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मन की बात कार्यक्रम को लेकर कार्यशाला आयोजित

टोंक। भारतीय जनता पार्टी टोंक द्वारा प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित मन की बात कार्यक्रम को लेकर भाजपा कार्यालय पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान की अध्यक्षता में प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा उपस्थित रहे। कार्यशाला में प्रदेश उपाध्यक्ष मीणा ने कहा कि मन की बात महीने के अंतिम रविवार को आयोजित होगी, जिसमें प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम के तहत देश के नागरिकों के साथ राष्ट्र से संबंधित मुद्दों और विषयों पर बातचीत करेगे। आकाशवाणी नेटवर्क के माध्यम से इस कार्यक्रम को आयोजित किया जायेगा, इसके अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में भी इसका प्रसारण किया जाता है ताकि यह स्थानीय श्रोताओं तक पहुंच सके।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष चौहान ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम अनकही कहानियां, नवाचार के सपने और एकता का संदेश है, जो भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाता है। मन की बात कार्यक्रम में देश की प्रगति, संस्कृती के बारे में बताया जाता हैं। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण के मुद्दों पर अपने विचार साझा करते हैं, यह आम जनता के बीच एक बेहद लोकप्रिय कार्यक्रम है, जिसमें देश भर से लोग प्रधानमंत्री मोदी को सुनतेहै।

मन की बात कार्यक्रम को लेकर भाजपा कार्यालय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

■ **प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम के तहत देश के नागरिकों के साथ राष्ट्र से संबंधित मुद्दों और विषयों पर बातचीत करेगे**

इस अवसर पर टोंक प्रभारी केडी सिंहल, पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश चंदेल, जिला महामंत्री प्रभु बाडोलिया, विष्णु शर्मा , मन की बात संयोजक राजेश शर्मा, बबलू टैंकर, प्रधान काबरा,राजेन्द्र राणावत, रमाकान्त शर्मा, जिला मंत्री हरिराम यादव, रामकिशन, मीडिया प्रभारी कमलेश यादव, आई टी संयोजक लोकेश गुप्ता, नंदलाल, महावीर गुर्जर, विष्णु चांवला, पंकज पहाड़िया सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुस्तकालय का निरीक्षण

कोटपूतली। कस्बे के डाबला रोड़ स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में शनिवार को आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा के संयुक्त निदेशक, अकादमिक डॉ. विजय सिंह जाट ने प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु संचालित पुस्तकालयध्वाचनालय का निरीक्षण किया।

मौसम बदलने से वायरल बुखार का प्रकोप

पावटा। मौसम में बदलाव के चलते पावटा उपजिला अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़कर 1200 तक पहुंच गई है। पांच दिन पहले तक ये संख्या एक हजार थी। इमरजेंसी और दवा काउंटर के बीच जगह-जगह मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। सुबह आठ बजे से लेकर शाम चार बजे तक अस्पताल में मरीज ही मरीज नजर आते हैं। सर्वाधिक मरीज वायरल फीवर के हैं जो लगातार पिछले कई दिनों से बढ़ रहे हैं। मरीजों का कहना है कि पहले गले में संक्रमण होता है और फिर तेजी से सिर में दर्द शुरू हो जाता है। इन लक्षणों के कुछ ही घंटों में वायरल जकड़ लेता है।

वायरल फीवर के मरीजों की संख्या हर रोज बढ़ रही है। अस्पताल में सबसे ज्यादा वायरल बुखार के मरीज आ रहे हैं। रोजाना 250 से 300 मरीज वायरल बुखार के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं। छोटे बच्चों में भी वायरल का प्रकोप देखा जा रहा है। रोजाना लगभग

■ **उपजिला अस्पताल में रोजाना 1200 मरीज पहुंच रहे**

200 बच्चे वायरल बुखार से पीड़ित होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण अस्पताल की लैब में जांचों की संख्या भी बढ़ गई है। रोजाना 150 से 200 मरीजों की सीबीसी जांच की जा रही है। गंभीर बुखार के मामलों में मलेरिया और डेंगू की जांच भी की जा रही है।

राहत की बात ये है कि अभी तक मलेरिया या डेंगू का कोई मामला सामने नहीं आया है। उपजिला अस्पताल पीएमओ डॉ. रवि बंसल ने लोगों को साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि इस समस्या का सबसे कारण मौसम बदलाव है। मौसम में आ रहे उतार चढ़ाव से कभी मौसम का पारा चढ़ रहा है तो कभी नीचे आ रहा है।

कार्यशाला का आयोजन

कोटपूतली। कस्बे के डाबला रोड़ स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शिक्षक महासंघ की स्थानीय ईकाई के तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ''नीति से परिवर्तन'' तक विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत करते हुये प्राचार्य डॉ. आर. पी. गुर्जर ने बताया कि शिक्षा नीति किसी राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका का निर्वाह करती है। राष्ट्र के भविष्य की गति क्या होगी यह शिक्षा नीति को देखकर सहज ही अनुमानित किया जा सकता है। मुख्य वक्ता प्रदेश सह संगठन मंत्री डॉ. गंगाश्याम गुर्जर ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 भविष्य के भारत का दस्तावेज है। वर्षो से चली आ रही शिक्षा नीति में परिवर्तन वर्तमान समय की मांग थी। उन्होनें कहा कि इस शिक्षा नीति का निर्माण भारत के अतीत के स्वर्णकाल को आधार बनाकर भविष्य की ओर देखते हुये किया गया है। यह शिक्षा नीति नौकर बनाने की अपेक्षा स्वरोजगार तथा उद्यम को बढ़ावा देती है।

कांग्रेस ने प्रेस वार्ता में उठाए जनसमस्याओं के मुद्दे

भरतपुर। भरतपुर जिला कांग्रेस कमेटी ने बयाना में आयोजित एक प्रेस वार्ता में राज्य सरकार और जिला प्रशासन पर जमकर निशाना साधा। प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश सूपा, जिला महासचिव योगेश सिंघल सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने भाग लिया और जिले की कानून-व्यवस्था, बदहाल सड़कों, खराब चिकित्सा व्यवस्था और किसानों की समस्याओं को लेकर तीखे सवाल खड़े किए।

जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा ने कहा कि बयाना सहित पूरे भरतपुर जिले में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। हाल ही में बीरमपूरा गांव से लौट रहे एक सर्राफा व्यापारी की गोली मारकर लूट की गई, जबकि इससे पहले भी इसी तरह की वारदात में एक व्यापारी की हत्या हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह विफल साबित हो रहा है और बदमाशों में कानून का कोई भय नहीं रह गया है।

■ **जिले की कानून-व्यवस्था, बदहाल सड़कों, खराब चिकित्सा व्यवस्था और किसानों की समस्याओं को लेकर तीखे सवाल खड़े किए**

सूपा ने भरतपुर की सड़कों की जर्जर हालत का मुद्दा उठाते हुए कहा कि डाग क्षेत्र की सड़कें वर्षों से टूटी पड़ी हैं, लेकिन सरकार मरम्मत तक नहीं करवा पा रही है। उन्होंने पूर्व एसपी मृदुल कच्छावा के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि तब अपराधियों में भय था, लेकिन अब फिर से अपराध बढ़ते जा रहे हैं।

जिला कांग्रेस महासचिव योगेश सिंघल ने कहा कि भरतपुर की चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स को आइकोनिक हेरिटेज पैलेस/होटल पुरस्कार से सम्मानित किया

जयपुर/शाहपुरा । राजस्थान की समृद्ध विरासत और पर्यटन क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए, शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स को इकोनॉमिक टाइम्स राजस्थान बिजनेस अवॉर्ड्स 2025 के अंतर्गत आइकोनिक हेरिटेज पैलेस/होटल (1950 से पूर्व) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मानजनक अवॉर्ड समारोह जयपुर के मैरियट होटल में भव्यता के साथ आयोजित हुआ।

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा, चेयरमैन - शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं को चेयरमैन - फिक्की राजस्थान स्टेट काउंसिल और साथ ही रत्ना कुमारी, मैनेजिंग डायरेक्टर - शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स एवं बीजेपी नेत्री को डॉ. अरुण चतुर्वेदी जी, चेयरमैन - स्टेट फाइनेंस कमीशन, राजस्थान, नेशनल एग्जीक्यूटिव मेंबर - भाजपा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष - भाजपा राजस्थान, एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार समूह के उस समर्पण का प्रतीक है, जिसके अंतर्गत राजस्थान की ऐतिहासिक विरासत को न केवल संरक्षित किया गया, बल्कि उसे आधुनिक युग के अनुरूप भी ढाला गया है। शाहपुरा हाउस, जयपुर और शाहपुरा हवेली, शाहपुरा, सहित अन्य संपत्तियाँ भारत के विरासत पर्यटन मानचित्र पर एक अलग पहचान बना चुकी हैं।इस गौरवपूर्ण अवसर पर सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा ने कहा कि यह सम्मान हमारे परिवार, हमारी टीम और राजस्थान की संस्कृति के लिए गर्व का विषय है। यह हमें विरासत के संरक्षण और उत्कृष्ट आतिथ्य सेवा की दिशा में और भी समर्पित बनाता है।'' रत्ना कुमारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य हमेशा यही रहा है कि हम राजस्थान की शाही परंपराओं को वैश्विक मंच पर ले जाएँ। यह सम्मान हमारे प्रयासों को मान्यता देने के साथ-साथ हमारी ज़िम्मेदारी भी बढ़ाता है।

आइकोनिक हेरिटेज पैलेस/होटल (1950 से पूर्व) पुरस्कार से सम्मानित करते हुए।

■ **रत्ना कुमारी ने कहा हम राजस्थान की शाही परंपराओं को वैश्विक मंच पर ले जाएँ। यह सम्मान हमारे प्रयासों को मान्यता देने के साथ-साथ हमारी ज़िम्मेदारी भी बढ़ाता है**

शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स के बारे में :- शाहपुरा होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स एक प्रमुख लक्ज़री हेरिटेज हॉस्पिटैलिटी ग्रुप है, जो राजस्थान के भव्य महलों और ऐतिहासिक भवनों को बुटीक होटलों के रूप में परिवर्तित कर मेहमानों को शाही अनुभव प्रदान करता है।

राडावास में स्टेट हाईवे पर 4 करोड़ 40 लाख की लागत से बनेगा सी.एच.सी. भवन

शाहपुरा। राडावास कस्बे में कानसिंहपुरा बस स्टैंड पर चोमू अजीतगढ़ स्टेट हाईवे पर 4 करोड़ 40 लाख की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का शिलान्यास शनिवार को कुंडाधाम के महंत महामंडलेश्वर प्रहलाद दास महाराज के सानिध्य, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य, पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल के विशिष्ट आतिथ्य व सरपंच अमर सिंह शेखावत की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जयपुर सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केंद्र व राज्य सरकार का जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देश के हर व्यक्ति और हर मकान तक विकास कार्य करवाना है। सांसद सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के द्वारा ग्राम विकास के देखे गए सपने को साकार करते हुए विश्व पटल पर आज भारत एक मजबूत राष्ट्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। सिंह ने कहा कि क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाए जाएंगे।

पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल ने कहा कि प्रदेश में चार दशक से शाहपुरा क्षेत्र विकास के काम में सदैव अग्रणी रहा है।

शाहपुरा के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सरपंच अमर सिंह शेखावत ने ग्राम पंचायत क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों के बारे में बताते हुए ग्राम पंचायत क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सांसद से विकास कार्यों के लिए बजट स्वीकृत करवाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधान मंजू सैनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत शर्मा, मामराज पुरी , मालीराम सैनी, रामचंद्र यादव सहित कई लोगों ने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने चार करोड़ 40 लाख की लागत से बनने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नवीन भवन का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला पार्षद हरिनारायण गठाला, सरपंच रामस्वरूप चौधरी सहित क्षेत्र के कई स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विकास कार्यों के लिए सांसद को ज्ञापन किया।

जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने सामुदायिक भवन का शिलान्यास किया।

खोया पाया

मैरे प्लॉट संख्या । 962, अभिनव विहार, जेडीए जोन-14, का कब्जा पत्र डी- 562 एवं भवन निमार्ण अनुज्ञा आवेदन प्राप्ति रसीद कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें। राजेन्द्र कुमार सिंघल 9314191525

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री दशरथ ठाकुर पुत्र श्री भुवनेश्वर ठाकुर निवासी एकता नगर, एस-ब्लॉक, प्लॉट संख्या-56, काला की ढाणी, गॉधी पथ रोड, जयपुर के स्वामित्व का प्लॉट संख्या 4 ब्लॉक-ए, स्थित मंगल मारूति विहार, सिराणी, भापुरा रोड, तहसील सांगानेर जिला जयपुर कुल क्षेत्रफल 200 वर्गगज जो कि बाबा आर.एन. गौड़ गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड रजिस्ट्रेशन नम्बर 59/एल सी सहकारी द्वारा आवंटित किया गया था का मूल आवंटन पत्र, रसीद, साईट प्लान दिनांकित 20.01.2011 कहीं खो गये है जिसकी रिपोर्ट पुलिस मे दर्ज करवा दी गई है यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज प्राप्त हो गये है तो वह मेरे अभिभाष्य को अथवा मुझसे सम्पर्क कर लौटा देवे तथा मेरे अभिभाष्य द्वारा सोसायटी से डुप्लीकेट पट्टा प्राप्त किये जाने हेतु आवेदन किया है किसी भी व्यक्ति/संस्था को डुप्लीकेट पट्टा जारी करवाये जाने मे किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह 7 दिवस में अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।
जयपुर (विमल शर्मा) एडवोकेट
दिनांक मो.-9352407193

आम सूचना मेरे अभिभाष्य जयसिंह बुडानिया पुत्र स्व. मालाराम बुडानिया एवं सुनिता बुडानिया पत्नी जयसिंह निवासी बी-75, आचार्य विनोबा भावे नगर, वैशाली नगर, जयपुर राजस्थान 302021 के पुत्र अंकित बुडानिया व उसकी पत्नि सुशीला चौधरी शादी के बाद से ही उनके कहने मे नही है और आये दिन पूरे परिवार को हैरान परेशान कर मरने मारने की व झूठे मुकदमों मे फंसाने की एलानिया धमकीयां देते आ रहे है, इसलिए मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र व पुत्रवधु को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है। अब मेरे अभिभाष्यगण का उसके पुत्र और पुत्रवधु से आपस मे कोई लेना देना नही रहा, यदि भविष्य मे पुत्र अंकित व पुत्रवधु सुशीला चौधरी से कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह का संव्यवहार करेगा तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहे।
जयपुर (सुरेश कुमार मिठारवाल) एडवोकेट
दिनांक:-30.08.2025 मोबाईल न.-9414062160, 8003372160

सूचना मै कपिल कुमार शर्मा पुत्र श्री कन्हैया लाल शर्मा निवासी ग्राम थौलाई तहसील जमवा रामगढ जिला जयपुर फर्म कपिल फिलिंग स्टेशन, ग्राम थौलाई, तहसील जमवा रामगढ जिला जयपुर से स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत हो रहा हूँ। उक्त के संबंध में नवीन पार्टनरशिप डीड दिनांक 27.07.2025 को संपादित की जा चुकी है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह आगामी सात दिवस में जिला उद्योग केन्द्र, जयपुर ग्रामीण में आपत्ति दर्ज करा सकता है।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांकः4424 दिनांकः16/6/25
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 263/760 (MIG-A) (एरिया 96.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री हरीश नन्दवानी पुत्र श्री लोक चन्द नन्दवानी को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 6417 दिनांक 13.03.2009 को जारी किया गया। श्री हरीश नन्दवानी के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 09.11.2009 को उप पंजीयक जयपुर-षष्ठम के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री हरीश नन्दवानी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 11.02.2010 के द्वारा श्री अंकेश जैन पुत्र श्री राकेश जैन को विक्रय कर उप पंजीयक चतुर्थ, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री अंकेश जैन द्वारा उक्त आवास को दिनांक 25.01.2016 के द्वारा श्री उमेश शर्मा पुत्र श्री मोतीलाल शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक चतुर्थ, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता / क्रेती श्री उमेश शर्मा पुत्र श्री मोतीलाल शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास के रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बावत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री उमेश शर्मा पुत्र श्री मोतीलाल शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/526
चूंकि प्रार्थी श्री DR- ANIL GUPTA, PLOT NO. HE 542, RAM MARG, NEAR SANSKAR SCHOOL HANUMAN NAGAR EXTENSION JAIPUR 302021 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास MEDICAL HEALTH CARE AND RURAL DEVELOPMENT SANSTHAN, राजस्थान के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है। कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 19.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेषी 29.10.2025
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग,
जयपुर प्रथम

नाम परिवर्तन

मैने मेरा नाम गुलाम रसूल एवं पिता का नाम अलानूर खान से बदलकर गुलाम रसूल मंसूरी (GULAM RASOOL MANSOORI) एवं पिता का नाम अलानूर खान मंसूरी (ALANOOR KHAN MANSOORI) रख लिया है। भविष्य में इसी नाम से जाना जावे। निवासी- P.N.75, संजय नगर-बी, झोटवाड़ा, जयपुर।

मैने मेरा नाम सुपरेदा बानो उर्फ सुपरेदा बेगम से बदलकर सुपरेदा (SUPREDA) पत्नी उस्मान गनी रख लिया है। भविष्य में मुझे सुपरेदा नाम से ही जाना पहचाना जावें। पता-57, इस्लाम नगर झोटवाड़ा, जयपुर।

मैने मेरा नाम विनोद कुमार शर्मा से बदलकर विनोद शर्मा रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। विनोद शर्मा पुत्र श्री हरिनारायण शर्मा 61, ए, नारायण विहार विस्तार, जयपुर

मै अतुल कुमार आर्मी नं- 15698790X रैंक- हवलदार अतुल कुमार निवासी- वी.पी.ओ, टांडा माजरा, तहसील बुढ़ाना जिला- मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश- 251309 ने भविष्य के लिए अपने सर्विस रिकॉर्ड में अपनी माताजी का नाम सुरेश देवी से बदलकर सुरेश उर्फ सरोज व जन्मतिथि 01-07-1966 से 01-01-1960 कर लिया है।

मैने अपना नाम तुषार संजय भार्गव से बदलकर तुषार भार्गव रख लिया है। भविष्य में मुझे तुषार भार्गव पुत्र श्री संजय भार्गव के नाम से जाना जावें। पताः 707, गारनेट-ए, अरबाना ज्वैर्ल्स, मुहाना मंडी, सांगानेर, जयपुर- 302029

मैने अपना नाम दिव्या तुषार भार्गव से बदलकर दिव्या खन्ना रख लिया है। भविष्य में मुझे दिव्या खन्ना के नाम से जाना जावे। पताः 707, गारनेट-ए, अरबाना ज्वैर्ल्स, मुहाना मंडी, सांगानेर, जयपुर- 302029

मैने अपनी बेटी का नाम टिया तुषार भार्गव से बदलकर टिया भार्गव रख लिया है।भविष्य में उसे टिया भार्गव पुत्री श्री तुषार भार्गव के नाम से जाना जावें। पताः 707, गारनेट-ए, अरबाना ज्वैर्ल्स, मुहाना मंडी, सांगानेर, जयपुर- 302029

मैं सेन्य संख्या 3016914W पद नायक नाम सुभाष गुर्जर जो की मेरी माताजी की सेन्य दस्तावेजों में जन्मतिथि 01/04/1973 है। जो की वास्तविक सभी दस्तावेजों में जन्मतिथि 06/10/1965 है। मेरा अनुरोध है कि मेरी माताजी की वास्तविक जन्मतिथि सेन्य दस्तावेजों में सुधार कर दिया जाये।

मैने अपना नाम पवन कुमार व्यास से बदलकर पवन व्यास पुत्र सुरेश चन्द व्यास रख लिया है अतः भविष्य में मुझे पवन व्यास के नाम से जाना जाये पता -85 श्रीबालाजी नगर-, रामपुरा रोड सांगानेर जयपुर 302020

I Babita Spouse of No.14853206W Hav/SKT Shiv Bhagwan Dukia Resident of Husenpura Ki Dhani, Husenpura, Nagaur Rajasthan, 341303 have Changed my Name From Babita to Babita Devi Vide Affidavit BZ984149, Date 30.08.2025

I have changed my name Rupani Ramesh Mevaram to Ramesh Rupani for all future and legal purpose. 119/397, Agrawal Farm, Mansarovar, Jaipur- 302020

राजस्थान सरकार
कार्यालयः- राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी(322201)
क्रमांकः/2025/500 दिनांकः 21.08.2025
(E-tender NIB No.01 /2025-26)
Sealed Single Stage Two envelopes and unconditional online Bids for **Rate contract for upto 31.03.2026 provide "Un-Skilled,Semi Skilled, Skilled And Highly skilled manpower for Government College,Gangapur City** are invited from interested bidders upto 01.09.2025 at 2.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the Procurement Portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is **Rs. 25 Lakh.**
UBN No.-ECD2526SLRC00216
Principal
Government College,
Gangapur City

उत्तर पश्चिम रेलवे

ठेकों की ई-ऑक्शन सूचना

संख्याः- सी-45/1/केटरिंग/ई-ऑक्शन/2025 दिनांक 29.08.2025

1.	कार्य का नामः	जयपुर मण्डल के विभिन्न श्रेणी के रेलवे स्टेशनों पर केटरिंग स्टॉलों, मल्टीपरपज स्टाल (एमपीएस), विज्ञापन, मिस्लेनियस स्टेटिक सर्विस, एटीएम, एसएलआर व पार्किंग के ठेकों हेतु ई-ऑक्शन ।
2.	कार्य की अवधिः	केटरिंग स्टॉल :- 05 वर्ष मल्टीपरपज स्टाल (एमपीएस):- 05 वर्ष पार्किंग :- 03 वर्ष विज्ञापन :- 03 वर्ष मिस्लेनियस स्टेटिक सर्विस :- 05/03 वर्ष एटीएम :- 05 वर्ष एसएलआर :- 02 वर्ष
3.	लॉट के ई-ऑक्शन प्रारम्भ की तिथि एवं समयः	केटरिंग स्टॉल (CATG34):- दिनांक 15.09.2025 को 11:15 बजे। एमपीएस (MPS04) :- दिनांक 16.09.2025 को 11:15 बजे। पार्किंग (PKG51) :- दिनांक 12.09.2025 को 11:15 बजे। विज्ञापन (ADVT53) :- दिनांक 10.09.2025 को 11:15 बजे। मिस्लेनियस स्टेटिक सर्विस (MSS26):- दिनांक 10.09.2025 को 11:15 बजे। एटीएम (ATM27) :- दिनांक 10.09.2025 को 11:15 बजे। एसएलआर (SLR64) :- दिनांक 10.09.2025 को 11:15 बजे।
4.	वेबसाइट जहाँ से लॉट वाइज़ ई-ऑक्शन के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।	www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उपरे-जयपुर
1103-AJ/25
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालय ग्राम पंचायत शिवाड, पंचायत समिति चौथ का बरवाड़ा, जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक-2025-26/177-179 **ई-निविदा सूचना संख्या-03/2025-26** दिनांक-28/8/205
पंचायत समिति चौथ का बरवाड़ा के अधीन ग्राम पंचायत शिवाड में राज्य वित्त आयोग षष्ठम योजनाओं में स्वीकृत अटल ज्ञान केन्द्र निर्माण कार्य शिवाड हेतु निर्धारित प्रपत्र में निविदा दरें ई-प्रीक्योरमेन्ट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनिकी एवं वित्तीय अलग अलग) वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्तें एवं सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की बेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
NIB. NO. PKI2526A0012 UBN No. PKI2526SSOB00017
ग्राम विकास अधिकारी प्रशासक
ग्राम पंचायत शिवाड, पं.स.चौथ का बरवाडा ग्राम पंचायत शिवाड, पं.स.चौथ का बरवाडा

मालवीय अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.,
प्रधान कार्यालयः ऐ-48 सुदर्शनपुरा ऐनक्लेव, गोलीमार गार्डन, सहकार मार्ग, जयपुर 302001
एम.यू.सी.बी./33/08/2025-26 दिनांक-30.08.2025

अधिसूचना

बैंक के समस्त सम्मानित सदस्यों को सूचित किया जाता है कि बैंक की छब्बीसवीं वार्षिक साधारण सभा (प्रतिनिधि सभा) वर्ष 2024-2025 की बैठक दिनांक 19.09.2025 को अपरान्ह 3.00 बजे, बैंक के प्रधान कार्यालय, ऐ-48 सुदर्शनपुरा ऐनक्लेव, गोलीमार गार्डन, सहकार मार्ग, जयपुर पर होगी। जिसमें निम्नांकित कार्य सम्पादन हेतु आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।
विचारणीय विषय निम्न हैः-
1. बैंक की गत सामान्य सभा (प्रतिनिधि सभा) की बैठक दिनांक 16.09.2024 की कार्यवाही की पुष्टि करना।
2. बैंक के निदेशक मण्डल के छब्बीसवें वार्षिक प्रतिवेदन को स्वीकार करना।
3. बैंक के 31.03.2025 को समाप्त हुए वर्ष के अंकेक्षित संतुलन चित्र एवं लाभ हानि खाते की स्वीकृती प्रदान करना।
4. बैंक की वर्ष 2024-2025 की ऑडिट रिपोर्ट एवं उसकी पूर्ती रिपोर्ट की स्वीकृती प्रदान करना।
5. बैंक की वर्ष 2025-2026 की अधिकतम साख सीमा निर्धारित करना।
6. बैंक की वर्ष 2025-2026 की भावी कार्य योजना को स्वीकृति प्रदान करना।
7. बैंक के वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लेखों के अंकेक्षण हेतु सांविधिक अंकेक्षक की नियुक्ति करने पर विचार।
8. बैंक के वर्ष 2024-2025 के लाभ वितरण की स्वीकृति प्रदान करना।
9. बैंक के वर्ष 2025-2026 के बजट प्रस्तावों का अनुमोदन करना एवं वर्ष 2024-25 में बजट से अधिक हुए खर्चों की पुष्टि करना।
10. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से लिया जावेगा।

कोरम के अभाव में स्थगित सामान्य सभा (प्रतिनिधि सभा) नियमानुसार आयोजित की जावेगी जो दिनांक 19.09.2025 को अपरान्ह 4.00 बजे उसी स्थान पर सम्पन्न होगी। स्थगित बैठक में उपरोक्त विचारणीय विषय ही रहेंगें।

आदेशानुसार
प्रबन्ध निदेशक

मुख्यमंत्री ने सुरेश रावत के पिता को श्रद्धांजलि दी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को जल संसाधन मंत्री रावत के गांव मुहामी पहुंचे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को अजमेर के मुहामी गांव जाकर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के पिता सूरज सिंह को श्रद्धांजलि दी, जिनका हाल ही में निधन हो गया।

■ **स्व. सूरज सिंह रावत को श्रद्धांजलि देने मुख्यमंत्री के साथ केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, देवनारायण ओम प्रकाश भडाना भी थे।**

अजमेर/जयपुर, 30 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को अजमेर के मुहामी गांव जाकर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के पिता सूरज सिंह रावत के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने स्व. सूरज सिंह रावत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने सुरेश सिंह रावत एवं समस्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढ ाढ स बंधाया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लालबाग चा राजा के दर्शन किए शाह ने

मुंबई, 30 अगस्त। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मुंबई के प्रसिद्ध गणेश मंडलों में से एक, लालबागचा राजा के दर्शन कर पूजा अर्चना की।

शाह के साथ उनकी पत्नी सोनल शाह, बेटे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह, प्रदेश के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अन्य लोग मौजूद थे। शाह गणेशोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय दौरे पर मुंबई में हैं।

वह लालबागचा राजा के दर्शन करने से पहले फडणवीस के आवास "वर्षा" पर भी गए और भगवान गणेश के दर्शन किए तथा पूजा-अर्चना की।

■ **लालबाग चा राजा मुम्बई के प्रसिद्ध गणेश पंडालों में से एक है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह गणेश उत्सव पर दो दिन के दौरे पर मुंबई में हैं।**

शाह हर साल अपने परिवार के साथ लालबागचा राजा के दर्शन करने आते हैं।

उन्होंने आज दोपहर दक्षिण मुंबई स्थित राज्य सरकार के सह्याद्री गेस्ट हाउस में एक बैठक की। इस दौरान उन्होंने उप मुख्यमंत्री शिंदे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संयुक्त महासचिव अतुल लिमये, महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और मुंबई भाजपा प्रमुख अमित साटम से भी बातचीत की।

शाह गणपति दर्शन के लिए राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार के आवास पर भी गए और बाद में वह उपनगरीय मुंबई के अंधेरी इलाके में एक गणपति पंडाल में गए।

बिहार की सही की गई वोटर लिस्ट में 67,826 संदिग्ध "डुप्लीकेट" मतदाता पाए गए

रिपोर्टर्स कलैक्टिव ने 15 चुनाव क्षेत्रों की वोटर लिस्ट की जांच के बाद यह खुलासा किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

■ **इस खुलासे से चुनाव आयोग के शुद्ध की गई वोटर लिस्ट के दावे और निष्पक्ष व स्वच्छ चुनाव करवाने की चुनाव आयोग की क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।**

■ **जो 67,826 डुप्लीकेट वोटर्स हैं उनमें से 34,392 डुप्लीकेट मतदाता ऐसे हैं जिनका ब्यौरा भी एक जैसा है।**

■ **उदाहरणार्थ, त्रिवेणीगंज की 20 वर्षीय अंजलि का नाम एक ही बूथ पर दो बार रजिस्टर्ड है। उसके पास दो वोटर आई.डी. नम्बर हैं पर बाकी डिटेल समान हैं।**

■ **लौकहा विधानसभा सीट के 19 साल के अंकित कुमार का नाम भी एक ही बूथ पर दो बार है। बिस्फी सीट की 26 साल की अंजुम शेख का नाम भी दो बार है, पर दो अलग-अलग बूथों पर।**

नई दिल्ली, 30 अगस्त। भारत के चुनाव आयोग (ई.सी.आई.) की "शुद्ध की गई" बिहार की मतदाता सूची पर हुई एक चौंकाने वाली जांच ने बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों का खुलासा किया है। इससे चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

द रिपोर्टर्स कलैक्टिव ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में बताया है कि सिर्फ 15 विधानसभा क्षेत्रों में ही 67,826 संदिग्ध डुप्लीकेट वोटरों के मामले पाए गए हैं। इन सभी में लगभग एक जैसी जानकारी दर्ज है। यह खोज चुनाव आयोग के "साफ की गई की गई मतदाता सूची" के दावे पर सवाल खड़ा करती है।

गहराई से जांच करने पर पाया गया कि इनमें से 34,392 मामलों में ऐसे वोटर है जिनके विवरण पूरी तरह से मेल खाते हैं और हर एक के पास दो-दो वोटर आईडी हैं। चुनाव आयोग ने दावा किया था कि सभी डुप्लीकेट नाम हटा दिए गए हैं, लेकिन यह निष्कर्ष उसके दावे को गलत साबित करता है। सीमित संख्या वाले विधानसभा क्षेत्रों में इतनी बड़ी संख्या में डुप्लिकेट वोटरों का बने रहना, मतदाता सूची को शुद्ध करने की प्रक्रिया में संभावित व्यवस्था संबंधी खामियों की ओर इशारा करता है।

यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब बिहार चुनाव की तैयारी कर रहा है। डुप्लीकेट वोटरों की मौजूदगी चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकती है और जनता का लोकतंत्र पर भरोसा कम कर सकती है। अब चुनाव आयोग पर दबाव बढ़ गया है कि वह बताए कि यह गड़बड़ी कैसे हुई।

लेकिन आयोग ने बिहार में हुई "स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न (एस.आई.आर.)" की प्रक्रिया से जुड़े अपने रिकॉर्ड देने से मना कर दिया। जब रिपोर्टर्स-कलैक्टिव ने जानकारी मांगी, तो जवाब में आयोग ने एक लिंक भेज दिया जो मौजूद ही नहीं है।

जांच में सामने आया कि इनमें से 34,392 मामलों में मतदाताओं के विवरण पूरी तरह मेल खाते हैं और उनके पास दो-दो वोटर आईडी हैं। जबकि चुनाव आयोग का दावा है कि ऐसे डुप्लिकेट हटा दिए गए हैं। उदाहरण के लिए चुनाव आयोग ने त्रिवेणीगंज विधानसभा की 20 वर्षीय "अंजलि कुमारी" को दो वोटर आईडी जारी कर दी हैं। दोनों पर पति का नाम, उम्र और पता समान है। हैरानी की बात है कि उन्हें एक ही बूथ पर दो बार वोट डालने का अधिकार मिल गया है।

यह गड़बड़ी चुनाव आयोग द्वारा जल्दबाज़ी में किए गए "स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न (एस.आई.आर.)" का नतीजा है।

एस.आई.आर. एक अभूतपूर्व प्रक्रिया है जिसे चुनाव आयोग उसी रफ्तार और उसी तरीके से पूरे देश में लागू करने की तैयारी कर रहा है।

बिहार के एक विधानसभा क्षेत्र में लगभग 2 से 3 लाख वोटर हैं। आंकड़ों के हिसाब से केवल कुछ ही मामले ऐसे होने चाहिए जहां दो अलग-अलग व्यक्तियों का नाम, रिश्तेदार का नाम और उम्र लगभग समान हो। लेकिन इस जांच में हर विधानसभा क्षेत्र में हजारों डुप्लीकेट मामले सामने आए हैं।

जब तक चुनाव आयोग इन्हें अंतिम मतदाता सूची से नहीं हटाता, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। लेकिन ऐसा होने की संभावना कम है। दिल्ली मुख्यालय में और राज्य व जिला स्तर पर मौजूद आयोग के अधिकारियों को कंप्यूटर प्रोग्राम और ज़मीनी सत्यापन के ज़रिए ऐसे डुप्लीकेट वोटरों (जिन्हें उनकी भाषा में डेमोग्राफिक सिमिलर एंट्रीज़ कहा जाता है) की पहचान करनी होती है, और यह प्रक्रिया प्रारंभिक मतदाता सूची बनने से पहले पूरी की जाती है। वह चरण अब बीत चुका है और आयोग दावा कर चुका है कि उसने 7 लाख डुप्लीकेट वोटरों को हटा दिया है। इसका मतलब है कि अब इस मामले में और कोई सफ़ाई करने की ज़रूरत नहीं है।

लौकहा विधानसभा क्षेत्र में 19 वर्षीय अंकित कुमार का नाम दो बार दर्ज है। उनके पिता का नाम (अनिल महतो) और बूथ नंबर (371) दोनों बार समान हैं, लेकिन उनके पास दो वोटर आईडी नंबर हैं - ज़ैड.क्यू.क्यू. 3191681 और ज़ैड.क्यू.क्यू. 3217643

इसी तरह बिस्फी विधानसभा क्षेत्र में 26 वर्षीय अंजुम शेख का नाम भी दो बार दर्ज है। एक जगह वह बूथ नंबर 91 पर वोटर के रूप में दर्ज हैं, ई.पी.आई.सी. ए.ए.वाय.3361391 के तहत, जहाँ उनके पिता का नाम मो. जावेद शेख लिखा है। वहीं दूसरी बार उनका नाम बूथ नंबर 89 पर दर्ज है, ई.पी.आई.सी. ए.ए.वाय. 3343621 के तहत, और यहाँ पिता का नाम मोहम्मद जावेद लिखा गया है।

मोदी ने जापान के प्र.मंत्री को कीमती पत्थर से बना बाउल सैट भेंट किया

टोक्यो/नयी दिल्ली, 30 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापान यात्रा के दौरान जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा और उनकी पत्नी को शानदार उपहार भेंट किये जिनमें इशिबा के लिए कीमती पत्थर से बना बाउल का सेट और उनकी पत्नी के लिए पश्मीना शॉल शामिल हैं। चाँदी की चॉपस्टिक्स से सजे विंटेज कीमती पत्थर के बाउल भारतीय कलात्मकता और जापानी पाक कला की परंपरा का अनूठा मिश्रण हैं। चार छोटे बाउल और चाँदी की चॉपस्टिक्स के साथ भूरे रंग के मूनस्टोन से बने बड़े बाउल से सुसज्जित यह सेट जापान के डोनबुरी और सोबा अनुष्ठानों से प्रेरित है। आंध्र प्रदेश से प्राप्त यह मूनस्टोन बेहद चमकीना और प्रेम, संतुलन तथा सुरक्षा का प्रतीक है। बाउल का आधार मकराना संगमरमर है जिसमें राजस्थान की पारंपरिक शैली में अर्ध-कीमती पत्थर जड़े हैं।

मोदी ने ज़ेलेंस्की से फोन पर वार्ता की

पुतिन के द्विपक्षीय मुलाकात से पहले मोदी की वार्ता को महत्वपूर्ण माना जा रहा है

■ **प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ वार्ता में रूस-यूक्रेन संघर्ष, उसके मानवीय पहलू तथा शांति व स्थिरता बहाल करने के प्रयासों पर विचार हुआ।**

नयी दिल्ली, 30 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के सभी प्रयासों का पुरजोर समर्थन करता है।

चीन की दो दिन की यात्रा पर आज दोपहर तियांजिन पहुंचे मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। मोदी की चीन में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता होनी है। इस बैठक से पहले जेलेंस्की के साथ मोदी की बातचीत को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत रुस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के समाधान के लिए शुरू से ही बातचीत तथा राजनयिक प्रयासों पर बल देता आया है। मोदी अपनी इस बात को कई बार दोहरा चुके हैं कि यह युद्ध का समय नहीं है।

प्रधानमंत्री ने आज यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ बातचीत के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने इस संघर्ष, उसके मानवीय पहलू और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में सभी प्रयासों को पूर्ण समर्थन देता है।

मोदी ने कहा, राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को आज फ़ोन पर बात करने के लिए धन्यवाद। हमने चल रहे संघर्ष, उसके मानवीय पहलू और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

भारत इस दिशा में सभी प्रयासों को पूर्ण समर्थन देता है।

'दुनिया का कोई भी देश भारतीय ड्रोन की टोह नहीं ले पाएगा'

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने देश के सबसे बड़े एयरो इंजन टैस्ट बेड का लोकार्पण करते हुए कहा

■ **यह टैस्ट बैड रेफी एम फाइबर नामक स्टार्ट अप कंपनी ने बनाया है। सिंह ने कंपनी के संस्थापकों विशाल मिश्रा व विवेक मिश्रा की जोरदार सराहना की।**

गौतमबुद्धनगर, 30 अगस्त। बदलती युद्ध रणनीतियों में ड्रोन के प्रयोग को जरुरी बताते हुये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे भारत के ड्रोन की अब अमेरिका और चीन समेत दुनिया का कोई भी देश टोह नहीं ले पायेगा।

सिंह ने गौतमबुद्धनगर में रेफी एम फाइबर प्रा. लि. द्वारा निर्मित देश की सबसे बड़ी एयरो इंजन टेस्ट बेड का लोकार्पण करने के अवसर पर कहा कि बदलती युद्ध रणनीतियों में ड्रोन का प्रयोग अनिवार्य हो गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ड्रोन रक्षा नीति का अहम हिस्सा हैं और भारत अब इन्हें खुद डिजाइन और निर्माण कर रहा है। भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षण से लेकर आज तक कभी भी दबावों के आगे हार नहीं मानी। आत्मनिर्भरता ही भारत की रक्षा और स्वाभिमान का आधार है। रेफी एम फाइबर जैसे स्टार्टअप इसका प्रमाण हैं कि हमारा नारा अब जमीन पर परिणाम दिखा रहा है।

इस मौके पर उन्होंने संस्थान के संस्थापकों विशाल मिश्र और विवेक मिश्रा की उपलब्धि को भारत की नई तकनीकी क्रांति का प्रतीक बताया और कहा कि आज के युवा केवल एक कंपनी नहीं बना रहे, बल्कि रक्षा क्षेत्र में एक नई सोच और दिशा गढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 6-6.5 वर्षों से रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने के बावजूद उन्होंने इतनी कम उम्र के युवाओं को इतना बड़ा और इनोवेटिव एस्टेब्लिशमेंट खड़ा करते नहीं देखा। अब जब भारतीय ड्रोन उड़ेंगे तो उन्हें न अमेरिका और न चीन, कोई डिटेक्ट नहीं कर पायेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रिज़र्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कमजोर करते हैं। जैसे ही सामान महंगे हो जाते हैं, उपभोक्ता उन्हें कम खरीदते हैं। इससे अमेरिकी खुदरा विक्रेताओं और थोक विक्रेताओं की बिक्री घटती है, जो आयात पर बहुत निर्भर हैं और उन्हें ऑर्डर में कटौती करनी पड़ती है। इसके परिणामस्वरूप, हई कमजोर खपत समग्र मांग को घटाती है। राजन का कहना है कि जो अमेरिका प्रोटैक्शन में जो फायदा प्राप्त करता है, वह मांग में कमी के रूप में खो देता है, और यह व्यापार का एक ऐसा समझौता है, जो अंततः खुद के ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

तीसरा, टैरिफ़ विकास को भी धीमा करते हैं। ये लगभग हमेशा बदले की कार्यवाही को प्रेरित करते हैं, और उदाहरण के तौर पर, भारत अमेरिकी कृषि निर्यातों जैसे कि बादाम, सेब या दालों पर उच्च शुल्क लगा सकता है। इससे पहले से ही कम मुनाफे वाले अमेरिकी किसान प्रभावित होंगे। साथ ही, आपूर्ति श्रृंखलाएँ रातों-रात समायोजित नहीं होतीं। यदि भारत से आयात महंगे हो जाते हैं, तो वियतनाम या मैक्सिको में आयात होने में समय लगता है। लॉजिस्टिक देरी होती है और लागत बढ़ जाती है। यह अनिश्चितता निवेश को हतोत्साहित करती है, जबकि कम निर्यात और धीमी उत्पादकता वृद्धि दीर्घकालिक विकास को प्रभावित करती है।

इसी संदर्भ में, राजन टैरिफ़ को "सैल्फ गोल" बताते हैं। फुटबॉल में, सैल्फ गोल तब होता है जब एक खिलाड़ी गलती से अपनी ही टीम के खिलाफ गोल करता है। राजन का संकेत है कि ट्रम्प के टैरिफ़ राजनीतिक दृष्टिकोण से अच्छे हो सकते हैं, क्योंकि ये व्यापार भागीदारों पर कठोरता का संकेत देते हैं, लेकिन आर्थिक दृष्टिकोण से ये उल्टा असर डालते हैं, जिससे अमेरिकी उपभोक्ताओं, किसानों और व्यवसायों को होने वाला नुकसान टारगैट किए गए देशों को होने वाले नुकसान से अधिक होता है। प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के बजाय, ये अमेरिकी जनता पर कर लगा देते हैं और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अस्थिर करते हैं।

राजन और कई मुख्यधारा के अर्थशास्त्रियों के लिए, टैरिफ़ भोंथरे हो चुके और पुराने औज़ार हैं। ये शॉर्ट टर्म राजनीति में प्रभाव डाल सकते हैं, लेकिन वे दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता को कमजोर करते हैं क्योंकि ये दक्षता और नवाचार को हतोत्साहित करते हैं। उनका बड़ा संदेश यह है कि अमेरिका को टैरिफ़ दीवारों के पीछे छिपने के बजाय, घरेलू क्षमताओं-कौशल, बुनियादी ढांचा, अनुसंधान और विकास में निवेश करना चाहिए।

'राष्ट्रपति ट्रंप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फैसला अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से आएगा।

यह निर्णय उन टैरिफ्स पर केंद्रित है जो ट्रम्प ने अप्रैल में अमेरिका के लगभग सभी व्यापारिक साझेदारों पर लगाए थे, साथ ही इससे पहले चीन, मैक्सिको और कैनडा पर लगाए गए शुल्क भी इसके दायरे में आते हैं।

ट्रम्प ने 2 अप्रैल को, जिसे उन्होंने "मुक्ति दिवस" कहा, उन सभी देशों पर 50 प्रतिशत तक के "पारस्परिक टैरिफ" लगाए जिनके साथ अमेरिका का व्यापार घाटे में अर्थात आयात अधिक व निर्यात कम है। और अन्य लगभग सभी देशों पर 10 प्रतिशत का बुनियादी टैरिफ लगाया।

'भारत विश्व के गैर कानूनी घुसपैठियों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रीय संसाधनों पर बोझ बताया।

इस पर न्यायमूर्ति बागची ने याद दिलाया, राष्ट्रीय सुरक्षा तो ज़रूरी है ही। लेकिन हमारे पास एक साझा सांस्कृतिक विरासत भी है। कृपया इस पर भी सरकार की स्थिति स्पष्ट करें।

भूषण ने गृह मंत्रालय के उस सर्कुलर का हवाला दिया, और कहा जिसमें किसी व्यक्ति को देश से निष्कासित करने से पहले राज्य सरकार द्वारा जांच की बात कही गई है। इस मामले में कोई जांच नहीं हुई, फिर भी महिला को बाहर कर दिया गया गया।"

एक काल्पनिक स्थिति पर विचार करते हुए न्यायमूर्ति बागची ने पूछा, मान लीजिए कि किसी व्यक्ति पर संदेह है और पुलिस फॉरेनर्स एक्ट के तहत एफ आई आर दर्ज करती है। क्या ऐसे में व्यक्ति को हिरासत में नहीं लिया जा सकता?

भूषण ने स्वीकार किया कि एफ आई आर की स्थिति में हिरासत संभव है, लेकिन उन्होंने आगाह किया कि हजारों लोग सिर्फ बंगाली बोलने की वजह से हिरासत में लिए जा रहे हैं।

एक बिंदु पर भूषण ने सॉलिसिटर जनरल की टिप्पणी पर आपत्ति जताई, और कहा मिस्टर सॉलिसिटर, आपकी व्यंग्यपूर्ण टिप्पणियाँ यहां काम नहीं आएंगी।

अंत में, पीठ ने केंद्र सरकार को एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि कोलकाता हाई कोर्ट में लंबित हीबिस कॉर्पस याचिका जो सोनाली बीबी की नागरिकता से जुडी है, स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ेगी।

मेहता ने इस मामले को रोहिंग्या शरणार्थियों से जुड़ी याचिकाओं के साथ जोड़े जाने का सुझाव दिया और कहा कि यह घुसपैठ की बड़ी समस्या का हिस्सा है। लेकिन पीठ ने अलग से जवाब देने पर जोर दिया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, आपने संबंधित याचिका में पहले ही जवाब दाखिल किया है। इस याचिका में भी जवाब दाखिल करें। यह एक बहुत जटिल मुद्दा है। कई देश इस समस्या से जूझ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने इस मामले की अगली सुनवाई सितंबर में तय की।

'प्रतिबंध के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बजाए कार्य व्यवस्था के नाम पर दूरस्थ स्थान पर कार्य करने में असमर्थ है। ऐसे में विभाग के आदेश को रद्द किया जाए। मामले की सुनवाई करते हुए अधिकरण ने याचिकाकर्ता का तबादला करने पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

नोबेल के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने मोदी को बताया था कि पाकिस्तान उन्हें नोबल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने जा रहा है।ट्रंप ने टेलीफोन पर मोदी से आगे कहा था कि भारत को भी उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करना चाहिए, लेकिन मोदी ने ऐसा करने से साफ शब्दों में इनकार कर दिया।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक डॉनल्ड ट्रंप की इन बातों से भारतीय नेता भड़क गये। उन्होंने टेलीफोन पर ट्रंप से कहा कि हालिया युद्धिवराम में डॉनल्ड ट्रंप और अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है। युद्धिवराम भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे तौर पर तय किया गया था। इसी के बाद से दोनों नेताओं के बीच के रिश्ते बिगड़ने शुरू हो गये। इसके बाद ही भारत और अमेरिका के बीच चल रही ट्रेड वार्ता बेपटरी हो गई और अंत में अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने दावा किया है कि उसने ये खुलासा वॉशिंगटन और नई दिल्ली में 12 से ज्यादा अधिकारियों से की गई बातचीत के आधार पर किया है।

इसके अलावा न्यूयॉर्क टाइम्स ने अधिकारियों के हवाले से ये भी कहा है कि ट्रंप ने टेलीफोन पर बातचीत के दौरान मोदी को वाइट हाउस आने का न्योता दिया था। दरअसल ये एक बड़े प्लान का हिस्सा था, क्योंकि उसी दिन पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर भी वाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिनर कार्यक्रम में शामिस होने वाले थे।

ट्रंप ने मोदी को वाइट हाउस आमंत्रित किया था और वो चाहते थे कि वाइट हाउस में मोदी और असीम मुनीर के हाथ मिलाने का कार्यक्रम रखा जाए और इंटरनेशनल मीडिया में इसे अमेरिका की जीत की तरह प्रचारित किया जाए।

संसद में स्थापित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने के हमारे प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की।"

पाधी ने कहा कि नंदीघोष (भगवान जगन्नाथ), दर्पदलन (देवी सुभद्रा) और भगवान बलभद्र (तालध्वज) के रथों के पहिए दिल्ली ले जाकर ओडिशा की कालातीत संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के स्थायी प्रतीक के रूप में स्थापित किए जाएंगे।

वार्षिक रथ यात्रा के बाद, देवताओं के तीनों रथों को हर साल खंडित कर दिया जाता है। नंदीघोष रथ के मुख्य बढ़ ई बिजय महापात्र के अनुसार, कुछ प्रमुख भागों को छोड़कर, हर साल रथों के निर्माण में नयी लकड़ी का उपयोग किया जाता है। खंडित रथ के हिस्सों को गोदाम में रखा जाता है, और उनमें से कुछ नीलाम कर दिए जाते हैं, जिनमें पहिये भी शामिल हैं।

"एस.आई. भर्ती" रद्द करने पर गहलोत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ **एस.आई.भर्ती-2021 को रद्द करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा था कि, शिक्षक ग्रेड-2 और वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा 2022 में पेपरलीक को लेकर दर्ज एफ.आई.आर. में, जिस आर.पी.एस.सी. सदस्य का नाम आया था, वह गहलोत सरकार द्वारा नियुक्त आर.पी.एस.सी. सदस्यों से भी पेपरलीक से नकल करके आये अभ्यर्थियों को अच्छे अंक दिलाने की साजिश में लिप्त था।**

हैरानी के बात है कि इन परीक्षाओं की पेपरलीक से संबंधी एफआईआर में आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा का नाम था और आरोप लगाया गया है कि उन्होंने 60 लाख रूपयों में पेपर बेचने की साजिश की थी। इसलिए गहलोत का यह बयान की उन्होंने परीक्षा पेपरलीक के आरोप के कारण रद्द की गई थी, पर हैरानी होती है क्योंकि जिस आरपीएससी सदस्य का पेपरलीक की साजिश में नाम उजागर हो रहा था, उस सदस्य पर कार्यवाही करने या हटाने के संबंध में कोई कदम नहीं उठाया।

यह बयान इसलिए भी चौंकाता है कि अब हाईकोर्ट का फैसला भी कह रहा है कि बाबूलाल कटारा गहलोत सरकार द्वारा नियुक्त आरपीएससी सदस्य मंजू शर्मा और संगीता आर्य से संपर्क में थे और उन्हें अनुचित तरीके से मैरिट लिस्ट में आये अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में अच्छे अंक दिलवाने की साजिश में शामिल थे।

गहलोत ने अपने बयान में अपनी सरकार द्वारा 'चीटिंग' को रोकने के लिए उठाए कदमों का ढिंढोरा पीटा और कहा कि उन्हीं की सरकार ने 'स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप' (एसओजी) में चीटिंग व पेपरलीक पकड़ने के लिए 'चीटिंग सैल' का गठन करवाया था, "और इसी (एसओजी) की जांच में ही पेपरलीक के बारे में खुलासे हो रहे हैं और आरोपी पकड़े जा रहे हैं। परन्तु सत्य यह है कि एस.आई. भर्ती परीक्षा- 2021 में हुई व्यापक पेपरलीक को लेकर 10 एफ.आई.आर.-2021 में ही दर्ज करली गई थी, पर यह मामला एसओजी को जांच के लिए नहीं भेजा गया था। गहलोत सरकार के दौरान ही व्यापक पेपरलीक को लेकर छात्रों और अभ्यर्थियों ने परीक्षा रद्द करने की गुहार करी थी, परन्तु राज्य सरकार ने ऐसा नहीं किया और आरपीएससी द्वारा लिखित परीक्षा रिज़ल्ट 24 दिसम्बर 2021 को जारी कर दिया गया, और फिर शारीरिक परीक्षा का रिज़ल्ट 11 अप्रेल 2022 को जारी कर दिया था।

उल्लेखनीय है कि एसओजी ने इस मामले में 2 एफआईआर जनवरी 2024 और मार्च 2024 में दर्ज की थी, यानि वर्तमान सरकार में ही इस मामले की जांच एसओजी में पहुंची थी और जैसा गहलोत कह रहे हैं, उसके विरूद्ध, इस मामले की जांच वर्तमान सरकार के कार्यकाल में हुई है उनकी सरकार के कार्यकाल में नहीं। वर्तमान सरकार के दौरान ही एसओजी द्वारा की गई जांच के पश्चात ही 13 अगस्त 2024 को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, वी.के. सिंह, ने रिपोर्ट जारी की थी कि एसआई भर्ती परीक्षा-2021 की परीक्षा प्रक्रिया में गोपनीयता और पारदर्शिता भंग की गई थी जिस वजह से परीक्षा रद्द कर देनी चाहिए। उनकी जांच से यह भी सामने आया था कि परीक्षा से एक महीने पहले ही पेपरलीक हो गया था, इसका विस्तार बहुत अधिक है, यह जान पाना मुश्किल है कि कौनसा अभ्यर्थी चीटिंग करके चयनित हुए हैं और कौन नहीं।

यह भी उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा है कि आरपीएससी सदस्यों को परीक्षा प्रक्रिया में त्रुटियों के बारे में अच्छे से जानकारी थी, इसलिए इतने व्यापक स्तर पर अंजाम दिया जा सका। अदालत ने कहा है कि परीक्षा प्रक्रिया के दौरान कई परीक्षा केन्द्रों पर बायोमैट्रिक सिस्टम नहीं थे, जो डमी कैंडिडेट को परीक्षा में भाग लेने से रोकने में अहम् भूमिका निभाते हैं। कई केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे नहीं थे, कई पाइवेट स्कूलों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया जहां से पेपरेलीक किया जा सकता था, और पूर्व में हुआ भी था। इसके अलावा परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त सुरक्षा अधिकारी नहीं थे और सुरक्षा अधिकारियों को अपनी पोस्टिंग के बारे में परीक्षा कार्यक्रम से बहुत पहले ही जानकारी दे दी गई थी, जिससे परीक्षा की गोपनीयता भंग हो गई। अदालत ने कहा कि आरपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षाओं में पारदर्शिता नहीं थी कि किस अभ्यर्थी को अंक दिये जा रहे थे और कैसे परीक्षा केन्द्र चयनित किये जा रहे थे।

गहलोत ने अपने बयान में इस संदर्भ में कोई जानकारी नहीं दी अगर आरपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षाओं की प्रक्रिया में त्रुटियां स्पष्ट थीं तो उनकी सरकार ने उन्हें दूर करने के लिए क्या कदम उठाए थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में प्रदर्शन आज पूरी दुनिया में भारत की पहचान बन चुका है। जब कोई खिलाड़ी पदक जीतता है तो वह सम्मान केवल खिलाड़ी या संस्था का नहीं, बल्कि पूरे 140 करोड़ भारतीयों का होता है। - रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री, खिलाड़ियों के सम्मान व उचित अवसर देने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

रविचंद्रन अश्विन

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा के बाद, रविचंद्रन अश्विन एक स्वतंत्र पक्षी के रूप में उभरे हैं, जो नए रास्ते तलाशने के लिए तैयार हैं। खबर है कि वह दोहरी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं - कोच-सह-खिलाड़ी के रूप में खुद को परखने के लिए। अश्विन के पास अभी भी बहुत कुछ करने को बाकी है और अभी उनका प्रदर्शन बाकी है। 38 साल की उम्र में, वह अभी भी बहुत आगे नहीं बढ़े हैं; आखिरकार, एमएस धोनी उनसे छह साल बड़े हैं और अभी भी मज़बूती से खेल रहे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत के पास एशिया कप के इतिहास में रनों के मामले में सबसे बड़ी जीत हासिल करने का रिकॉर्ड है। भारत ने हॉन्ग कॉन्ग को 256 रनों के बड़े अंतर से हराकर ये रिकॉर्ड बनाया था।

तोपची बनाम जेआरपीसी के बीच होगा चैलेंजर का फैसला

जयपुर, 30 अगस्त। जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब में गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी में रोमांचक पोलो मुकाबले जारी हैं। टीम जाजू पोलो ने आज शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। ध्रुव ने अपनी विशिष्ट कुशलता से स्कोरबोर्ड पर बढ़त बनाई, जबकि नए खिलाड़ी स्वास्तिक और अमित ने अपने तीखे खेल और सहज समन्वय से प्रभावित किया। टीम बिंदायका ने जोरदार मुकाबला किया, जिसमें महेंद्र और नरेंद्र ने जयवीर का अच्छा साथ दिया, लेकिन जाजू पोलो ने अपनी पकड़ बनाए रखते हुए 9-5 से जीत हासिल की। दूसरे मैच में, टीम तोपची (आर्टिलरी - भारतीय सेना) ने कैप्टन प्रिंसपाल और लेफ्टिनेंट कर्नल गौतम के शानदार खेल की बदौलत टीम आरवीसी को 7-4 से हराया। टीम आरवीसी के संतोष और पांडा ने कड़ी टक्कर दी, खासकर अंतिम चक्कर में, लेकिन स्कोरलाइन को पलट नहीं पाए। टीम तोपचीऔर टीम जेआरपीसी के बीच एक मैच शेष रह गया है, अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि ग्रैंड फिनाले में जाजू पोलो को कौन चुनौती देगा।

हैण्डबॉल खिलाड़ी हर्ष ब्रह्मभट्ट ने जीता योगा का खिताब

तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस का आज होगा समापन

जयपुर, 30 अगस्त। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष में सवाई मानसिंह स्टेडियम में योगा और वालीबॉल खेल का आयोजन किया गया। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि योगा खेल में बालक वर्ग में हैण्डबॉल खिलाड़ी हर्ष ब्रह्मभट्ट और बॉक्सिंग खिलाड़ी तरूण ने पहला और दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि बालिका वर्ग में एथेलेटिक्स खिलाड़ी कविता और जिम्नास्टिक खिलाड़ी काव्या कुमावत प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल किया। उन्होनें बताया कि वालीबॉल खेल में पुरूष वर्ग में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने पहला और सुभाष चंद्र बोस ने दूसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार महिला वर्ग में रानी लक्ष्मीबाई विजेता और सरोजनी नायडू उपविजेता रही। उन्होनें बताया कि 31 अगस्त को प्रातः सात बजे साईक्लिंग स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। रविवार को तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस का समापन होगा। सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा मुख्य अतिथि होगें।

श्याम सुंदर ने व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा में एवं धनाराम ने भी दिलाया गोल्ड मेडल

बीकानेर, 30 अगस्त। यूरोप के चेक गणराज्य में आयोजित पैरा वर्ल्ड रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट में भारत के तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन कर देश का मान बढ़ाया। भारत के स्टार तीरंदाज श्याम सुंदर स्वामी ने फाइनल मुकाबले में फ्रांस के तीरंदाज को 145-149 अंकों से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पूरे मैच के दौरान श्याम सुंदर के हर निशाने पर भारत माता की जय के उद्घोष से स्टेडियम गूंज उठा। यह जीत भारत के लिए गर्व का क्षण है। श्याम सुंदर 2025 में लगातार दूसरी बार प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में चैंपियन बने हैं। इससे पूर्व उन्होंने थाईलैंड में आयोजित पैरा एशिया कप में भी स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया था।

व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ-साथ, श्याम सुंदर ने कंपाउंड कैटेगरी की टीम स्पर्धा में भारत के राकेश कुमार के साथ मिलकर भी स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। वहीं, राजस्थान के बीकानेर जिले के धनाराम गोदारा ने रिकर्व कैटेगरी टीम स्पर्धा में भारत के हरविंदर सिंह के साथ स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान और देश का नाम रोशन किया।

श्याम सुंदर की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर राजस्थान क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष नीरज के. पवन, राजस्थान तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह, एवं राजस्थान ओलंपिक संघ व तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने उन्हें और उनके कोच अनिल जोशी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

एसएमएस स्टेडियम में संगीत की लय के साथ योगासनों की प्रस्तुति

जयपुर, 30 अगस्त। देश के विभिन्न प्रांतो से आयी योग टीम ने हैरत अंगेज करने वाली मुद्राओं को बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत किया। सही मायनो में इन दिनों एस .एम .एस इंडोर स्टेडियम योगमय हो गया है जिधर देखो उधर विभिन्न राज्यों से आये विद्यार्थी योगाभ्यास करते नज़र आये। बच्चों के शरीर का लचीलापन और तारतम्य देखते ही बनता है। अक्सर हमें सामान्य आसन देखने को मिलते है लेकिन एडवांस योगिक क्रियाएं इंडोर स्टेडियम में देखने को मिल रही है। जटिल योग दर्शन को देखने गुलाबी नगरी के विभिन्न स्कूलों के छात्र -छात्राएं स्टेडियम आ रहे है। योगासन प्रीमियर लीग रविवार को संपन्न होगी योगा लीग के संयोजक अभिनव जोशी ने बताया की योगा लीग में भाग लेने वाले प्रतिभागी यूथ होटल में ठहरे हुए है । योगाचार्य ढाकाराम ने बताया की योगासन लीग का मुख्य उद्देश्य संपूर्ण भारत में जन- जन तक योग के प्रति जाग्रति पैदा करना है।

आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स से अलग हुए द्रविड़

जयपुर, 30 अगस्त। आईपीएल 2026 से पहले राहुल द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) का साथ छोड़ दिया है।फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में टीम के पूर्व मुख्य कोच द्रविड़ का उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि फ्रेंचाइजी ने उन्हें एक बड़ी भूमिका की पेशकश की थी जिसे द्रविड़ ने स्वीकार नहीं किया। आरआर ने अपने बयान में कहा, ''राहुल द्रविड़ का राजस्थान रॉयल्स के साथ एक लंबा और गहरा रिश्ता रहा है। उन्होंने टीम को कई सालों तक मार्गदर्शन दिया। उनके नेतृत्व में खिलाड़ियों की एक पूरी पीढ़ी को तैयार किया गया। उन्होंने टीम में मजबूत मूल्यों को स्थापित किया और फ्रेंचाइजी की संस्कृति पर एक अमिट छाप छोड़ी।

''फ्रेंचाइजी की संरचनात्मक समीक्षा के हिस्से के रूप में राहुल को फ्रेंचाइजी में एक व्यापक पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं करने का फैसला किया। राजस्थान रॉयल्स, उसके खिलाड़ी और दुनिया भर के लाखों प्रशंसक उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल को दिल से धन्यवाद देते हैं।''

आईपीएल 2025 का सीजन राहुल द्रविड़ के लिए व्यक्तिगत रूप से भी काफी चुनौतीपूर्ण रहा था। उन्हें पैर में चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें काफी समय तक व्हीलचेयर पर रहना पड़ा, हालांकि वह टीम को कोचिंग देते रहे। इस सीजन द्रविड़ की कोचिंग में आरआर 14 में से सिर्फ चार ही मैच जीत पाई और नौवें स्थान पर रही। बतौर खिलाड़ी द्रविड़ 2011 में आरआर के साथ जुड़े थे। 2014 और 2015 में बतौर मेंटॉर आरआर को अपनी सेवा देने से पहले द्रविड़ 2012 और 2013 में भी आरआर का बतौर खिलाड़ी हिस्सा रहे थे।

आरआर का साथ छोड़ने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और अब आरआर बिना मुख्य कोच के हैं। पिछले महीने चंद्रकांत पंडित केकेआर से अलग हो गए थे। आरआर के पास इस समय कुमार संगकारा बतौर क्रिकेट निदेशक, विक्रम राठौर बल्लेबाजी कोच और शेन बॉन्ड गेंदबाजी कोच के रूप में मौजूद हैं। 2008 के बाद से ही आरआर ने कोई आईपीएल खिताब अपने नाम नहीं किया है। उनके दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आईपीएल 2022 में आया था जब गुजरात टाइटंस के हाथों उन्हें फाइनल में हार मिली थी।

जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए भारत दौरे पर आएगी पाक टीम

नयी दिल्ली, 30 अगस्त। जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की टीम भारत आएगी। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने शनिवार को कहा, पाकिस्तान ने तमिलनाडु में होने वाले इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए अपनी जूनियर टीम भेजने पर सहमति दे दी है।

वर्ल्ड कप तमिलनाडु के मदुरई और चेन्नई में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएगा। दूसरी ओर, भारत में चल रहे सीनियर हॉकी एशिया कप के लिए पाकिस्तान टीम ने भारत आने से मना कर दिया था। वहां की सरकार ने सुरक्षा कारणों से अपना नाम वापस लिया था।

भारत-पाकिस्तान पूल बी में हॉकी एशिया कप से पाकिस्तान के हटने के बाद, जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता थी। हालांकि, अब कन्फर्मेशन के बाद टूर्नामेंट तय शेड्यूल पर हो सकेगा। भारत और पाकिस्तान को चिली और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है।

महासचिव ने पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन से बात की टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर भोलानाथ ने कहा, पाकिस्तानी टीम जूनियर विश्व कप के लिए भारत आ रही है। उन्होंने कल रात हमें इसकी पुष्टि की। मैंने उनसे उनकी उपलब्धता के बारे में पूछा था, क्योंकि उन्होंने मौजूदा एशिया कप से हटने का फैसला किया था। दरअसल, हॉकी एशिया कप में खेलने से इनकार के बाद संदेहजताया गया था कि क्या पड़ोसी देश की टीम नवंबर-दिसंबर में दक्षिण भारतीय शहरों चेन्नई और मदुरई में आयोजित होने वाले जूनियर विश्व कप में प्रतिस्पर्धा करेगी। हालांकि, अब साफ हो गया है कि पाकिस्तान की टीम भारत का दौरा करेगी।

21 सितंबर को भारत सरकार ने मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में खेलने की इजाजत दी पिछले हफ्ते, भारत सरकार ने नई स्पोर्ट्स पॉलिसी में पाकिस्तान के साथ मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में भारत को खेलने की इजाजत दी थी। इसमें कहा गया कि भारतीय एथलीट्स और टीमों को उन अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने दिया जाएगा, जिनमें पाकिस्तान की टीमें या खिलाड़ी भी हों। हालांकि, भारत पाकिस्तान में होने वाले किसी भी टूर्नामेंट में भाग नहीं लेगा, साथ ही दोनों देशों के बीच कोई भी द्विपक्षीय सीरीज या मैच नहीं होंगे।

अजेय बढ़त के साथ सेंट्रल जोन और नॉर्थ जोन का सेमीफाइनल में पहुंचना तय

बेंगलुरु 30 अगस्त। सेंट्रल जोन और नॉर्थ जोन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विशाल बढ़त के साथ दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइलन में जगह लगभग पक्की कर ली है। दोनों टीमों ने पहली पारी में भी बढ़त हासिल की थी और अब विशाल बढ़त के साथ उनका अंतिम चार का दावा भी मजबूत हो गया है।

शुभम शर्मा (122) की शतकीय तथा यश राठौड़ (78) और कप्तान रजत पाटीदार (66) रनों की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत सेंट्रल जोन ने क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन शनिवार को अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 331 का स्कोर घोषित करने के बाद नॉर्थ ईस्ट जोन को जीत के लिए 679 रनों का लक्ष्य दिया है। नॉर्थ ईस्ट जोन ने कल के सात विकेट पर 168 रन से आगे खेलना शुरु किया और उसकी टीम महज 17 रन जोड़ कर अपने तीनों विकेट 185 के स्कोर पर गंवा दिये। सेंट्रल जोन के लिए आदित्य ठाकरे ने तीन विकेट लिये। खलील अहमद और हर्ष दुबे को दो-दो विकेट मिले। दीपक चाहर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल जोन ने तेजी के साथ रन बटोरे और दिन का खेल समाप्त होने के समय 80.3 ओवर में सात विकेट पर 331 के स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर दी। शुभम शर्मा ने 215 गेंदों में 17 चौके लगाते हुए 122 रनों की पारी खेली। रजत पाटीदार ने 72 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाते हुए 66 रन बनाये। यश राठौड़ ने 83 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए 78 रनों की पारी खेली। नॉर्थ ईस्ट जोन के लिए आकाश चौधरी और विश्वोर्जित सिंह ने दो-दो विकेट लिये। फिरोइजम सिंह और अंकुर मलिक ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में कप्तान अंकित कुमार (नाबाद 168) और यश ढुल (133) की शतकीय पारियों की बदौलत नॉर्थ जोन ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय दो विकेट पर 388 रन बना लिये है और उसने कुल बढ़त 563 रनों की बढ़त के साथ मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। आज यहां नॉर्थ जोन ने अपनी दूसरी पारी की शुरुआत शुभम खजुरिया और अंकित कुमार की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़े। 17वें ओवर में सूरज सिंधु जायसवाल ने शुभम खजुरिया (21) को बोल्ड कर ईस्ट जोन को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये यश ढुल ने अंकित कुमार के साथ दूसरे विकेट के लिए 240 रन की साझेदारी की। 66वें ओवर में रियान पराग ने यश ढुल को पगबाधा आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। यश ढुल ने 157 गेंदों में 14 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 133 रनों की पारी खेली।

एशिया कप से पहले फिटनेस टेस्ट के लिए गिल रवाना

नयी दिल्ली, 30 अगस्त। शुभमन गिल फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) जा रहे हैं। एशिया कप से पहले, भारतीय टेस्ट कप्तान और टी20 उप-कप्तान शुक्रवार (29 अगस्त) शाम को अनिवार्य मूल्यांकन के लिए बेंगलुरु पहुंच गए हैं, जो एशिया कप जाने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य है। यह स्पष्ट नहीं है कि गिल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्र में फिटनेस टेस्ट कब देंगे, लेकिन संभवतः यह अगले कुछ दिनों में होगा।

संभावना है कि गिल एशिया कप के लिए बेंगलुरु से सीधे यूएई के लिए उड़ान भरेंगे। गिल हाल ही में अस्वस्थ थे और चंडीगढ़ में आराम कर रहे थे, यही वजह थी कि उन्हें दलीप ट्रॉफी अंतर-क्षेत्रीय लाल गेंद प्रतियोगिता में भाग नहीं लेना पड़ा। ठीक होने के बाद, उन्होंने शुक्रवार को बेंगलुरु के लिए उड़ान भरने से पहले कुछ दिनों के लिए अपने गृहनगर में अभ्यास शुरू किया।

इस बीच, भारतीय टीम 4 सितंबर को दुबई में एकत्रित होगी। खिलाड़ी आमतौर पर अभ्यास के दौरान एक ही स्थान से एक साथ नहीं निकलेंगे, बल्कि अपने-अपने बेस से अलग-अलग उड़ान भरेंगे और पहले अभ्यास सत्र के लिए समय पर दुबई पहुँचेंगे।

ऐसा माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन ने पहला नेट सत्र 5 सितंबर के लिए निर्धारित किया है। हालांकि नेट अभ्यास के लिए स्थान अभी तक तय नहीं किया गया है, लेकिन पूरी संभावना है कि यह दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में आयोजित किया जाएगा। भारतीय टीम ने इस साल की शुरुआत में अपने सफल चैंपियंस ट्रॉफी अभियान के दौरान इसी स्थान पर प्रशिक्षण लिया था। हाल ही में इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज समाप्त करने के बाद, भारतीय टीम ट्वेंटी-20 प्रारूप में अभ्यास में कम रही है। हालांकि, भारत के अलावा, बाकी सभी टीमों ने तैयारी शुरू कर दी है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और यूएई शारजाह में त्रिकोणीय सीरीज में भाग ले रहे हैं।

अपनी सर्वोच्च फॉर्म के साथ एशिया कप के लिए तैयार है अर्शदीप सिंह

बेंगलुरु, 30 अगस्त। भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह दलीप ट्रॉफी में कड़ी तैयारी के बाद एशिया कप 2025 में अपनी सर्वोच्च फॉर्म के साथ अबु धाबी में अपनी टीम मे योगदान देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एशिया कप टूर्नामेंट में भारत का पहला मैच 10 सितंबर को यूएई से होगा, उसके बाद भारतीय टीम पाकिस्तान और ओमान के खिलाफ मैच खेलेंगी। अर्शदीप ने टूर्नामेंट के लिए अपनी फिटनेस, अनुकूलन क्षमता और मानसिक दृढ़ता को लेकर कड़ी मेहनत की है यह टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के सबसे अधिक 21 विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे अर्शदीप ने बेंगलुरु में ईस्ट जोन के खिलाफ नॉर्थ जोन के साथ दलीप ट्रॉफी में अपने कार्यकाल का उपयोग अपने शारीरिक और मानसिक खेल को बेहतर बनाने के लिए किया। दलीप ट्रॉफी में दूसरे दिन 17 ओवर डालने वाले अर्शदीप ने कहा, मुझे जितने ओवर मिले, उससे मुझे बहुत अच्छा लगा। 15-17 ओवर के बाद मेरा शरीर ठीक महसूस करता है और गेंद भी अच्छी तरह से आ रही है। आज ज़्यादा विकेट नहीं मिले, लेकिन भविष्य में जरूर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि उनका वर्तमान ध्यान मानसिकता पर है, खासकर लाल गेंद वाले क्रिकेट के 'उबाऊ समय' का आनंद लेना सीखना। उन्होंने साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की सलाह का श्रेय देते हुए कहा, लंच के बाद के सत्र में, ज्यादातर गेंद कुछ नहीं करती। आप उस दौर का कितना आनंद लेते हैं, यह बताता है कि आप लाल गेंद वाले क्रिकेट में कितने सफल हो सकते हैं। आगामी एशिया कप के लिए अपनी अनुशासित तैयारी को लेकर उन्होंने कहा, जब आप खेल नहीं रहे होते हैं, तो आप प्रशिक्षण में अपनी सीमाओं को पार कर जाते हैं। ज्यादा ओवर, अधिक ताकत, ज्यादा अभ्यास। हमारा लक्ष्य है कि जब भी मौका मिले, तैयार रहें। प्रारुप बदलना महत्वपूर्ण होगा और अर्शदीप सहज बदलाव सुनिश्चित करने के लिए पहले से ही सफेद गेंद से अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लाल गेंद, सफेद गेंद या गुलाबी गेंद, आपको क्रिकेट खेलना होगा और उसका आनंद लेना होगा। मानसिकता इस बारे में है कि आप स्थिति, विकेट और मौसम के अनुसार कितनी जल्दी ढल सकते हैं। यह जानना महत्वपूर्ण है कि कब प्रयास करना है और कब ऊर्जा बचानी है।

भारत ने ताजिकिस्तान को 2-1 से हराया

दुशांबे, 30 अगस्त। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने शनिवार को सीएएफए नेशंस कप 2025 के अपने पहले मैच में ताजिकिस्तान को 2-1 से हराकर खालिद जमील युग की शुरुआत की। आज यहां हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में डिफेंडर अनवर अली और संदेश झिंगन ने दुनिया की 133वें नंबर की टीम भारत के लिए गोल किये जबकि 106वीं रैंकिंग वाली ताजिकिस्तान की ओर से शाहरोम समीव ने गोल किया। भारतीय टीम की ताजिकिस्तान के खिलाफ 17 साल बाद पहली जीत है। भारत की दो साल में विदेशी धरती पर पहली जीत है। भारतीय टीम ने विदेशी जमीन पर आखिरी बार नवंबर 2023 में विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत को हराया था। मेजबान टीम ने शुरुआत में गेंद पर काफी नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन उसका फायदा नहीं उठा पाई। भारतीय टीम ने पांचवें मिनट में अनवर अली के हेडर से किये गये गोल की बदौलत बढ़त बनाई। भारतीय टीम का दूसरा गोल संदेश झिंगन ने 13वें मिनट में किया। हालांकि 23वें मिनट में ताजिकिस्तान की तरफ से सहरोम समिव ने गोल दाग कर वापसी का प्रयास किया। लेकिन वे सफल नहीं हुये। इसके बाद दोनों टीमें और कोई गोल नहीं कर पायी और भारतीय टीम यह मुकाबला जीत लिया।

भारत ने 50 स्वर्ण पदकों के साथ रचा इतिहास

शिमकेंट, 30 अगस्त। कजाकिस्तान के शिमकेंट में आयोजित 16वीं एशियाई शूटिंग चैम्पियनशिप (सभी स्पर्धाएं) का समापन हो गया, और 12 रोमांचक प्रतियोगिता दिनों के बाद भारतीय टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 50 स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया - जो इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय चैम्पियनशिप के इतिहास में पहली बार हुआ है। विशेष रूप से सीनियर टीम का प्रदर्शन ओलंपिक की 15 स्पर्धाओं में (राइफल, पिस्टल और शॉटगन वर्गों में) अत्यंत सराहनीय रहा, जहां भारतीय निशानेबाजों ने 6 स्वर्ण, 2 रजत और 3 कांस्य पदक अपने नाम किए। इस वर्ग में भारत का स्थान चीन के बाद रहा, जिसने 8 स्वर्ण जीते, जबकि मेजबान कजाकिस्तान ने 1 स्वर्ण पदक हासिल किया। भारत ने चैम्पियनशिप का समापन कुल 99 पदकों के साथ किया, जिसमें 50 स्वर्ण, 26 रजत और 23 कांस्य पदक शामिल थे। मेजबान कजाकिस्तान 70 पदकों (21 स्वर्ण सहित) के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि चीन ने 15 स्वर्ण और कुल 37 पदकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में प्रदर्शन का मुख्य आकर्षण दो बार की ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन का महिला एयर राइफल में एशियाई रिकॉर्ड स्कोर के साथ दूसरा एशियाई खिताब जीतना रहा। उन्होंने अर्जुन बाबूता के साथ मिक्स्ड टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक जीता। नीरू धांडा ने महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में भारत के लिए पहला एशियाई चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक जीता, सिफ्त कौर समरा ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) में अपना पहला एशियाई खिताब जीता, जबकि ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने पुरुषों की 3पी स्पर्धा में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। भारतीय जूनियर निशानेबाजों ने भी सभी ओलंपिक स्पर्धाओं में दबदबा बनाते हुए 10 स्वर्ण पदक जीते, साथ ही 4 रजत और 4 कांस्य पदक भी अपने नाम किए, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि इस खेल में भारत की गहराई कितनी मजबूत है। अन्य स्वर्ण पदक युवा वर्ग, टीम स्पर्धाओं तथा गैर-ओलंपिक स्पर्धाओं से आए।

गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश आज से

राजस्थान के दस खिलाड़ी सीधे मुख्य ड्रॉ में खेलेंगे

जयपुर, 30 अगस्त। राजस्थान स्क्वैश एसोसिएशन की मेजबानी में गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन टूर्नामेंट का आयोजन 1 से 6 सितम्बर तक यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम कोर्ट्स पर किया जाएगा। टूर्नामेंट में 450 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसमें 32 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा ने शनिवार को यहां बताया कि भारत के अलावा मलेशिया, सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, श्रीलंका और बांग्लादेश से भी खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने आ रहे हैं।

सुरभि मिश्रा ने बताया कि यह एशियन स्क्वैश रैकेट फेडरेशन का प्लेटिनम इवेंट है और स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया का सिक्स स्टार टूर्नामेंट है। इसमें बालक और बालिका वर्ग में कुल 12 इवेंट होंगी। दोनों वर्गों में अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 कैटेगरी में मुकाबले होंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के शुरुआती तीन दिन क्वालीफाइंग मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि 3 सितम्बर को सायं से मुख्य ड्रॉ के मैच खेले जाएंगे।

सुरभि ने बताया कि अलग- अलग कैटेगरी के राजस्थान के दस खिलाड़ियों को उनकी रैंकिंग के आधार पर सीधे मुख्य ड्रॉ में जगह मिली है। अंडर-11 बॉयज में युवान वर्मा और गर्ल्स में गौरवी अजमेरा, अंडर-13 बॉयज में प्रभव बाजोरिया और धैर्य गोगिया तथा गर्ल्स में दिव्यांशी जैन, अंडर-15 गर्ल्स में गौरी जायसवाल, अंडर-17 बॉयज में सुभाष चौधरी, अंडर-19 गर्ल्स में याशी जैन, छवि सारण और रितिका सिंह बुन्देला को सीधे मुख्य ड्रॉ में जगह मिली है।

उत्सव व रौनक का सीबीएसई वेस्ट जोन क्रिकेट टीम में चयन

जयपुर, 30 अगस्त। शाँति एशियाटिक स्कूल, जयपुर के छात्रों को मिला गोल्ड मेडल। कक्षा-8 छात्र उत्सव शर्मा का चयन सीबीएसई वेस्ट जोन अंडर-14 में तथा कक्षा 12 के छात्र रौनक राकेश गुप्ता का चयन सीबीएसई वेस्ट जोन अंडर-17 क्रिकेट टीम में हुआ है। यह प्रतियोगिता 22 से 28 अगस्त तक भोपाल में आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता के आधार पर उत्सव शर्मा और रौनक राकेश गुप्ता का चयन सीबीएसई वेस्ट जोन क्रमशः अंडर-14 एवं 17 वेस्ट जोन क्रिकेट टीम में हुआ। यह प्रतियोगिता अगले महिने नोएडा में आयोजित होगी।

कंचन, वृंदा, भावना, उषा का शानदार प्रदर्शन

मुकुल चौधरी , प्रशांत माली, अनिरुद्ध सिंह के शतक

जयपुर, 30 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर महिला टी 20 चैलेंजर टॉफी व राज्य स्तरीय सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी (मल्टी डेज) के आज खेल गए मैच का परिणाम व स्कोर :-

राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन टी 20 चैलेंजर ट्रॉफी के आज सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेले गए मैचों का परिणाम:-

पहला मैच टीम बी - टीम सी (टीम बी 35 रन से जीती), टीम बी पारी 117/6, टीम के लिए कंचन हाडा 53, आयुषी गर्ग 32 रनो का योगदान दिया।

टीम सी की गेंदबाज स्नेहा 16/2, याना 18/2 व किलम 7/1 विकेट। टीम सी पारी 82 आल आउट। टीम के लिए चंद्र ज्योत्सना नाबाद 37 रन। टीम बी की गेंदबाज भावना मीणा 10/4 , कंचन हाडा 6/3 , मनीषा 17/2 व अर्चना योगी 8/1 विकेट।

दूसरा मैच टीम ए - टीम डी (टीम ए 5 विकेट से जीती)। टीम डी पारी 68 आल आउट। टीम के लिए सीमा 14, अंशु , मेघा 13 -13 व प्रिया 12 रन। टीम ए की गेंदबाज उषा 17/3 , गंगा 12/2 व सोनम, तम्मना व मनस्वी 1-1 विकेट। टीम ए पारी 69/5, टीम के लिए रिज़ा 23 व बबिता 12 रन। वृंदा शर्मा 6/3, फोरा व कौशल्या प्रत्येक 1-1 विकेट।

राज्य स्तरीय सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी (मल्टी डेज) दूसरे दिन का स्कोर व प्रदर्शन :- के एल सैनी स्टेडियम टीम एफ - टीम जी

टीम एफ पारी 287 आल आउट, टीम के लिए मुकुल चौधरी नाबाद 148 रन। टीम जी की गेंदबाज दीपेंद्र 59/3 व आशीष इन्दोरिया , भूपेंद्र शर्मा प्रत्येक 1 -1 विकेट। टीम जी पारी 142/6, टीम के लिए राज शर्मा 48 , देवांश 37 ,भूपेंद्र शर्मा प्रत्येक 1-1 विकेट। टीम एफ के गेंदबाज रजत चौधरी 40 /2 विकेट।

जयपुरिया ग्राउंड टीम एच् - टीम ई, टीम एच् पारी 283 आल आउट। टीम के लिए भारत शर्मा 56 , रोहित खीचड़ 64 , रजत सिंह 30 रन। टीम ई के गेंदबाज मोहित छांगरा 28/3, सलाऊद्दीन 47/3, विशाल 45/2 व शुभम शर्मा , जय गोयल प्रत्येक 1-1 विकेट। टीम ई पारी 202/6, टीम के लिए प्रशांत माली नाबाद 105 , मोहित छांगरा नाबाद 40 व दिव्य प्रताप 24 रन। टीम एच् के गेंदबाज दानिश भांभू 31/3 , निर्मल बिश्नोई 45/2 व राजेश बिश्नोई 24/1 विकेट।

अनंतम ग्राउंड टीम बी - टीम सी, टीम बी पारी 190 आल आउट, टीम के लिए आदित्य लूणा 63 , शबाज़ 63 , हिमांशु 22 रन। टीम सी के गेंदबाज अनिरुद्ध सिंह चौहान 27 /5 विकेट। टीम सी पारी 171/5, टीम के लिए रामनिवास गोलाडा 62 , कुणाल सिंह राठौर नाबाद 32 , दिव्य प्रताप 26 व भवानी सुथार 23 रन। टीम बी के गेंदबाज मो साद 17/3 व दीपक 41/1 विकेट।

सोनी ग्राउंड टीम ए - टीम डी, टीम ए पारी 367/4, टीम के लिए अनिरुद्ध सिंह 126, मनेंद्र सिंह 73, वैभव भाटी 68, हर्षवर्धन सिंह नाबाद 47 व रजत भघेल 34 रन। टीम डी की गेंदबाज दुष्यंत कच्छावा 60/2 व सिद्धार्थ ,कार्तिकेय 1 -1 विकेट।

सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी सेमीफाइनल में, पदक पक्का

पेरिस, 30 अगस्त। सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी 30 अगस्त को पेरिस के एडिडास एरिना में 11वीं वरीयता प्राप्त चीन के चेन बो यांग और लियू यी से फाइनल में जगह बनाने के लिए संघर्ष करेंगे। भारतीय जोड़ी ने 29 अगस्त को बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी, आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर पदक पक्का किया और 2011 के संस्करण से शुरू हुए टूर्नामेंट में भारत के कम से कम एक पदक जीतने के सिलसिले को और आगे बढ़ाया। भारतीय शटलरों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 43 मिनट तक चले मुकाबले में अपने प्रतिद्वंद्वियों को सीधे गेमों में 21-12, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ, सात्विक-चिराग ने इस साल के संस्करण में भी भारत के लिए एक पदक पक्का कर लिया है।

University of Engineering & Management

UEM
श्रद्धावान लभते ज्ञानम्
UNIVERSITY OF ENGINEERING & MANAGEMENT
Good Education, Good Jobs

IEM - UEM Group | Jaipur

IEM & UEM Institutions are Founded and Managed by IITians and Majority of Faculty are IITians

INDIAN UNIVERSITY RATINGS QS I-GAUGE PLATINUM & DIAMOND | BEST COLLEGES OF INDIA 2024 INDIA TODAY | Times Higher Education Impact Rankings 2024 | GU GLOBAL UNIVERSITY RANKINGS | nirf NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK | SHALBY ACADEMY | AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION | UGC | AICTE APPROVED | NAAC ACCREDITED | AIU MEMBER | BOARD OF APPRENTICESHIP TRAINING (NORTHERN REGION)

UEM Jaipur is Ranked in The Top Position in North India under Institutions Innovation Council by Ministry of Education, Govt. of India

Industry Associated Dual Degree Program

CSE DATA SCIENCE - SAS | CSE CLOUD COMPUTING & VISUALIZATION | BBA DIGITAL BUSINESS - IIDE | BBA IN MEDIA MANAGEMENT

"Students may opt for Dual Degree Programs - for example, a student may select Civil Engineering as major degree with CSE as minor degree or vice-versa"

Scholarships
UPTO 100%
for Rajasthan Girls Student

100% FEE WAIVER	95% OR ABOVE IN (10+2)
75% " "	80% OR ABOVE IN (10+2)
50% " "	75% OR ABOVE IN (10+2)
25% " "	70% OR ABOVE IN (10+2)

- SC-ST Scholarship (as per Government Rules)
- Scholarship for IEMJEE Candidates
- Scholarship for Sports Candidate
- Scholarship for Rajasthan Girl Students

₹7 CRORES + WORTH SCHOLARSHIPS PROVIDED | ₹72 LPA HIGHEST ANNUAL SALARY OFFERED | 800+ Research Paper Published | 40+ Design Patents Granted | 600+ Patents Published

B.TECH | M.TECH | BBA/MBA | BCA/MCA | BPT/MPT | POST GRADUATE DIPLOMA IN YOGA

Ph.D Admission Notification 2025-26

Eligibility and Admission criteria as per the UGC Guideilnes & Rgulations

Applications are invited from highly motivated and research-oriented candidates for the Ph.D Programme in the following disciplines.

Scan QR Code for Registration

- Computer Science & Engineering
- Mechanical Engineering
- Electrical Engineering
- Civil Engineering
- Electronics & Communication Engineering
- Management
- English
- Physics
- Chemistry
- Mathematics

CENTRE FOR FOREIGN LANGUAGES
German | French | Japanese
Mandarin (Chinese)

Placements at UEM JAIPUR Continue till the last willing student is Satisfactory Placed

All students of 2025 passout batch received Job Offers

80% Students got Multiple Job Offers

STUDENTS PLACED 2863+ | JOB OFFERS 3895+

645+ COMPANIES VISITED

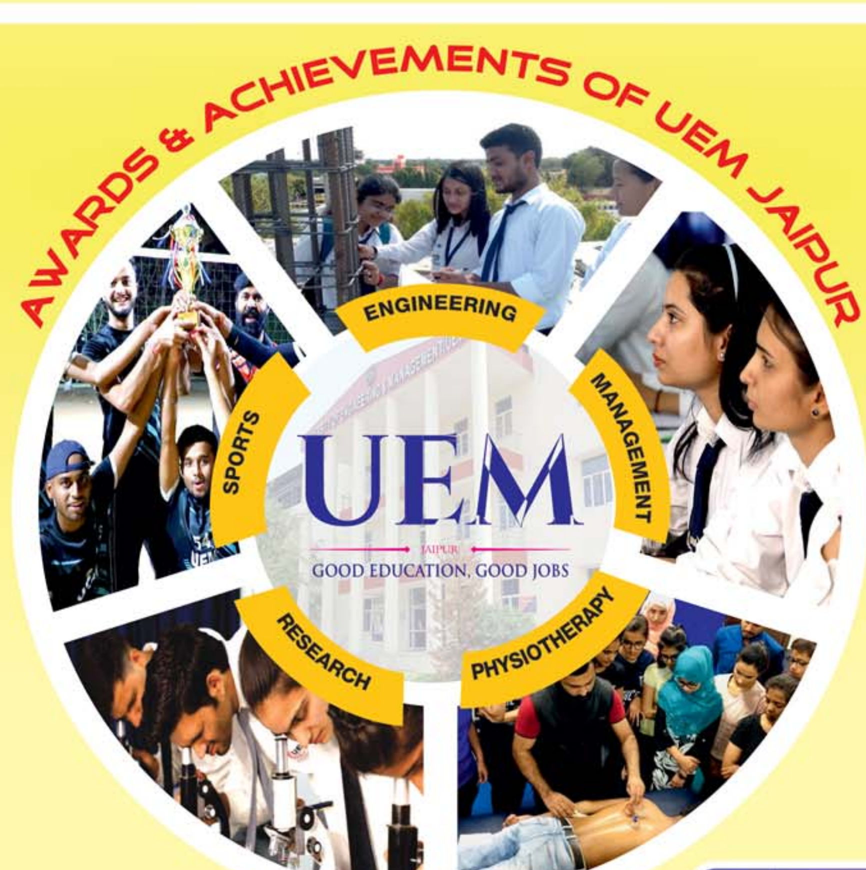

PARTICIPATE IN OFFLINE IEMJEE 2025 EXAM

2nd Rank in Rajasthan
by The Prestigious Times Engineering Ranking Survey 2025

Academic Partners
TCS TATA CONSULTANCY SERVICES | IBM | sas | IIDE THE DIGITAL SCHOOL | CAMBRIDGE

Foreign University Collaborations
UNLV | 岩手県立大学 | RENNES SCHOOL OF BUSINESS | GIIM | Brunel University London | RICHARD A. CHAIFETZ SCHOOL OF BUSINESS SAINT LOUIS UNIVERSITY

More than 18000+ Certification
HARVARD BUSINESS SCHOOL | coursera Education for Everyone | LinkedIn Learning | Infosys Springboard | CAMBRIDGE | IBM | edX

Study Abroad Program for Meritorious Students
USA, CANADA, UK, AUSTRALIA & SINGAPORE

5 Industry Established Labs

Leading University for 6G Projects, Govt. of India

APPLY ONLINE: www.uem.edu.in

Campus: 'Gurukul', Udaipuria Mod, 6 Kms. from Chomu on Sikar Road, Jaipur-303807 (Rajasthan)

9887313330, 9887933330
9887413330, 9887433330